C M Y K

**आज का विचार**

दोस्ती
एक ऐसे रिश्ते
का नाम है
जिसे खून के रिश्ते से भी
ऊपर रखा जाता है।


www.ambikavani.com

# अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-222 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, शुक्रवार 6 जून, 2025


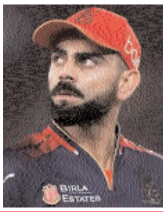


**रेलवे फाटक से टकराई कंटेनर,दो घंटे बाधित रहा रेल यातायात**

**आरसीबी की विक्ट्री परेड से पहले मची भगदड़ पर विराट कोहली ने दी प्रतिक्रिया**

## पहला कॉलम

### बेंगलुरु भगदड़ हादसा : सीएम , डिप्टी सीएम और क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

**बेंगलुरु ,05 जून(ए)।** आईपीएल 2025 में पहली बार खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न बुधवार को दर्दनाक हादसे में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर खिलाड़ियों के स्वागत के लिए जमा हुई भारी भीड़ में मची भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए। घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कब्बन पार्क थाने में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार और क्रिकेट बोर्ड के पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इन पर भारी लापरवाही का आरोप लगाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 106 के तहत केस दर्ज करने की मांग की है।

**चश्मदीद बोले- जो गिरा, वो उठ नहीं पाया**

चश्मदीदों के अनुसार, भगदड़ इतनी भयानक थी कि जो व्यक्ति गिरा, वह फिर उठ नहीं सका। भीड़ के कारण एंबुलेंस भी समय पर नहीं पहुंच पाई। लोग घायलों को सड़क पर ही सीपीआर देते देखे गए। एबीएम मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर ने बताया कि मृतकों में पांच महिलाएं और छह पुरुष शामिल हैं, जिनकी उम्र 13 से 33 वर्ष के बीच है। इनकी मौत सिर, रीढ़ और पेट में गंभीर चोट लगने से हुई।

**मुख्यमंत्री बोले-** हादसे का बचाव नहीं, पर तुलना गलत

हादसे के बाद शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा हूं, लेकिन देश में पहले भी बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई थी।

## कुछ अलग

### बेंगलुरु में मची भगदड़ पर सोनू सूद ने जताया दुख, बोले- 'कोई भी जश्न जीवन के बराबर नहीं

**मुंबई ,05 जून(ए)।** अभिनेता सोनू सूद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी टीम की जीत के जश्न के दौरान बुधवार को बेंगलुरु में मची भगदड़ पर दुख जताया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अभिनेता ने कहा कि कोई भी जश्न जीवन से बड़ा नहीं होता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर अपने आधिकारिक हैंडल से सोनू सूद ने पोस्ट लिखा, बेंगलुरु में आईपीएल समारोह के दौरान हुई त्रासदी से दिल टूट गया। कोई भी उत्सव या जश्न जीवन से बड़ा नहीं होता है। पीड़ित परिवारों और सभी प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं।

सोनू सूद से पहले अभिनेत्री और क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा ने भी इस हादसे पर दुख जताया। अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर आईपीएल टीम आरसीबी का आधिकारिक बयान साझा किया। आरसीबी के आधिकारिक बयान में कहा गया, टीम के आगमन की प्रत्याशा में बेंगलुरु में लोगों की भीड़ के बारे में मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से सामने आई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से हम बहुत दुखी हैं। सभी की सुरक्षा और भलाई हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

## खरी-खरी

# कैसे आरसीबी के जीत के जश्न में चली गई 11 फैंस की जान

**0 बेंगलुरू में हुए भगदड़ में ११ लोगों की मौत 0 आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुआ भगदड़ 0 मृतकों के लिए मुआवजे का ऐलान किया गया**

बेंगलुरुः आईपीएल २०२५ में पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने जीत दर्ज की। आरसीबी फैन्स में इस जीत का उत्साह देखते ही बन रहा था। ३ जून को टीम ने जीत दर्ज की और ४ जून को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाने के लिए समारोह का आयोजन किया गया था। लेकिन देखते ही देखते जीत का जश्न मौत के मातम में तबदील हो गया।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित इस समारोह के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई जिसमें ११ लोगों की जान चली गई। कार्यक्रम में फैन्स अपने फेवरेट क्रिकेटर्स को देखने के लिए लाखों की संख्या में पहुंचे थे, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई और वहां भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में ११ लोगों की मौत हो गई, वहीं ४७ लोग बूरी तरह घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जानकारी के अनुसार, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर पहले से ही हजारों की संख्या में लोग खड़े थे। वहां आरसीबी के प्लेयर्स के आने से पहले भीड़ बहुत बढ़ गई जिससे रास्ता जाम हो गया। इस दौरान सड़क पर बहुत सारे पुलिस बल को तैनात किया गया था, जिससे की परिस्थिति अनियंत्रित न हो। स्टेडियम के सभी गेटों पर अंदर प्रवेश करने के लिए फैन्स की भाड़ी भीड़ एक साथ उमड़ पड़ी।

**इस कारण हुई भगदड़**

बता दें कि शुरूआत में कार्यक्रम के लिए पास जारी किए गए थे, लेकिन कार्यक्रम से पहले फैन्स के लिए निःशुल्क स्टेडियम में निःशुल्क प्रवेश की घोषणा कर दी गई। प्रबंधन की ओर से की गई यह घोषणा ही काल का कारण बना। लोगों मे अफरा-तफरी मच गई और वे लोग स्टेडियम के छोटे गेटों से प्रवेश करने की कोशिश करने लगे। इस दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए लगाए गए बैरिकेड गिर गए और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े और भगदर मच गई।

**महानिरीक्षक द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट**

इस भयानक घटना को लेकर बेंगलुरु पुलिस और महानिरीक्षक द्वारा कर्नाटक सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी गई है, जिसमें बताया गया है कि हजारों क्रिकेट प्रशंसकों की अप्रत्याशित भीड़ के कारण भगदड़ मची। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कार्यक्रम को कम समय में निर्धारित किया गया था। बावजूद इसके घटना स्थल पर सभी तरह की सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

**मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का ऐलान**

वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भगदड़ के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें इतनी भीड़ के आने की उम्मीद नहीं थी। सीएम ने सभी मृकत के परिवारों प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस घटना के दर्द ने जीत की खुशी को मिटा दिया। साथ ही कहा कि स्टेडियम की क्षमता ३५ हजार लोगों की है, जबकि २ से ३ लाख लोग आ गए। मुख्यमंत्री ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को १० लाख रुपये का मुआवजा देने और घायलों के लिए मुफ्त इलाज की घोषणा की है।

# हमारा हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित, केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

**नई दिल्ली ,05 जून(ए)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए सरकार को केंद्र में 11 साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने गुरुवार को अपनी सरकार के 11 साल के कार्यकाल में गरीब कल्याण के लिए किए गए कार्यों को गिनाया। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 साल में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर कई पोस्ट किए। उन्होंने अपने पहले पोस्ट में लिखा, बीते 11 साल में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। इस दौरान हमारी उपलब्धियां न सिर्फ अभूतपूर्व हैं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को आसान बनाने वाली हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि देश को आगे ले जाने के अपने इन प्रयासों के साथ हम विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे। एक अन्य 'एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने अपनी कई योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, गरीब कल्याण के लिए समर्पित सरकार। पिछले एक दशक में, एनडीए सरकार ने कई लोगों को गरीबी के चंगुल से निकालने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमारी प्रमुख योजनाओं ने गरीबों के जीवन को बेहतर बनाया है। पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने लोगों को आवास, स्वच्छ रसोई ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान की है। डीबीटी, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर जोर ने पारदर्शिता और अंतिम व्यक्ति तक तेजी से लाभ पहुंचाने को सुनिश्चित किया है। इन प्रयासों से 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। एनडीए एक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अवसर मिले। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार के प्रयासों से परिवर्तनकारी परिणाम सामने आए हैं और गरीब तथा हाशिए पर पड़े लोगों को लाभ हुआ है।

# टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने रचाई दूसरी शादी, 65 साल के पिनाकी मिश्रा बने जीवनसाथी

**0 टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने ५० की उम्र में की शादी 0 अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं महुआ मोइत्रा 0 पिनाकी मिश्रा ओडिशा से लोकसभा सांसद रह चुके हैं।**

**पश्चिम बंगाल।** टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) की तेज-तर्रार और बेबाक नेता महुआ मोइत्रा ने चुपचाप शादी कर ली है। महुआ मोइत्रा पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर लोकसभा सीट से सांसद हैं और देशभर में अपनी स्पष्ट और साहसी राजनीति के लिए जानी जाती हैं। वहीं, उनके जीवनसाथी बने पिनाकी मिश्रा पुरी, ओडिशा से लोकसभा सांसद रह चुके हैं और बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता हैं। हालांकि, इस शादी को लेकर न तो महुआ मोइत्रा ने और न ही किसी पार्टी प्रतिनिधि ने अब तक कोई आधिकारिक बयान दिया है। सूत्रों की मानें, तो यह समारोह बेहद निजी रखा गया, जिसमें सिर्फ करीबी लोग ही शामिल हुए।

**महुआ मोइत्रा की तस्वीर हुई वायरल**

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट में एक तस्वीर सामने आई है जिसमें महुआ मोइत्रा पारंपरिक कपड़े और सोने के गहनों में सजी मुस्कुराती नजर आ रही हैं। यह तस्वीर जर्मनी में ली गई बताई जा रही है। इसी से शादी की पुष्टि मानी जा रही है।

**महुआ मोइत्रा की निजी जिंदगी चर्चा में रही**

महुआ की निजी जिंदगी पहले भी खबरों में रह चुकी है। उन्होंने पहले डेनमार्क के फाइनेंसर लार्स ब्रोरसन से शादी की थी, लेकिन यह रिश्ता तलाक पर खत्म हुआ। इसके बाद वे तीन साल तक वकील जय अनंत देहाद्राई के साथ रिलेशन में रहीं। बाद में महुआ ने उन्हें 'धोखा देने वाला प्रेमी' कहकर आरोप भी लगाए।

**विवादों से भी रहा नाता**

महुआ मोइत्रा का पहला लोकसभा कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने उद्योगपति गौतम अडाणी के खिलाफ जानबूझकर एक प्रतिद्वंद्वी के कहने पर सवाल उठाए। जब साल २०२३ में संसद उन्हें निष्कासित करने की प्रक्रिया में थी, तब उन्होंने च्द गार्जियनज को इंटरव्यू में कहा था, 'मर्दों को लेकर मेरी पसंद काफी खराब रही है'। अब उनकी दूसरी शादी की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यह जोड़ी चर्चा में बनी हुई है।

# गंगा दशहरा पर काशी, प्रयागराज में हजारों की संख्या में आए श्रद्धालु

**वाराणसी/ प्रयागराज ,05 जून(ए)।** उत्तर प्रदेश के काशी और प्रयागराज में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गुरुवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। यह उत्सव ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां गंगा का अवतरण स्वर्ग लोक से धरती पर हुआ था। गुरुवार की सुबह तड़के से ही दशाश्वमेध घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना और पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गंगा स्नान के साथ ही श्रद्धालुओं ने दीपदान, गंगा आरती और मंत्रोच्चार के माध्यम से गंगा मैया से सुख-शांति और मोक्ष की कामना की। घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन मुस्तैद रहा। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें भी घाटों पर तैनात की गईं। काशी की गलियों से लेकर घाटों तक आज का दिन भक्ति भाव और गंगा मैया की जयकारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं का कहना है कि गंगा दशहरा पर काशी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है, जिससे सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा वह दिन है जब गंगा नदी का धरती पर अवतरण हुआ था, और इसी दिन को मां गंगा के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। दशाश्वमेध घाट के तीर्थपुरोहित विवेकानंद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि ज्येष्ठ माह का शुक्ल पक्ष है। इस दिन को गंगा दशहरा के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भागीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए मां गंगा की आराधना कर उनको प्रसन्न किया और मां गंगा को धरती पर लेकर आए। श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं और मोक्ष पाने के लिए गंगा जी में डुबकी लगाते हैं। गुजरात के राजकोट से आए महंत विजय महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में गंगा दशहरा का बहुत महत्व है। आज ही के दिन गंगा जी धरती पर अवतरित हुईं थीं। इसी क्रम में गंगा दशहरा का पर्व संगम नगरी प्रयागराज में भी पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रयागराज में गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु आए हुए हैं और ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के साथ ही पूजा अर्चना और दान पुण्य भी कर रहे हैं। श्रद्धालु महंत गोपाल ने कहा कि गंगा दशहरा के दिन भागीरथ के पूर्वजों के मोक्ष के लिए मां गंगा स्वर्ग लोक से मृत्युलोक में आईं। हम सब भाग्यशाली है जो इस दिन गंगा मां की पूजा अर्चना कर मोक्ष की याचना करते हैं। इस उत्सव के दौरान लोगों के 10 तरह के पाप से मुक्ति मिलती है। इसलिए इस दिन को गंगा दशहरा नाम दिया गया है। गंगा स्थान करने वाले श्रद्धालु के पितरों को भी मुक्ति मिलती है। प्रयागराज में एक रुपये के दान का लाभ एक लाख रुपये के बराबर माना जाता है।

### नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का प्रतीक', पीएम मोदी ने लगाया कच्छ की महिलाओं से मिला सिंदूर का पौधा

**नई दिल्ली ,05 जून(ए)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई भी दी।दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने 7 लोक कल्याण मार्ग पर सिंदूर पौधे को रोपित किया। पीएम को यह पौधा उनकी कच्छ यात्रा के दौरान महिलाओं ने भेंट किया था।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा।

हाल ही में पीएम मोदी गुजरात के कच्छ दौरे पर गए थे, जहां उनसे 1971 के युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने वाली वीरांगनाओं ने मुलाकात की थी और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को सिंदूर का पौधा भेंट किया। इस भाव से प्रभावित होकर पीएम मोदी ने वादा किया था कि वह इसे अपने निवास पर लगाएंगे।

## राज्यपाल डेका ने मड़वाडीह पहुंच कर ग्रामीणों से संवाद किया

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने गरियाबंद जिले के गांव बिजली के साथ आश्रित गांव मड़वाडीह को गोद लेने की अनूठी पहल की है। इसी के तहत आज श्री डेका मड़वाडीह पहुंचे और ग्रामीणों से मिले। उन्होंने गोद ग्राम पंचायत बिजली के आश्रित गांव मड़वाडीह में जन सभा को संबोधित किया। राज्यपाल श्री डेका ने गांव के समग्र विकास के लिए आश्वासन दिया। राज्यपाल ने मड़वाडीह में एक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0 के तहत आम का पौधा रोपित किया और लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया।

पहला कालम

## खदान से स्क्रैप चोरी मामले में फरार कबाड़ चोर गिरफ्तार

**बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** एसईसीएल बिश्रामपुर के बलरामपुर खदान में करीब डेढ़ माह पूर्व मध्यरात्रि में खदान का आहता फांद परिसर में पड़े लौह सामग्री मशीनी उपकरण स्क्रैप चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी गुलाम अहमद उर्फ गुड्डा पिता वलीउल हसन ६६ वर्ष निवासी संडे मार्केट शिवनंदनपुर को बिश्रामपुर पुलिस ने आज बीएनएस के विभिन्न धाराओं ३३१(४),३०५(ए),३(५) चोरी के मामले में गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया है।घटना गत चौदह अप्रैल की बताई गई है।पुलिस ने बताया कि खदान के गार्ड उजीत राम ने रिपोर्ट दर्ज कराया था गत १३ अप्रैल की रात तीन बजे कबाड़ चोर युवकों ने छोटा हांथी वाहन यूपी ६४ बीटी२७६३ को खदान के समीप लगा खदान का आहता फांद कर खदान परिसर में रखे लौह सामग्रियों को उठा गाड़ी में डाल भागने के फिराक में थे तभी कंपनी के सुरक्षा टीम का गश्त कर रहा दल मौके पर पहुंच गया ,सुरक्षा दस्ते को देख कबाड़ चोर अंधेरे का फायदा उठा लौह सामग्री से भरा वाहन छोड़ मौके से भाग खड़े हुए जिसके बाद वाहन को टीम ने बिश्रामपुर पुलिस को सौंपा था।बिश्रामपुर पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल के बाद आरोपी कबाड़ चोर गुलाम अहमद गुड्डा को गिरफ्तार कर आज न्यायालय पेश कर दिया है।

## कृषि महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र,अजिरमा, अंबिकापुर के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. सिन्हा जी के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर कृषि आवासीय परिसर एवं कृषि परिक्षेत्र में अशोक एवं फलदार पौधे आम, लीची के पौधे लगाकर छात्र छात्रों एवं समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण को संदेश देते हुए बताया कि बदलते जलवायु परिवर्तन से तापमान बढ़ते चली जा रहीं है जिसके लिए आप सभी अपने अपने क्षेत्र में पेड़ पौधे लगाए, जिससे आने वाले नई पीढ़ी को एक बेहतर वातावरण दे सकेंगे। इस दौरान कृषि महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

## भाजपा सरगुजा द्वारा संकल्प से सिद्धि अभियान हेतु जिला कार्यशाला का आयोजन

**अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।** भारतीय जनता पार्टी सरगुजा द्वारा दिनांक ६ जून २०२५, शुक्रवार को अपराह्न २:०० बजे से माता राजमोहिनी भवन, अम्बिकापुर में संकल्प से सिद्धि अभियान सहित विभिन्न आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

यह कार्यशाला अभियान के मुख्य अतिथि प्रदेश संयोजक रजनीश सिंह एवं भाजपा सरगुजा जिले के प्रभारी ज्योति नंद दुबे के विशेष आतिथ्य में तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में संपन्न होगी। भाजपा जिला सह-संवाद प्रमुख रुपेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला में संगठन के विभिन्न अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे। इनमें प्रमुख रूप से भाजपा जिला पदाधिकारीगण, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य, सांसद, सरगुजा एवं विधायकगण, निगम, मंडल एवं आयोग के अध्यक्ष, सभी मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, नगर निगम के महापौर, सभापति एवं महापौर परिषद सदस्य, च्एक पेड़ मां के नामज्ज अभियान के जिला एवं मंडल प्रभारी-सहप्रभारी, च्संकल्प से सिद्धि अभियानज्ज के जिला एवं मंडल प्रभारी-सहप्रभारी, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आपातकाल दिवस, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस एवं जन्म जयंती, मन की बात आदि आयोजनों के जिला व मंडल प्रभारी-सहप्रभारी, सभी मोर्चों के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री, भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, भाजपा मंडल मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रभारी-सहप्रभारी पदाधिकारी आमंत्रित हैं।

रूपेश दुबे ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य संगठन की आगामी गतिविधियों और अभियानों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना है, जिससे पार्टी की विचारधारा जन-जन तक पहुंचे और संगठनात्मक कार्यों में अधिक सक्रियता और समन्वय स्थापित हो।

## सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बांटे थैले

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने सफायर ग्रीन के निवासियों को कपड़े के थैले वितरित किए। ये थैले सुधा सोसाइटी फाउंडेशन के प्रशिक्षुओं द्वारा रायपुर के अमासिवनी गांव में सुधा सोसाइटी के बैनर तले चल रहे सिलाई और ड्रेस डिजाइनिंग के 3 महीने के प्रशिक्षण के दौरान के तैयार किए गए थे। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने कपड़े वितरण पहल के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन की इस पहल का महिलाओं ने स्वागत किया और कहा कि प्लास्टिक कचरा मुक्त करने की यह अनुकरणीय पहल है। सुधा फाउंडेशन के जी के भटनागर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य हमारे समुदाय में संधारणीय जीवन को बढ़ावा देना और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना है। यह कार्यक्रम विश्व पर्यावरण दिवस की वैश्विक थीम के अनुरूप है, जो अधिक संधारणीय भविष्य को आकार देने में व्यक्तिगत कार्यों के महत्व पर जोर देता है।

# रेलवे फाटक से टकराई कंटेनर,दो घंटे बाधित रहा रेल यातायात

**बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** गुरुवार दोपहर बारह बजे अंबिकापुर अनूपपुर रेल पथ पर एनएच ४३ में स्थित जयनगर रेलवे क्रॉसिंग को पार करने के दौरान रांची से मंडीदीप भोपाल जा रही प्लास्टिक लोड कंटेनर वाहन एच आर३९ ई ८५१८ अचानक रेलवे फाटक पर लगे बूम बैरियर से टकरा रेल पथ पर लगे ऊपरी उपस्कर ओवर हेड तार को क्षतिग्रस्त कर दिया।घटना से ओवर हेड में करेंट प्रवाह बंद हो जाने से इस मार्ग पर करीब दो घंटे रेल यातायात पूरी तरह ठप्प रहा।दोपहर बारह बजे घटित घटना की सूचना स्टेशन प्रबंधक बिश्रामपुर द्वारा रेलवे कंट्रोलर समेत आरपीएफ अंबिकापुर को देने के बाद मौके पर पहुंची रेल पुलिस ने आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर दुर्घटनाकारी वाहन को जप्त कर लिया है।अंबिकापुर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक सुनीता मिंज ने बताया कि आरोपी वाहन चालक वीरेंद्र पाल के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा१५३,१५४, १७४ सी के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।घटना के बाद रेल पथ पर लगे ओवर हेड तार में विद्युत प्रवाह बंद हो जाने से अंबिकापुर शहडोल मेमू ट्रेन ६८७५० करीब दो घंटे तक अंबिकापुर स्टेशन में व एक लाइट इंजन अंबिकापुर कमलपुर के बीच करीब दो घंटे फंसी रही। टॉवर बैगन के साथ मौके पर पहुंचे ऊपरी उपस्कर के कर्मचारियों द्वारा घंटे भर से अधिक चलाए गए मरम्मत कार्य के बाद अंबिकापुर शहडोल मेमू ट्रेन एक घंटे चालीस मिनट विलंब से दोपहर दो बजे शहडोल के लिए रवाना हुई।घटना से रेलवे को लाखों के क्षति बताई गई है।सबसे बड़ी बात ओवर हेड तार के संपर्क में आते ही पॉवर ट्रिप कर जाने से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।घटना चालक की लापरवाही से हुई है या रेलवे के तकनीकी गलती से ये जांच के बाद स्पष्ट होगा।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर निभाई औपचारिकता,शपथ दिला पौधे बांटे

**बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा स्थानीय स्नेह मिलन प्रांगण में औपचारिक रूप से पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया।जहां अधिकारी कर्मचारियों यूनियन प्रतिनिधियों ने एक पेड़ मां के नाम पौधा रोपित कर आयोजन को संपन्न कराया।इस वर्ष पर्यावरण दिवस मनाने प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं थीम निर्धारित की गई थी । पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय सिंह थे अध्यक्षता शिवानी महिला समिति की अध्यक्षा अल्पना सिंह ने की।इस दौरान क्षेत्रीय अधिकारी कर्मचारी जेसीसी के सदस्य उपस्थित थे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीएम संजय सिंह ने उपस्थित जनों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई साथ ही अतिथियों के हाथों पौधा रोपित करा हरित भविष्य की प्रतिबद्धता जताई ।कार्यक्रम में कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रशाद के भेजे संदेश का वाचन किया गया।पर्यावरण के नोडल ऑफिसर गौतम दत ने स्वागत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।मुख्य अतिथि संजय सिंह ने प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता और इसके समाधान हेतु सामूहिक उत्तरदायित्व पर बल दिया।अंत में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के सहभागी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।समारोह के अंत में अतिथियों को पौधे भेंट किए गए ।सहायक प्रबंधक पर्यावरण प्रिंस प्रजापति के धन्यवाद ज्ञापन के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

## एनएच 43 के किनारे सूखे पेड़ो को हटाने सौंपा ज्ञापन ,कहा कभी भी हो सकता है हादसा

**बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।** राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर स्थित मां कालीघाट मंदिर समीप महावीरपुर व अजिरमा के मध्य एक ऐसा मोड़ है, जो वर्षों से वाहन चालकों के लिए खतरे का सबब बना हुआ है। इस टर्निंग पॉइंट पर महज ३०० मीटर की दूरी पर खड़े तीन विशाल वृक्ष अब आवागमन में गंभीर बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। युवक कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए वनमंडलाधिकारी सूरजपुर को एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ज्ञापन में साफ तौर पर उल्लेख किया है कि इन पेड़ों के कारण सड़क का दृश्य पूरी तरह बाधित होता है और वाहन चालकों को मोड़ पर आने-जाने में कठिनाई होती है। विक्की समद्दार ने बताया कि उक्त स्थान पर पहले भी कई बार वाहन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। अंधा मोड़ और संकरी सड़क मिलकर यह क्षेत्र दुर्घटनाओं का ब्लैक स्पॉट बनता जा रहा है। पेड़ों के कारण दृश्यता में रुकावट आती है, जिससे छोटी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने वन विभाग से मांग किया है कि मौके का मुआयना कर जल्द से जल्द इन तीनों पेड़ों को हटवाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस बार मूकदर्शक नहीं बना रहेगा और सड़क सुरक्षा के लिए जरूरी कदम जल्द उठाएगा।

## धोखाधड़ी कर युवती से अपने पति की शादी कराने वाली महिला व पति गिरफ्तार

**बिलासपुर।** धोखाधड़ी कर युवती को शादी के जाल में फंसा कर अपने पति की शादी कराने वाली मैरिज ब्यूरो की संचालिका चित्रा कुमारी और उके पति संजय कुमार चौधरी को सकरी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां उसे दोनों को जेल भेज दिया गया है।

सकरी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता दमयंती विनोबा नगर, बिलासपुर में किराए के मकान में रहकर ब्यूटी पार्लर का काम करती है। वर्ष 2024 में विवाह हेतु उसके परिजनों ने गुरु घासीदास ग्रुप में उसका प्रोफाइल साझा किया था। इसके बाद सतनाम मैरिज ब्यूरो की संचालिका चित्रा कुमारी ने संपर्क कर संजय कुमार चौधरी का प्रोफाइल दिखाया। संजय को मुंगेली जिले का मूल निवासी बताते हुए हरियाणा के नवोदय विद्यालय में शिक्षक बताया गया।

परिजनों ने चित्रा की बातों पर भरोसा कर 14 दिसंबर 2024 को गिरौदपुरी धाम में सतनामी समाज के रीति-रिवाज से विवाह करा दिया। इसके बाद युवती अपने पति संजय के साथ हरियाणा चली गई और उसके परिवार के साथ रहने लगी।

कुछ ही दिनों में प्रार्थिया को पता चला कि संजय पहले से शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। इतना ही नहीं, वह कहीं नौकरी भी नहीं करता था। संजय के परिजनों ने बताया कि उसकी पत्नी तीन-चार साल पहले अपने प्रेमी के साथ भाग गई है और अब उसका कुछ पता नहीं है। इसके बाद दोनों बिलासपुर आ गए और विनोबा नगर में रहने लगे, जहां युवती फिर से ब्यूटीशियन का काम करने लगी।

संजय की गतिविधियों पर शक होने पर जब प्रार्थिया ने उसका मोबाइल जांचा, तो हैरान रह गई। उसे पता चला कि सतनाम मैरिज ब्यूरो चलाने वाली चित्रा कुमारी ही संजय की पत्नी है। दोनों ने मिलकर उसे झूठ बोलकर शादी के लिए मजबूर किया। पीड़िता की शिकायत पर सकरी पुलिस ने धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

## भू-राजस्व संहिता ने नए सिरे से अधिकारों का प्रत्यायोजन, पुरानी सभी अधिसूचनाएं रद्द

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 28 अप्रैल 2025 को एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी करते हुए छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 24 के अंतर्गत पूर्व में जारी सभी अधिसूचनाओं को रद्द कर दिया है। यह निर्णय 01 जनवरी 2024 से प्रभावशील सभी अधिसूचनाओं को निरस्त कर उनके स्थान पर नवीन अधिकारों का पुनर्निर्धारण करने के उद्देश्य से लिया गया है।

नवीन अधिसूचना के अनुसार, संहिता की धाराओं 60, 222, 223, 224 एवं 226 के अंतर्गत अब उप खण्ड अधिकारियों को कलेक्टर के समान अधिकार प्रदान किए गए हैं, परन्तु यह अधिकार उन्हीं सीमाओं में प्रभावी होंगे जो उन्हें कलेक्टर द्वारा सौंपे गए हैं। नगरीय क्षेत्र की भूमि के संबंध में उपखण्ड अधिकारी की शक्तियों और संहिता की धारा 93 एवं 94 के अधीन कलेक्टर की शक्तियां नजूल अधिकारी के रूप में कार्यरत संयुक्त या डिप्टी कलेक्टर को होगी तथा नजूल अधिकारी के आदेशों की अपील धारा 44 के तहत कलेक्टर को होगी। संहिता की धारा 143 के अंतर्गत उपखंड अधिकारी की शक्तियां क्षेत्राधिकार में होगी। समस्त तहसीलदार को उन्हे आबंटित क्षेत्राधिकार में होगी।

जारी अधिसूचना में संहिता के अधीन समस्त स्थायी नायब तहसीलदारों, जो नायब तहसीलदार के पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति हुए हों, 2 वर्ष की सेवा पूरी की हो एवं विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण हों, को उन्हें कलेक्टर से आबंटित क्षेत्राधिकार के अंतर्गत होगी।समस्त स्थायी नायब तहसीलदारों जिन्होंने सीमित भर्ती परीक्षा पदोन्नति से नियुक्ति प्राप्त की हो एवं नायब तहसीलदार के पद पर 02 वर्ष की सेवा पूरी हो, को उन्हें कलेक्टर से आबंटित क्षेत्राधिकार के अंतर्गत होगी। इसी तरह समस्त अधीक्षक भू-अभिलेख एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख, जिन्हें तहसीलदार या नायब तहसीलदार के प्रभार का निर्वहन करने के लिए कलेक्टर द्वारा क्षेत्राधिकार आबंटित किए जाएं, को उन्हें कलेक्टर से आबंटित क्षेत्राधिकार के अंतर्गत होगी। संहिता की धारा 128 (2) एवं 130 तथा अविवादित मामलों के संबंध में धारा 110, 178, 178-क एवं 178-ख के अंतर्गत तहसीलदार की शक्तियां छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम,1993 के अधीन गठित ग्राम पंचायतों को उनके क्षेत्राधिकार के भीतर होगी। संहिता की धारा 248 के अधीन तहसीलदार की शक्तियों एवं धारा 248 एवं 172 के अंतर्गत उपखंड अधिकारी की शक्तियां, नया रायपुर विकास प्राधिकरण, रायपुर के क्रमशः सहायक प्रबंधक (भूमि) को एवं उप-प्रबंधक (भूमि) को प्राधिकरण की भूमि में होगी।संहिता की धारा 248 के अधीन तहसीलदार की शक्तियों लोक निर्माण के उपखंड के प्रभार वाले सहायक यंत्रियों और कनिष्ठ यंत्रियों को लोक निर्माण विभाग की भूमि के संबंध में उन्हें आबंटित क्षेत्राधिकार में होगी। संहिता की धारा 146 एवं 147 के अधीन तहसीलदार की शक्तियाँ, विक्रय कर पदाधिकारियों, अपर विक्रय कर पदाधिकारियों एवं सहायक विक्रय कर पदाधिकारियों को, इनके आदेशों के संबंध में प्रथम अपीलीय प्राधिकारी की शक्तियों सहायक विक्रय कर आयुक्तों को तथा इनके आदेशों के संबंध में द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी की शक्तियों उपायुक्त विक्रय कर को उनके क्षेत्राधिकार में छत्तीसगढ़ जनरल टैक्स एक्ट, 1958, सेन्ट्रल सेल्स टैक्स एक्ट, 1956, छत्तीसगढ़ शुगर केन (परचेज टैक्स) एक्ट, 1961, छत्तीसगढ़ वृत्ति व्यापार आजीविका एवं सेवायोजन कर अधिनियम, 1966, छत्तीसगढ़ विक्रय राशि तथा क्रय राशि पर कर अधिनियम, 1972, छत्तीसगढ़ स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 1976, छत्तीसगढ़ उपकर अधिनियम, 1981, होटल तथा वासगृहों में विलास पर कर अधिनियम, 1988, के अधीन कर के बकाया की वसूली के लिए होगी।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर सोनी सब के कलाकारों ने साझा किए दिल से जुड़े संदेश झ्र छोटे प्रयास जो पृथ्वी पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं

**मुंबई।** हर साल ५ जून को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें हमारी पृथ्वी की रक्षा के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। जलवायु परिवर्तन को लेकर जागरूकता बढ़ाने से लेकर टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने तक, यह दिन हमें एक हरित भविष्य के लिए सार्थक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर सोनी सब के कलाकार करुणा पांडे, वृहि कोड़वारा, परीवा प्रणति और आदित्य रेडिज पर्यावरण के प्रति जागरूकता, व्यक्तिगत इको-फ्रेंडली आदतों और प्रकृति के लिए अपने खास योगदान की बातें साझा कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि किस तरह अर्थ डे को सेलिब्रेट करने का उनका लक्ष्य अपने खास अंदाज में प्रकृति को कुछ लौटाने का रहता है।

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभा रही करुणा पांडे ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले अन्य मुद्दों को लेकर जागरूकता फैलाना है। कोविड-१९ के बाद हमें यह महसूस हुआ कि प्रकृति हमारे लिए कितनी जरूरी है। पृथ्वी को बचाने का सबसे आसान तरीका है – रीड्यूस, रीयूज और रीसाइकल। हमें संसाधनों के उपयोग में टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और इन तीन च्आरज् को अपने

जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संसाधनों और लैंडफिल स्पेस का संरक्षण हो सके।

वागले की दुनिया झ्र नई पीढ़ी, नए किस्से में वंदना का किरदार निभा रही परीवा प्रणति ने कहा कि एक मां, एक अभिनेत्री और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में मेरा मानना है कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरी-भरी और स्वस्थ धरती छोड़नी चाहिए। पर्यावरण दिवस यह याद दिलाने का एक सुंदर अवसर है कि हर छोटा प्रयास मायने रखता है – चाहे वह कचरा कम करना हो, पानी बचाना हो या एक पेड़ लगाना। बदलाव घर से शुरू होता है, और हमारे पास अंतर लाने की ताकत है। हमें रीड्यूस, रीयूज और रीसाइकल को केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि जीवनशैली बनाना होगा। तेनाली रामा में राजा कृष्णदेवराय का किरदार निभा रहे आदित्य रेडिज कहते हैं कि तेनाली रामा में एक न्यायप्रिय और बुद्धिमान शासक की भूमिका निभाते हुए, मुझे हमेशा यह याद रहता है कि हमारे पूर्वजों के लिए प्रकृति कितनी पूजनीय थी। आज की दुनिया में हमें फिर से उस संतुलन और जिम्मेदारी की भावना को जीवित करना होगा। विश्व पर्यावरण दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि एक एक्शन कॉल है। हमें टिकाऊ जीवनशैली को अपने लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अपनाना चाहिए।

पुष्पा इम्पॉसिबल में स्वरा की भूमिका निभा रही वृहि कोड़वारा ने कहा कि मुझे पौधे, पेड़ और तितलियाँ बहुत पसंद हैं! मेरी मम्मी कहती हैं कि धरती को अपना घर समझो, इसलिए मैं इसे साफ रखती हूँ और कभी भी पानी बर्बाद नहीं करती। विश्व पर्यावरण दिवस पर मैं चाहती हूँ कि हर कोई एक पेड़ लगाए, प्लास्टिक और पॉलीथिन का इस्तेमाल कम करे, और हर दिन प्रकृति का ख्याल रखने का वादा करे।

## छोटी खबरें

### मॉरिटानिया, कुवैत और बहरीन को ई-वीजा सुविधा के पात्र देशों की सूची में किया गया शामिल

कोरबा अम्बिकावाणी - भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा लिए गए एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत मॉरिटानिया, कुवैत और बहरीन को उन देशों की सूची में शामिल कर लिया गया है, जिनके नागरिक भारत की ई-वीजा सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह निर्णय नए वीजा मैनुअल २०१९ के अध्याय-२, पैरा २.१ ज्पात्रताज् तथा परिशिष्ट-के अंतर्गत लिया गया है। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के पश्चात यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। इसके तहत अब उपरोक्त तीनों देशों के नागरिक भारत आने हेतु वीजा मैनुअल २०१९ में उल्लिखित दिशा-निदेर्शों एवं प्रावधानों के अंतर्गत ई-वीजा प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। विशेष रूप से, कुवैत एवं बहरीन के नागरिकों द्वारा किए गए ई-वीजा आवेदनों को पहले सुरक्षा जांच हेतु संबंधित भारतीय दूतावास को भेजा जाएगा। तत्पश्चात यह आवेदन आगे की प्रक्रिया के लिए आव्रजन ब्यूरो को अग्रेषित किए जाएंगे, साथ ही ये दिशा-निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

### आत्मा द्वारा किए हुए कर्म उसके साथ संस्कार रूप में साथ जाते हैं - वीणा दीदी

**रायपुर।** आत्मा जब शरीर छोड़ती है तो अपने साथ कर्म फल साथ में लेकर जाती है। शरीर तो यहीं रह जाता है किन्तु उसने जो कर्म किए हैं वह संस्कार के रूप में आत्मा के साथ जाता है और उसके अनुसार ही आत्मा को शरीर और परिवार मिलता है। यह बातें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी ने नवा रायपुर अटल नगर के श्री सत्य साईंचाईल्ड हार्ट केयर हास्पीटल में इलाज के लिए आए लोगों के परिवारजनों व चिकित्सकों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि योग माना जोडना। आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोडना। यही राजयोग है। सम्बन्ध जोडने.के लिए सबसे पहले परिचय का होना जरूरी है। हर शरीर के अन्दर एक चेतना है जिसे आत्मा कहा जाता है। वह अतिसूक्ष्म ज्योति स्वरूप है। वैसे ही हमारे पिता परमात्मा भी अतिसूक्ष्म ज्योतिबिन्दु हैं। वह रूप में बिन्दु किन्तु गुणों में सिन्धु हैं। परमात्मा को प्यार से याद करें मजबूरी या स्वार्थ से नहीं। परमात्मा में श्रद्घा और विश्वास होना जरूरी है।

उन्होंने स्वस्थ रहने के लिए गुस्से से बचने का सुझाव देते हुए बताया कि अगर आप दिन में दस-पन्द्रह मिनट भी मेडिटेशन करेंगे तो आप जल्दी स्वस्थ हो जाएंगे। कहते हैं कि बीस मिनट का मेडिटेशन करने से चार घण्टे की नींद के बराबर आराम मिलता है। मेडिटेशन करना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमन्द सिद्घ हुआ है। उन्होंने बताया कि रोजाना ईश्वर को धन्यवाद करें कि इतना अच्छा शरीर उसने हमें दिया है। जन्म जरूर माँ-बाप ने दिया लेकिन शरीर भगवान ने दिया है। उसके बाद आपको जन्म देने वाले माता-पिता का धन्यवाद करें। आपको शिक्षा देने वाले गुरूजनों का धन्यवाद करें। इससे आपका व्यवहार अच्छा बनेगा।

इस अवसर पर सत्य साईं हास्पीटल के सेन्टर प्रमुख एस. जगदीश राव ने ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी को मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया। बाद में वीणा दीदी ने ईलाज के उपरान्त स्वस्थ हो चुके मरीजों को सर्टिफिकेट और बच्चों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

### भटगांव क्षेत्र के विकास के लिए 20.57 करोड़ मंजूर

**रायपुर।** महिला एवं बाल विकास मंत्री और भटगांव विधानसभा की विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 20 करोड़ 56 लाख 55 हजार रूपए की मंजूरी दी गई है।

इन कार्यों में एन.एच. 43 से नया कृष्ण मंदिर सिलफिली बनारस रोड तक 5 किलोमीटर लंबे पहुँचमार्ग का निर्माण कार्य, जिसकी लागत 690.68 लाख रुपए है। इसी प्रकार एन.एच. 43 से मायापारा दुगार्बाड़ी होते हुए रविंद्र नगर (नवापारा) तक 4 किलोमीटर का पहुँच मार्ग 448.95 लाख रूपए की लागत से तैयार किया जाएगा। बीरमताल से उमेशपुर के बीच गोबरी नदी पर पुलिया निर्माण कार्य हेतु 307.19 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। सूरजपुर के कुप्पा जमघरपारा से चौकीदार पारा नवापारा गिरहूलपारा तक 6.10 किलोमीटर तक पहुंचमार्ग 593.73 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इन निर्माण कार्यों के पूरा होने से न सिर्फ क्षेत्र में यातायात सुविधा बेहतर होगी, बल्कि ग्रामीणों को सुगम आवागमन के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार जनता से किए गए हर वादे को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है।

### केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने दिया डिजिटल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती व आदिवासी बहुल भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के 83 गांवों को अब हाई-स्पीड 4 जी इंटरनेट सेवाओं से जोड़ा जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा स्थानीय विधायक श्रीमती रेणुका सिंह के अनुरोध पर लिया गया। इस कदम से श्डिजिटल इंडियाश् मिशन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

त्वरित कार्रवाई में दिखी संकल्प की दृढ़ता

विधायक रेणुका सिंह द्वारा अपने क्षेत्र में नेटवर्क की गंभीर समस्याओं को उठाए जाने के बाद केंद्रीय संचार मंत्री ने तत्काल दूरसंचार विभाग को सर्वेक्षण के निर्देश दिए। सर्वेक्षण के आधार पर भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के 83 गांवों को 4जी सैचुरेशन योजना और वामपंथी उग्रवाद चरण-1 उन्नयन परियोजना में शामिल कर लिया गया है। रायगढ़ जिले के सीमावर्ती अंचलों में किए गए विश्लेषण में यह सामने आया कि 27 गांवों में पहले से 4त्र सेवाएं उपलब्ध थीं, लेकिन शेष गांवों में नेटवर्क की बेहद कमी थी। अब अमृतपुर, गरनई, नेवादिह, नटवाही, सोनहारी सहित अन्य गांवों में 4त्र सेवा विस्तार का कार्य शुरू किया जा चुका है।

विधायक रेणुका सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के माध्यम से इस निर्णय की जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय संचार मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा:श्विधानसभा चुनाव के दौरान मैंने क्षेत्र की जनता से हर गांव को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड ? का वादा किया था। आज वह संकल्प पूरा होता देखना गर्व और संतोष का क्षण है।

### आदिम जाति विकास विभाग ने की 10 सहायक संचालकों की पदस्थापना

**रायपुर।** आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2023 में चयनित 10 सहायक संचालकों की नवीन पदस्थापना करते हुए इन्द्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर से में प्रशिक्षण हेतु संलग्न किया गया है। जारी आदेश के अनुसार सुश्री किरण राजपूत की पदस्थाना कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जिला सरगुजा, श्री दिव्यांश सिंह चौहान को कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जिला जशपुर, श्री उत्तम कुमार को कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जिला कोण्डागांव, सुश्री श्वेता कश्यप को कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जिला रायपुर, ।

# शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के सम्बंध में कलेक्टर ने ली प्रेस वार्ता, सभी मिडिल स्कूलों में न्यूनतम 3 शिक्षकों की उपलब्धता हुई सुनिश्चित

## प्रकिया से दूरस्थ क्षेत्रो के प्राथमिक शालाओं में पहली बार दो शिक्षकों की हुई व्यवस्था

**कोरबा अम्बिकावाणी** - कलेक्टर अजीत वसंत ने आज जिले में संपन्न हुए शालाओं और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के सम्बंध में जानकारी देने हेतु प्रेस वार्ता ली। उन्होंने सभी पत्रकारों को अवगत कराते हुए बताया कि जिले में शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्त करण की प्रकिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुआ है। प्रक्रिया से जिले के पाली, पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्रो के अनेक प्राथमिक शालाओं में पहली बार दो शिक्षकों की व्यवस्था हुई है एवं जिले में कोई भी शाला शिक्षकविहीन नही रह गया है। जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में न्यूनतम ३ शिक्षकों की पदस्थापना सुनिश्चित की गई है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विषयवार व्याख्याताओं की व्यवस्था हुई है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में कलेक्टर ने बताया कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और समावेशी बनाने के लिए शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। प्रक्रिया से छात्र शिक्षक अनुपात में कोई बदलाव नही आया है। साथ ही किसी शिक्षक की सेवा या पद की समाप्ति नही हुई है। उन्होंने बताया कि जिले के एक ही परिसर में संचालित विभिन्न स्तर के शालाओं के समायोजन के उपरांत प्राथमिक शाला के २८७ सहायक शिक्षक व १४ प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला के १४७ शिक्षक, ०४ प्रधान पाठक ७५ व्याख्याता अतिशेष रहे। जिनकी विभिन्न चरणों मे आयोजित कॉउंसलिंग के माध्यम से नई पदस्थापना की गई है। कॉउंसलिंग हेतु राज्य शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का पालन किया गया है। इस हेतु सर्वप्रथम ६० वर्ष से अधिक आयु के शिक्षक, महिला, सीएससी, शिक्षक संघ के पदाधिकारी एवं शिक्षक को क्रमानुसार वरीयता अनुसार काउंसलिंग की गई। कॉउंसलिंग में दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में शिक्षक व्यवस्था हेतु प्राथमिकता दी गई है। कलेक्टर ने बताया कि युक्तियुक्त करण की प्रकिया में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा सभी अतिशेष शिक्षकों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में अतिशेष शिक्षकों की कमी के कारण वर्तमान में केवल ९० प्राथमिक शाला एकलशिक्षकीय रह गए है। जिनकी सूची विभाग द्वारा शासन को भेजी जा रही है। जिससे शासन द्वारा इन विद्यालयों में निर्धारित माप दंड अनुसार शिक्षको की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ से इन एकलशिक्षकीय विद्यालय में शाला प्रारम्भ होने के साथ ही अतिथि शिक्षक की व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान कलेक्टर ने युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के सम्बंध में सामने आने वाली सभी भ्रांतियों एवं अफवाहों पर प्रशासन का पक्ष रखते हुए सभी पत्रकारों के जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ दिनेश नाग, जिला शिक्षा अधिकारी टी पी उपाध्याय, कोरबा प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल सहित विभिन्न प्रिंट , इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया एजेंसी के ब्यूरोचीफ, वरिष्ठ पत्रकार व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## हमारे बुजुर्ग, हमारी धरोहर थीम पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मनाया गया दाई-बाबा दिवस

**कोरबा अम्बिकावाणी** - जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ४ जून को श्हमारे बुजुर्ग, हमारी धरोहरश् थीम पर दाई-बाबा दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासन के निदेर्शानुसार, कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य मेला में वरिष्ठ नागरिकों का बीपी, शुगर, नाक-कान-गला, हड्डी रोग, नेत्र जांच, मोतियाबिंद, मानसिक स्वास्थ्य सहित संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क किया गया। साथ ही, दवाइयों एवं स्वास्थ्य कार्डों का वितरण किया गया। आयुष विभाग द्वारा योग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता भी प्रदान की गई। जिन बुजुर्गों के पास आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी या वयवंदन कार्ड नहीं थे, उन्हें मौके पर बनाए जाने की सुविधा दी गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वरिष्ठजनों को तिलक, पुष्पमाला, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके साथ आए बच्चों, नाती-पोतियों को अपने बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल और सम्मान करने की सीख दी गई।

**मई माह में ८०,००० से अधिक वयोवृद्धों की जांच**

१ मई से ३१ मई तक जिलेभर में वयोवृद्ध स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ८०,७०६ वरिष्ठ नागरिकों का स्क्रीनिंग किया गया। इस दौरान बीपी, शुगर, मोतियाबिंद, हड्डी रोग और अन्य समस्याओं से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क उपचार प्रदान किया गया। ३० मई को सियान सदन कोरबा में समाज कल्याण विभाग, आयुष विभाग व लायंस क्लब कोरबा के सहयोग से विशेष वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें ७२९ बुजुर्गों को विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श व इलाज मिला। साथ ही, १६ असमर्थ बुजुर्गों को व्हीलचेयर, ३०० को छड़ी एवं १०० को हियरिंग एड प्रदान किए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केशरी ने कहा, बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं। उनकी सेवा एवं सम्मान हमारा कर्तव्य है। जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में हर बुधवार वयोवृद्धों के लिए विशेष जांच की जाती है। उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे आयुष्मान भारत योजना, वयवंदन कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ उठाएं और स्वस्थ जीवन व्यतीत करें।

## अधूरा हॉस्टल बना बदहाल भवन, करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं हुआ पूर्ण

कोरबा अम्बिकावाणी- जिला मुख्यालय से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित पौड़ीबहार क्षेत्र में शासन द्वारा करोड़ों की लागत से निमार्णाधीन छात्रावास भवन वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस भवन का निर्माण कार्य कई साल पहले शुरू हुआ था, जिसे छात्रावास के रूप में उपयोग में लाया जाना था। लेकिन आज तक यह भवन न तो पूर्ण हुआ और न ही उपयोग में लाया जा सका। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधूरे भवन में अब असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है। खिड़कियां, दरवाजे और अन्य कीमती सामग्री तक गायब हो चुकी हैं। शासन के लाखों-करोड़ों रुपए इस निर्माण में खर्च हो चुके हैं, लेकिन फिर भी यह परियोजना अधूरी ही रह गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह भवन समय पर पूर्ण होकर उपयोग में लाया जाता, तो क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत मिलती। लेकिन वर्तमान में यह सिर्फ एक खंडहर बनकर रह गया है। निर्माण में लापरवाही, प्रशासनिक उदासीनता और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना ही इस स्थिति का मुख्य कारण प्रतीत होता है। अब जरूरत है कि कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत स्वयं इस मामले का संज्ञान लें, निर्माण कार्य की जांच कराएं और संबंधित ठेकेदार व विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही अधूरे भवन को जल्द पूर्ण कर इसे मूल उद्देश्य के अनुसार उपयोग में लाने की दिशा में ठोस कार्रवाई की जाए।

## मानदेय भुगतान में देरी से परेशान आवास मित्र, छह माह से अटके हैं हजारों रुपए, कलेक्टर से हुई शिकायत

**कोरबा अम्बिकावाणी** - प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत कार्यरत आवास मित्र बीते छह माह से मानदेय न मिलने के कारण आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। हितग्राहियों के घर-घर जाकर पंजीयन, जियोटैगिंग, निर्माण की मॉनिटरिंग जैसे जिम्मेदार कार्य करने वाले ये आवास मित्र लंबे समय से अपने मेहनताना की प्रतीक्षा में हैं। शासन द्वारा आवास मित्रों के लिए तीन चरणों में मानदेय निर्धारित किया गया है, आवास पंजीयन पर १००० रुपये जिसमें प्लींथ स्तर पर ३०० रुपये, छत ढलाई पर ३०० रुपये और प्लास्टर, पोताई व योजना का लोगो लगाने के उपरांत ४०० रुपये निर्धारित की गई थी। इसके बावजूद जिले के सैकड़ों आवास मित्रों को पिछले छह माह से यह भुगतान नहीं मिल रहा है। उन्हें बताया गया है कि जनपद पंचायत द्वारा फोटो उपलब्ध कराने की शर्त पर भुगतान रोका गया है, जबकि समस्त कार्य एवं प्रगति रिपोर्टिंग ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूर्ण हो चुकी है। आवास मित्रों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि जिस प्रकार हितग्राहियों को आवास निर्माण की प्रगति के आधार पर ऑनलाइन माध्यम से राशि हस्तांतरित की जाती है, उसी तरह आवास मित्रों को भी तय मानदेय का ऑनलाइन भुगतान शीघ्र किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निर्णय लेकर भुगतान नहीं किया गया, तो वे संगठित होकर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। आवास मित्रों का कहना है कि जब शासन ऑनलाइन मॉनिटरिंग को मान्यता दे रहा है, तो फोटो जैसी अनावश्यक औपचारिकताओं के आधार पर भुगतान रोकना असंगत और अन्यायपूर्ण है।

## कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी और निरंतर स्पीच थैरेपी से शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भावना, नंदिनी और जीत बने मिसाल

रायपुर। कैसे आकाश में सूराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो।श् जब बात जोश, जज्बे, समर्पण और मेहनत की हो तब हिंदी साहित्य के प्रख्यात कवि दुष्यंत कुमार त्यागी की कविता संग्रह श्साये में धूपश् की ये पंक्तियां बरबस मन में कौंध जाती हैं और इन्हीं पंक्तियों को सार्थक किया है छात्रा भावना पटेल (16 वर्ष), नंदिनी पिल्लई (16 वर्ष) और छात्र जीत पटेल (17 वर्ष)ने। इन तीनों विद्यार्थियों ने सुनने में अक्षम बच्चों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। इन्होंने पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के अंतर्गत संचालित नाक, कान व गला रोग विभाग में कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी और निरंतर स्पीच थैरेपी कराकर सामान्य स्कूल में पढ़ाई की एवं वर्तमान में भावना पटेल ने कक्षा 11वीं (सी.जी. बोर्ड) में 86 प्रतिशत, नंदिनी पिल्लई ने कक्षा 10वीं (सीबीएसई बोर्ड) में 77.05 प्रतिशत तथा छात्र जीत पटेल ने कक्षा 10वीं (सीबीएसई बोर्ड) में 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सभी को गौरवान्वित किया है। विभागाध्यक्ष डॉ. हंसा बंजारा के अनुसार ; भावना पटेल, नंदिनी पिल्लई एवं जीत पटेल बचपन से ही श्रवण बाधित थे, लेकिन माता-पिता, शिक्षकों तथा चिकित्सा विशेषज्ञ के प्रयासों से इन बच्चों ने न केवल सुनना और बोलना सीखा, बल्कि शिक्षा में भी उत्कृष्टता हासिल की। कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी के बाद स्पीच थैरेपी की मदद से इनकी संचार क्षमता में सुधार हुआ और इन्होंने नियमित विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की।

अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई देते हुए कहते हैं - डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के नाक, कान, गला रोग विभाग में कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी शासन की स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत निशुल्क की जाती है। इस संस्थान की प्रमुख सर्जन डॉ. हंसा बंजारा के द्वारा अब तक कुल 285 कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की जा चुकी है। कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी के पश्चात नियमित स्पीच थेरेपी की जाती है जिससे ये बच्चे समाज की मुख्य धारा में शामिल हो सकें। इंप्लांट के पश्चात जो बच्चे नियमित स्पीच थेरेपी लेते हैं, उनकी वाणी एवं भाषा का विकास उचित ढंग से होता है।

बच्चों के माता-पिता ने कहा- विभागाध्यक्ष डॉ. हंसा बंजारा के विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग से हमारे बच्चों का इलाज संभव हो सका। हमें गर्व है कि हमारे बच्चों ने समाज की धाराणाओं को तोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल किया। यह दिखाता है कि अगर सही समय पर सही इलाज और मार्गदर्शन मिले तो कुछ भी असंभव नहीं है।

भावना पटेल, नंदिनी पिल्लई और जीत पटेल की सफलता से कई अन्य विशेष बच्चों और उनके परिवार को प्रेरणा मिलेगी कि समर्पण और सही मार्गदर्शन से हर चुनौती को पार किया जा सकता है।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम, हजारों पौधे रोपे

कोरबा अम्बिकावाणी - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोरबा जिले में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। कोरबा वनमंडल के तत्वावधान में गुरुवार को आरटीओ कार्यालय के सामने स्थित फॉरेस्ट कंपार्टमेंट क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम में कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत, महापौर संजू देवी राजपूत, डीएफओ मयंक अग्रवाल, एसडीओ सूर्यकांत सोनी, आशीष खेलवार, तोषी वर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स, महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं व शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पौधारोपण के दौरान बरगद, शीशम, पीपल, अमरूद, कटहल, नीम, जामुन और काजू जैसे पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया और आमजन को इसके प्रति जागरूक किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम श्रृंखला का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनचेतना बढ़ाना है। आने वाले समय में इसे प्रधानमंत्री आवास योजना से भी जोड़ा जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ सकें।

वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस प्लास्टिक मुक्त देश की थीम पर मनाया जा रहा है। प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना और इसके विकल्प अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है, क्योंकि यह न केवल पर्यावरण बल्कि वन्यजीवों के लिए भी खतरनाक है। कार्यक्रम में डॉ. किरण चौहान (प्राचार्य, विधि महाविद्यालय), महिपाल गहरा, भारतीय अहिरवार, रश्मि सिंह, डॉ. सालिक राम, संतोषी सारथी, गगन, आकाश, पूजा बरेठ, कविता यादव, मधुलता, योगिता दास, नवीन, आदर्श सहित अनेक प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

# अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर, शुक्रवार 6 जून, 2025


# सम्पादकीय

> जो व्यक्ति अपने आप को सही-सही समझ लेता है वही अपना सच्चा साथी बन सकता है।
>
> 0 ब्रम्हकुमारी



संपादकीय

## सहमति से बने संबंधों में खटास

*सहमति से बने रिश्तों में खटास आना या प्रेमी जोड़े के बीच दूरियां बन जाना आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक शख्स के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करते यह टिप्पणी की, जिस पर आरोप था कि शादी का झूठा वादा कर उसने महिला से बलात्कार किया।*

*अदालत ने कहा, रिकॉर्ड से ऐसा नहीं लगता कि शिकायतकर्ता की सहमति, उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करने के वादे पर की गयी थी। पीठ ने कहा यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें शुरूआत में शादी करने का वादा किया गया हो।*

*सहमति से बने संबंधों में खटास आना या पार्टनर के बीच दूरी आना, आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। मामले के अनुसार जून 2022 से जुलाई 2023 के दौरान आरोपी ने शादी का झूठा वादा कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने इनसे इनकार किया और निचली अदालत में जमानत के लिए अपील की। हालांकि भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत अपराध है, जिसके लिए दस साल तक की सजा व जुमार्ना हो सकता है।*

*मगर इस तरह के मामलों में अदालत साक्ष्यों व भावनाओं की अनदेखी नहीं करती। भले ही यह सरासर धोखा है मगर सच तो यह भी है कि वयस्क महिलाओं द्वारा विवाहपूर्व शारीरिक संबंध बनाने की सहमति प्रेम व समर्पण के रूप में दी जाती है। वास्तव में विवाहोपरांत भी रिश्तों में खटास आती है, मगर ऐसे में विवाह विच्छेदन जैसी सुविधाएं हैं, परंतु बगैर वैवाहिक रस्मों, परिवार या परिचितों के संज्ञान में लाये बगैर, गुपचुप बनाए गए इस संबंध में धोखे की गुंजाइश तलाशना बेहद मुश्किल होता है। यह भी कहना अतिश्योक्ति होगी कि धोखे से या फुसलाकर महिलाओं को दैहिक संबंधों के लिए राजी करने वाले पुरुषों की मंशा में शुरू से ही खोट नहीं होता। झूठे वादों, दिखावे या सच्चे प्रेम को परखने की कोई कसौटी नहीं होती। न ही सहमति से सेक्स करने के नतीजतन विवाह अनिवार्य हो सकता है। विवाह पवित्र बंधन ही नहीं है, सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था में अभी भी विवाहित जोड़ों को इज्जत से देखा जाता है। दूसरे; तमाम खुलेपन के बावजूद स्त्री शुचिता को लेकर चले आ रहे पूर्वाग्रह कमजोर पड़ते नहीं नजर आ रहे। जिनका समूचा खामियाजा अंततः स्त्री को ही भुगतना पड़ता है। नैतिकता ही नहीं, कानूनी पाबंदियों का भी ख्याल करते हुए पुरुषों को अपनी उतावली व भावनाओं पर काबू करना सीखना चाहिए।*

# मोदी के 11 वर्ष: दूरदर्शिता से प्रेरित, ऊर्जा से संचालित

हरदीप एस. पुरी

***भारत कुछ दिन पहले ही जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वर्ष 2014 से, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत की जीडीपी 2025 में दोगुनी से अधिक बढ़कर 4.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो चुकी है। यह सुधारों, उदारपूर्ण नीति और आत्मनिर्भरता की निरंतर खोज पर केंद्रित एक दशक लंबी रणनीति का परिणाम है। भारत न केवल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि एक रणनीतिक शक्ति भी बन चुका है।***

इस वृद्धि का अभिन्न अंग ऊर्जा क्षेत्र, मोदी 3.0 के पहले वर्ष के दौरान एक संरचनात्मक परिवर्तन से गुजरा है, जो पिछले दस वर्षों के आधारभूत परिवर्तन पर आधारित है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछली तिमाही में भारत की 6.7 प्रतिशत की विकास दर ने इसे एक ऐसे तेजी से बढ़ते ग्राफ पर ला दिया है, जिसे आने वाले वर्षों में कोई भी अन्य देश हासिल करने की उम्मीद नहीं कर सकता।

भारत अब वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा और तेल उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है। वर्ष 2047 तक ऊर्जा की मांग में ढाई गुना वृद्धि होने की आशा है और भारत से की जाने वाली वैश्विक मांग में 25 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसलिए रोडमैप स्पष्ट है: ऊर्जा सुरक्षा ही विकास सुरक्षा है। मोदी सरकार की ऊर्जा रणनीति चार-आयामी दृष्टिकोण के माध्यम से उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता के रूप में ऊर्जा की त्रिपक्षीय विविधता को दर्शाती है जिसमें स्रोतों और आपूर्तिकताओं का विविधीकरण, घरेलू उत्पादन का विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन और सामर्थ्य शामिल है।

तेल और गैस उत्पादन क्षेत्र की प्रारंभिक प्रक्रिया में, भारत का अन्वेषण क्षेत्र वर्ष 2021 में 8 प्रतिशत से दोगुना होकर वर्ष 2025 में 16 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2030 तक 1 मिलियन वर्ग किमी को कवर करने के लक्ष्य के साथ, सरकार का लक्ष्य 42 बिलियन टन तेल और तेल-समतुल्य गैस का अन्वेषण करना है। यह विस्तार ऐतिहासिक सुधारों जैसे कि 'नो-गो' क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की कमी, ओएएलपी राउंड के माध्यम से सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग और नए गैस कुओं के लिए आकर्षक मूल्य निर्धारण प्रोत्साहन द्वारा सक्षम किया गया है। संशोधित गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था के अनुरूप भारतीय क्रूड बास्केट से 10 प्रतिशत से कीमतों को जोड ? और नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश करने जैसी पहलों ने शहर के गैस नेटवर्क और औद्योगिक उपयोग के लिए गैस की उपलब्धता को बढ़ाया है। लागत कम करने और मुद्रीकरण में तेजी लाने के लिए, नए राजस्व-साझाकरण अनुबंध ईएंडपी उद्यमियों के बीच साझा बुनियादी अवसंरचना की अनुमति देते हैं। तकनीकी और भू-भौतिकीय प्रयासों ने नीति सुधारों को पूरक बनाया है। राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम, मिशन अन्वेषण, एजीजी सर्वेक्षण और महाद्वीपीय शेल्फ मैपिंग ने विशेष रूप से अंडमान, महानदी और कावेरी जैसे सीमांत बेसिनों में डेटा और अन्वेषण आत्मविश्वास को बढ़ाया है। ओएनजीसी और ऑयल इंडिया ने पिछले चार वर्षों में मुंबई अपतटीय, कैम्बे, महानदी और असम बेसिन में 25 से अधिक हाइड्रोकार्बन की खोज की हैं। इनमें से उल्लेखनीय हैं पश्चिमी तट के अपतटीय क्षेत्र में सूर्यमणि और वज्रमणि कुएं और पूर्वी तट के गहरे पानी में उत्कल और कोणार्क क्षेत्र। इन खोजों से भारत के भंडार में 75 एमएमटीओई और 2,700 एमएमएससीएम गैस की वृद्धि हुई है। वैश्विक बड़ी कंपनियों के साथ सहयोग लाभकारी सिद्ध हो रहा है। बीपी के साथ ओएनजीसी की साझेदारी से मुंबई हाई से तेल के लिए 44 प्रतिशत और गैस के लिए 89 प्रतिशत उत्पादन बढ ? का अनुमान है। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में एक डेटा सेंटर अब अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए भारत के अन्वेषण डेटासेट तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है। डाउनस्ट्रीम बुनियादी ढांचे में समानांतर विस्तार हुआ है। भारत अब 24,000 किलोमीटर उत्पाद पाइपलाइनों, लगभग 96,000 खुदरा दुकानों का संचालन करता है और इसने अपने रणनीतिक भंडार और एलपीजी भंडारण को काफी मजबूत किया है। 67 मिलियन से अधिक लोग प्रतिदिन पेट्रोल पंपों पर जाते हैं और यह भारत के ईंधन आपूर्ति इको-सिस्टम की व्यापकता और दक्षता का प्रमाण है।

भारत का शहरी गैस नेटवर्क वर्ष 2014 में 55 भौगोलिक क्षेत्रों से बढ़कर वर्ष 2025 में 307 हो गया है, जिसमें पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ हो गए हैं और 7,500 से अधिक सीएनजी स्टेशन चालू हैं। एकीकृत पाइपलाइन शुल्क और शहरी गैस विस्तार ने दूरदराज के राज्यों में भी सस्ती पहुंच सुनिश्चित की है। जैव ईंधन भारत की हरित रणनीति का आधार बन चुका है। पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण 2013 के 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 19.7 प्रतिशत हो गया है। मिश्रण की मात्रा 38 करोड़ लीटर से बढ़कर 484 करोड़ लीटर हो गई है। इससे 1.26 लाख करोड़ विदेशी मुद्रा की बचत हुई, 643 लाख मीट्रिक टन उत्सर्जन कम हुआ और डिस्टिलर्स को 1.79 लाख करोड़ रुपए और किसानों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान हुआ। फीडस्टॉक विविधीकरण- गुड़ से लेकर मक्का की मदद से मजबूत इथेनॉल इको-सिस्टम तैयार किया गया है। समानांतर रूप से, एसएटीएटी पहल ने 100 से अधिक संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों को चालू किया है और वर्ष 2028 तक 5 प्रतिशत सीबीजी मिश्रण अधिदेश का लक्ष्य रखा है। बायोमास खरीद और सीबीजी-पाइपलाइन कनेक्टिविटी के लिए केंद्रीय समर्थन सर्कुलर ऊर्जा अपनाने में तेजी ला रहा है। 8.62 लाख टन उत्पादन और 3,000 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर टेंडर के साथ ग्रीन हाइड्रोजन को व्यापक पर बढ़ावा दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियां आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं और आईओसीएल ने हाल ही में लार्सन एंड टुब्रो को अपनी पानीपत रिफाइनरी के लिए एक ऐतिहासिक 10 केटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन टेंडर दिया है। बीपीसीएल, एचपीसीएल और गेल भी बड़े पैमाने पर हाइड्रोजन परियोजनाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जबकि असम में एनआरएल की ग्रीन हाइड्रोजन इकाई पूर्वोत्तर में प्रथम बनने की ओर अग्रसर है। भारत का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क अब 25,000 किमी से अधिक विस्तारित हो चुका है और वर्ष 2030 तक इसके 33,000 किमी तक पहुंचने का लक्ष्य है। रणनीतिक मूल्य निर्धारण सुधार और परिवहन एवं घरेलू क्षेत्रों के लिए 'नो कट' श्रेणी में गैस को शामिल करने से आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित हो रही है। गैस उत्पादन वर्ष वर्ष 2020-21 में 28.7 बीसीएम से लगातार बढ़कर वर्ष 2023-24 में 36.4 बीसीएम हो गया है और इसमें और वृद्धि का अनुमान है।

किसी अन्य देश ने अपने 'सिस्टम' में भारत जितना बड़ा बदलाव नहीं किया है, जैसा कि तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन अधिनियम 2024 से पता चलता है, जिसने हाइब्रिड पट्टों को सक्षम किया है और इससे हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा की अनुमति मिलती है।

# शिष्टाचार पुलिस क्या बला है?

नसीम अहमद खान

***अजीत द्विवेदी पुलिस और शिष्टाचार आमतौर पर एक दूसरे के विपर्यय यानी एक दूसरे के विपरीत अर्थ वाले माने जाते हैं। तभी जब भी पुलिस सुधारों की बात होती है तो सबसे पहले पुलिसकर्मियों को शिष्टाचार का प्रशिक्षण देने की बात कही जाती है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक रहे प्रकाश सिंह ने भी अपनी सिफारिशों में यह बात कही है तो देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कई इंटरव्यू में इस पर जोर दिया कि पुलिस को आधुनिक तकनीक व हथियारों का प्रशिक्षण देने के साथ साथ सार्वजनिक जीवन में आम नागरिकों के साथ सभ्य और सलीके का व्यवहार करने का प्रशिक्षण भी देना चाहिए।***

दुनिया के सभ्य व विकसित देशों में नागरिक पुलिस को दोस्त मानते हैं तभी वहां अभिभावक अपने बच्चों को किसी भी संकट की स्थिति में पुलिस के पास जाने की सलाह देते हैं, जबकि भारत में भले लोग यज्ञ, हवन आदि कराते हैं कि पुलिस से पाला न पड़े। अभिभावक अपने बच्चों को पुलिस से दूर रहने की सलाह देते हैं। कुल मिला कर स्थिति यह है कि पुलिस की मौजूदगी आमतौर पर लोगों को सुरक्षा का अहसास नहीं कराती है, बल्कि भय और असुरक्षा का भाव पैदा करती है। तभी दिल्ली में 'एंटी ईव टीजिंग स्क्वॉडइ का गठन और उसका नाम 'शिष्टाचार स्क्वॉडइ रखने का दिल्ली सरकार का फैसला बहुत दिलचस्प जान पड़ता है। यह मानने में कोई हिचक नहीं है कि यह फैसला राजनीतिक है और राजनीतिक कारणों से किया गया है। जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार ने एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया, जिसका घोषित मकसद तो महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना था लेकिन असल में लव जिहाद के अपने चुनावी एजेंडे को ध्यान में रख कर राज्य सरकार ने यह फैसला किया था। राजधानी दिल्ली में सीधे तौर पर लव जिहाद रोकने के लिए किसी एंटी रोमियो स्क्वॉड के गठन की बात नहीं की जा सकती थी इसलिए महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ और अपराध को रोकने के लिए 'शिष्टाचार स्क्वॉड बनाने की घोषणा हुई है। ऐसा लग रहा है कि यह स्क्वॉड शिष्टाचार की बजाय नैतिकता पुलिस के तौर पर काम करेगी। इससे लड़कियां और महिलाएं सुरक्षित महसूस करेंगी या नहीं यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन युवा जोड़े इनसे आशंकित जरूर रहेंगे। बजरंग दल के कार्यकर्ता वेलेंटाइन डे वगैरह पर जो काम अनधिकृत रूप से करते हैं उसी से मिलता जुलता काम यह स्क्वॉड सालों भर अधिकृत रूप से करेगा। यह भाजपा की नई राज्य सरकार का एजेंडा इसलिए भी लग रहा है क्योंकि आम आदमी पार्टी की 10 साल की सरकार के समय भी तो पुलिस केंद्र की भाजपा सरकार के पास ही थी। तब इस तरह का स्क्वॉड बनाने की जरुरत क्यों नहीं महसूस की गई थी? ऐसा मानने का आधार यह भी है कि अगर दिल्ली सरकार चाहती है कि वह महिलाओं को सुरक्षित रखे भी और सुरक्षित महसूस भी कराए तो उसके लिए अलग से किसी पुलिस फोर्स की जरुरत नहीं है। सामान्य पुलिसिंग को चाक चौबंद करके ऐसा किया जा सकता है। महिलाओं के साथ अपराध की जो शिकायतें पुलिस के पास पहुंचती है उन शिकायतों को तत्काल दर्ज किया जाए और कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तो अपने आप महिलाओं के प्रति अपराध में कमी आएगी। ऐसे ही महिलाओं के खिलाफ अपराध के जो मामले पहले से दर्ज हैं अगर पुलिस उन मामलों में जल्दी से जल्दी सजा करा देती है तो उससे भी अपराधियों में खौफ बनेगा। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के साथ उतने अपराध नहीं होते, जितने घरों में, परिचितों की मौजूदगी में, स्कूल व कॉलेजों में या कार्यस्थलों पर होते हैं। वहां न तो पुलिस मौजूद रह सकती है और न 'शिष्टाचार स्क्वॉडइ के लोग मौजूद रहेंगे। इसलिए महिलाओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना होगा कि वे झिझक छोड़ कर या पुलिस का डर छोड़ कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उनमें यह भरोसा स्थापित करना होगा कि थानों में उनके साथ बदसलूकी नहीं होगी या उनकी कमजोरी का फायदा नहीं उठाया जाएगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी शिकायत पर पुलिस ईमानदारी से और त्वरित कार्रवाई करेगी। यह सुनिश्चित करने की बजाय सरकार 'शिष्टाचार स्क्वॉडइ बना रही है, जबकि यह काम सामान्य पुलिसिंग के जरिए हो सकता है। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या उनके प्रति अपराध की घटनाओं को रोकने के लिए इस तरह के दिखावे की जरुरत नहीं है, बल्कि व्यापक और समग्र योजना बनाने की जरुरत है। इसमें महिला थानों व महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाना एक उपाय है। पुलिसकर्मियों को नागरिकों और खास कर महिलाओं के साथ सलीके का व्यवहार करने का प्रशिक्षण देना दूसरा उपाय है। अभियोजन के लिए अलग शाखा या स्क्वॉड बनाना भी एक उपाय है ताकि जो मामले पुलिस के पास पहुंचे उनमें जल्दी से जल्दी न्यायिक कार्रवाई पूरी कराई जा सके।

न्यायपालिका में भी जैसे पॉक्सो मामलों के लिए अलग अदालतें हैं वैसे ही महिलाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए अलग से व्यवस्था करने की जरुरत है। अगर थाने में शिकायत लेकर जाने में महिलाएं सुरक्षित और सहज महसूस करने लगें और उन्हें भरोसा बने की पुलिस की जांच और न्यायिक प्रक्रिया उनके लिए सजा नहीं बन जाएगी तो वे खुद ब खुद आगे आएंगी और अपने ऊपर होने वाले अपराध की शिकायत करेंगी।

## कोरोना के बढ़ते आंकड़ों से पूरी दुनिया चिंतित

कोरोना एक बार फिर से पैर फैल रहा है। कोरोना वायरस के मामले इन दिनों भारत, हांगकांग और सिंगापुर में तेजी से बढ़ रहे हैं। तेजी से बढ़ते कोरोना के आंकड़ों ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। भारत में दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं।

भारत के करीब बीस राज्यों में कोरोना के मरीज पाए गए हैं। देश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या एक हजार पार कर चुकी है। केरल में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 6 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन के वुहान शहर में दिसम्बर, 2019 जन्मा कोरोना दुनिया में तबाही मचा रहा है। यह वायरस सामाजिक-मानसिक रूप से भी खौफ पैदा कर रहा है। लगता है कि वायरस मानव का सहजीवी चुका है।

वायरस के चलते मानव समाज पर कई प्रकार के दबाव बढ़ जाते हैं। वायरस का प्रभाव आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीति पर भी पड़ता है। जब कोई संक्रमण वैश्विक स्तर पर फैलता है, तो उसका असर अर्थव्यवस्था पर भी देखने को मिलता है। वायरस से संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक-मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है क्योंकि यह ऐसी बीमारी है जिससे लोग दूरियां बना लेते हैं। यह संक्रमण आपसी मेल मिलाप से बहुत तेजी से फैलता है। इसका असर रोजगार, कामगारों और बाजारों पर पड़ता है। कार्यबल में गिरावट आती है, जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है। काम का दवाब बढ़ता है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के कारण कई प्रकार के कीट-पतंगों और पशु-पक्षियों से संक्रमण पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। कोरोना वायरस को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंताएं बनी हुई हैं। आखिर, क्या कारण है कि वायरस खत्म होने की बजाय बढ़ रहे हैं। बढ़ते वायरस की घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में मानव विनाशक वायरस ही होगा। समाचारों के अनुसार वैज्ञानिक जैविक हथियारों के रूप में विभिन्न वायरसों को लैब में तैयार कर रहे हैं। कोविड-19, इबोला वायरस, जीका, पोलियो जैसे वायरस ने दुनिया को हिला कर रख दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पूर्व में पनपे वायरस को वैश्विक स्वास्थ्य आपदा के रूप में घोषित किया जा चुका है, जिनमें कोविड-19, इबोला वायरस, जीका वायरस तथा पोलियो शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के नये वैरिएंट को लेकर कहा है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। फिर भी कोरोना के पुराने मंजर को कोई भूल नहीं पाया है। भारत में कोरोना को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। संक्रमण के प्रारंभिक उपचार के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं में उचित व्यवस्था की गई है।

0 अजय प्रताप तिवारी

## अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1346

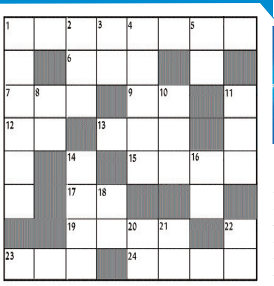

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. 9 जुलाई 1900 को मध्यप्रदेश के इस पूर्व राज्यपाल व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता ने जन्म लिया था (8)
6. पहर-पहर पर घंटा बजने का शब्द, बहुत सबेरे समय का घंटा (3)
7. बिहार स्थित विश्व का प्राचीनतम ज्ञान केंद्र (3)
9. किसी चौपाये के स्तन (2)
12. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
13. अभिलाषा, आरजू, मन्नत (3)
15. नरक निवासी, दो जखी, नारक (4)
17. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
19. उद्यान, वाटिका वर्तमान दौर के एक प्रसिद्ध गीतकार (4)
23. प्रतिष्ठा, इज्जत, कीर्ति, नेमनामी (3)
24. वह जो प्रत्येक कार्य बाएं हाथ से करता हो (4)

**ऊपर से नीचे**

1. विष्णु भगवान का एक नाम जिनके नाम से एक कथा बहुत अधिक प्रचलित है (6)
2. मध्यप्रदेश का एक छोटा शहर जो एक लिंगी से कुछ पहले स्थित है (3)
3. रहस्य, भेद, कोई गूढ बात (2)
4. भय कंपित होना, डर से कांपना, दहलना (5)
5. अतिरिक्त, अधिक, रहित (2)
8. किसी रेखा पर सीधी और खड़ी गिरने वाली रेखा (2)
10. नदी तटवर्ती, तीरवर्ती (3)
11. क्रीडा लक्ष्य प्राप्ति, सफलता, जीत (3)
14. भगतसिंह के साथ इन्हें भी फांसी पर लटकाया गया था (4)
16. ख्याति, प्रसिद्धि, यश (2)
18. पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, स्थान, तीर, आब (2)
20. इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप (2)
21. झूमने का भाव (2)
22. अस्तित्व, वजूद, हाथी (2)

**वर्ग पहेली 1345 का हल**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जा | पा | न | | | अ | स | म |
| ब | ल | भ | द्र | | म | न | न |
| जा | ना | | व | न | ज | | क |
| | पो | ष | ण | | द | स्तू | र |
| को | स | | | | अ | प | ना |
| स | ना | थ | | जा | ली | | |
| | | प | ता | | खां | स | ना |
| | व | की | ल | | | भा | ल |

## मुक्त व्यापार की विडंबना

आरसीईपी पर दस्तखत ना करने की एक वजह न्यूजीलैंड एवं ऑस्ट्रेलिया से आयात के कारण भारतीय दुग्ध उद्योग के लिए संभावित खतरे को बताया गया था। अब भारत ने न्यूजीलैंड से ही एफटीए वार्ता शुरू कर दी है। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बाद अब भारत ने न्यूजीलैंड से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू की है। छह साल पहले के घटनाक्रम को याद करें, तो न्यूजीलैंड से अब ऐसे करार की बनी जरूरत को एक विडंबना ही कहा जाएगा। गौरतलब है, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते के लिए वार्ता में भारत आरंभ से शामिल था। लेकिन 2019 में जब दस्तखत की बारी आई, तो ऐन वक्त पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा ना करने का फैसला किया था। तब इसकी एक वजह चीनी उत्पादों से भारतीय बाजारों के पट जाने की आशंका को बताया गया था।

यह पेचीदा सवाल

दूसरे कारण के तौर पर न्यूजीलैंड एवं ऑस्ट्रेलिया से संभावित आयात से भारतीय दुग्ध उद्योग के खतरे में पड़ने की सूरत का जिक्र हुआ था। वो दोनों दुग्ध उत्पाद में अग्रणी देश हैं। आरसीईपी में शामिल ना होने के कारण भारत चीनी उत्पादों से किस हद तक बचा पाया, यह अलग, लेकिन गंभीर पड़ताल का विषय है। बहरहाल, अब न्यूजीलैंड से भारत ने एफटीए के लिए वार्ता शुरू कर दी है।

न्यूजीलैंड में औसत आयात शुल्क 2.3 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह औसतन 17.8 फीसदी है।

## राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

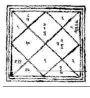

**चौघड़िया**

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बन जायेगा। किसी काम में की गई मेहनत जरूर सफल होगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे, आपको ऐसा कर के अच्छा लगेगा। आज किसी बचपन के मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है, आप पुरानी बातों पर चर्चा करेंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटों का रास्ता आज ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आज आपको परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता रहेगी।

कर्क राशि- आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। आज अपनी काबिलियत पर भरोसा रखकर आगे बढ़ेगे तो भविष्य में आपकी सफलता के अवसर बढ़ जायेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। आज आपका दिन भक्तिमय रहेगा। आज के दिन आपके लिये कमियों से सीख लेकर आगे बढ़ने का है।

कन्या राशि- आज का दिन आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आज यात्रा से आपको अपने परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। आज आपकी परिस्थितियों में बदलाव होगा।

तुला राशि- आज आपका दिन बहुत बढि ?ा रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें। आज दूसरों को जितना ज्यादा महत्व देंगे, आपको भी उतना ही महत्व मिलेगा। आज पुश्तैनी जमीन-जायदाद से जुड़ा काम सुलझ सकता है।

वृश्चिक राशि- आज आप का दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। माताएं अपने बच्चों को कुछ नया सिखाएंगी, जिससे बच्चों में नए विचार आएंगे। आज परिवार के कुछ जरूरी काम होंगे। आज किसी से फोन पर लम्बी बात हो सकती है। इससे रिश्ते और मजबूत होंगे। रूटीन में सुधार करने की जरूरत है।

धनु राशि- आज आपके दिन की शुरूआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे आपको कई जिम्मेदारियां मिल सकती है, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभायेंगे। इस राशि के मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। आपके घर में उत्सव का माहौल बना रहेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में जो भी रुकावटें आएंगी, उनसे आप कुछ सीख सकते हैं, ऐसे ही आपको आगे बढने. के नए मौके मिलेंगे। बिजनेस में अच्छे से काम को करने पर आपको फायदा होगा।

कुम्भ राशि- आज आपका दिन बढि ?ा गुजरेगा। किसी काम को पूरा करने के लिए शार्टकट तरीके अपनाने से बचें। निश्चित ही काम थोड़े विलम्ब से ही लेकिन पूरे हो जाएंगे। इस राशि के बिजनेसमैन के बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। माताएं बच्चो को मोरल स्टोरी सुनाएंगी।

मीन राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में आज का दिन ठीक रहेगा,..साथ ही कोई कलीग आपके काम में हेल्प करेंगे। आज किसी के बहकावे में न आये और अपने काम के प्रति सतर्क रहें। आपके परिवार में कोई नन्हा मेहमान आने के योग बन रहे है।

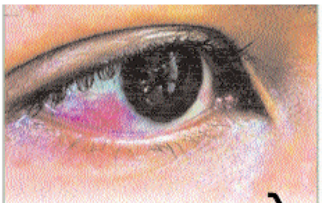

# जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है

**परिवार के किसी सदस्य को ग्लूकोमा यानी काला मोतिया बीमारी हो तो सावधानी जरूरी है। इस स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को नियमित रूप से आंखों की जांच कराना चाहिए। 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वर्ष में एक बार अनिवार्य रूप से आंखों की जांच कराते हुए आई प्रेशर का पता लगाना चाहिए। जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है।**

## अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है

यदि समय रहते बीमारी का पता चल जाए तो अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि पिता को काला मोतिया है तो बच्चों की आंखों की जांच जरूर नियमित रूप से कराते रहें। आई प्रेशर से ग्लूकोमा के खतरे का पता चल जाता है। काला मोतिया ऐसी स्थिति है जो आंख के पिछले हिस्से में आप्टिक नर्व को प्रभावित करती है। इससे आंखों को गभीर नुकसान हो सकता है। आप्टिक नर्व आंख से मस्तिष्क को जानकारी भेजने का काम करती है।

## आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है

आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है। जिसके भीतर तरल पदार्थ भरा होता है। आंखों के भीतर यह तरल पदार्थ बनता रहता है, जो आंखों को नमी प्रदान करती है। परंतु जब आंखों मे तरल पदार्थ बनने व बाहर निकलने की प्रक्रिया बाधित होने लगती है तो आंखों पर दबाव बढ़ता है और आप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। इस दशा में आंखों की रोशनी कम होने लगती है तथा ग्लूकोमा की स्थिति बनती है। ग्लूकोमा में मरीज को ज्यादा तकलीफ नही होती है इसलिए इस बीमारी को नजरअंदाज किया जाता है।

# शरीर में इस विटामिन की कमी के कारण होता है पीलिया

जॉन्डिस एक मेडिकल कंडीशन है जिसे हम पीलिया के नाम से जानते हैं। इसमें व्यक्ति की आंखें और त्वचा का रंग पीला पड़ने लगता है। ये एक गंभीर समस्या है जो नवजात से लेकर किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। पीलिया के कारण आपकी आंखों का सफेद भाग, झिल्ली,चेहरे और शरीर की त्वचा धीरे-धीरे पीली पड़ने लगती है।

एक्सपर्ट की माने तो पीलिया तब होता है जब शरीर मे बिलीरुबिन नाम का पदार्थ बहुत अधिक हो जाता है जिससे लिवर पर प्रभाव पड़ता है इससे लिवर के काम करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। बिलीरुबिन शरीर में फैल जाता है जिससे व्यक्ति पीलिया रोग का शिकार हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट की माने तो बिलीरुबिन बढ़ने और पीलिया की समस्या के लिए कुछ विटामिन जिम्मेदार होते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर में विटामिन के की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है। विटामिन के की कमी से बाइल डक्ट ब्लॉक हो जाता है जिससे बिलीरुबिन को लिवर से बाहर निकलने में रुकावट होती है। वहीं विटामिन के की कमी से रक्तस्राव भी अधिक होता है जिससे खून की कमी होती है। विटामिन बी 12 की कमी के कारण भी पीलिया हो सकता है। दरअसल जब विटामिन बी 12 की कमी होती है तब लाल रक्त कोशिकाओं की कमी भी हो जाती है। और बिलीरुबिन तब बनता है जब लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं।

# रखें अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल

अगर डेंटिस्ट के पास नहीं जा पा रहे है तो खुद ही अपनी ओरल हेल्थ का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी होता है और अगर हमारी ओरल हेल्थ सही न रहे तो ये आगे चलकर कई बीमारियों का कारण बन सकती है। यहा सिर्फ दांतों की सफाई नहीं बल्कि मसूढ़ों की सेहत, जीभ की सफाई और हमारे मुंह में मौजूद ग्लैंड्स की सफाई और उनके स्वास्थ्य का ध्यान भी रखना जरूरी है। ओरल हेल्थ का ख्याल रखना हर उम्र के इंसान के लिए जरूरी है। स्टडी कहती है कि दुनिया भर में 3.5 बिलियन लोग ओरल समस्याओं से जूझ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से ओरल हेल्थ को मैनेज करने के लिए कुछ खास टिप्स भी दी गई हैं। आज हम ऐसी ही कुछ टिप्स के बारे में बात करेंगे जो हमारी ओरल हेल्थ को सुधारने के लिए जरूरी है।

## कम शक्कर वाले फूड्स, जूस आदि खाएं

गाइडलाइन्स कहती है कि आपको अपनी डाइट में जितना हो सके उतना कम शक्कर युक्त खाना खाए। ये दवाओ के लिए भी लागू होता है। अगर हो सके तो ऐसे कफ सिरप आदि का चुनाव करें जिनमें शक्कर का इस्तेमाल कम हो रहा हो। शक्कर चाहे किसी भी फॉर्म में अंदर जाए वो हमारे मुंह की हेल्थ को खराब कर सकती है। इससे कैविटीज आदि भी हो सकती हैं। इसलिए ये जरूरी है कि हम कम शक्कर वाला खाना खाएं और जितना हो सके नेचुरल फ्रूट्स और ड्रिंक्स का सेवन करें।

## दिन में 2-3 बार गरारा करें

ये जरूरी है कि आप अपने मुह को साफ रखे इसके लिए आप दिन में 2-3 बार गरारा कर सकते हैं। आप अपने पास एक अच्छा माउथवॉश रखें और अगर माउथवॉश नहीं है तो आप गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उससे गरारा कर सकती हैं। आप चाहे तो हर्बल माउथवॉश भी बना लें जिसमे काली मिर्च, अदरक, हल्दी और तुलसी की पत्तिया शामिल हों। ये आपकी ओरल कैविटी को दूर करने में मदद करेगा।

## पानी की कमी न होने दें

ओरल हेल्थ ही नहीं बल्कि शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए ये जरूरी है कि आप अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखे। ये अच्छा होगा कि आप पानी पीते रहे ताकि मुंह सूखे नही और मुंह के अंदर सलाइवा, मसूढ़े आदि साफ होते रहें। पानी पीने से दांतों के अंदर फंसे खाने के कण भी निकल जाते है और साथ ही साथ ये कैविटीज को खत्म करने और मुंह की दुर्गंध से लड़ने में भी सहायक होगा। आप नींबू पानी या सब्जियों और फलों का जूस भी पी सकते हैं।

## एल्कोहॉल और स्मोकिंग से रहें दूर

अगर आप इसका सेवन नहीं करते तो ठीक, लेकिन अगर आप करते हैं तो इसे थोड़ा कम कर दीजिए। ये ओरल हेल्थ को खराब करने के सबसे अहम कारणो में से एक होते हैं। अकेले इस एक स्टेप को लेने से ही आपकी ओरल हेल्थ में कमाल का सुधार दिख सकता है।

### डाइट का रखें ध्यान

हमारी ओरल हेल्थ को निर्धारित करने मे हमारी डाइट का बहुत बड़ा योगदान होता है। ये बहुत जरूरी है कि हम सही विटामिन और मिनरल अपनी डाइट में शामिल करें ताकि शरीर को पोषण मिले। अगर हम बहुत ज्यादा चिपचिपा और स्टार्च वाला खाना खाएंगे तो ये हमारी ओरल हेल्थ पर असर डालेगा।

# बढ़ती उम्र के साथ जरूरी है दांतों की सही देखभाल

हेल्दी रहने के लिए शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों की देखभाल भी बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम ओरल हाइजीन पर ध्यान नहीं देते हैं। जिसकी वजह से बढ़ती उम्र के साथ दांतों की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। कई बार कम उम्र में ही आपको दांतों की परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए, दांतों की सही तरह से देखभाल करना बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, उम्र बढ़ने के साथ कई कारणों से ओरल हेल्थ से जुड़ी कई दिक्कतें आपको परेशान कर सकती हैं। कई लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि अगर आपकी ओरल हेल्थ ठीक नहीं है, तो इसका असर आपके पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

- उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे मुंह में कुछ नेचुरल बदलाव आते हैं। जैसे कि सलाइवा का प्रोडक्शन कम हो जाता है। उम्र के साथ दांतों की मजबूती पर भी असर होता है।
- कई अन्य बीमारियों और दवाईयों के कारण भी डेंटल हेल्थ पर असर होता है। बढ़ती उम्र में मसूड़ों से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- डायबिटीज, दिल की बीमारियों और अर्थराइटिस से भी ओरल हेल्थ प्रभावित हो सकती है।

इसलिए, उम्र बढ़ने के साथ दांतों का अधिक ख्याल रखना जरूरी हो जाता है।

- घर पर दांतों की सही तरह की सफाई का ध्यान रखें।
- इसके अलावा, समय-समय पर डेंटिस्ट के पास जाकर रूटीन चेकअप करवाएं।
- दिन में दो बार फ्लोराइड टूथपेस्ट से दांतों का साफ करें और डेंटल फ्लॉस से दांतों के बीच का हिस्सा भी साफ करें। इससे कैविटीज और मसूड़ों की सड़न के बचाव हो सकता है।
- मुंह के बैक्टीरिया को दूर करने के लिए एंटीसेप्टिक माउथवॉश से कुल्ला करें।
- अगर आप डेंचर यूज करते हैं, तो इसकी भी सही देखभाल जरूरी है।
- डेंचल को सोते समय निकाल दे। इसे सही से साफ करें और इसे बैक्टीरियल ग्रोथ से बचाने के लिए डेंटल सल्यूशन पर डुबोकर रखें।
- बड़े-बुजुर्गों की ओरल हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए सही हाइड्रेशन भी जरूरी है। क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ लार बनना कम हो जाती है। ऐसे में सही मात्रा में पानी पीना जरूरी है।
- लार एसिड को न्यूट्रिलाइज करने और फूड पार्टिकल्स को धोने के लिए जरूरी है।
- पानी पीने से ड्राई माउथ की प्रॉब्लम नहीं होती है। ड्राई माउथ की वजह से दांत का घिसना और ओरल हेल्थ से जुड़ी परेशानी हो सकती है।
- इसके अलावा विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर बैलेंस डाइट जरूर लें।
- दांतों की मजबूती के लिए कैल्शियम, विटामिन डी और फॉस्फोरस बहुत जरूरी हैं।

**उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।**

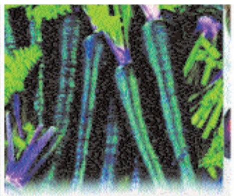

# काली गाजर के सेवन से दूर होती है ये बीमारियां

**काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते है। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है। काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मददगार हो सकती है।**

गाजर खाने के कई फायदे होते हैं। गाजर विटामिन-ए से भरपूर होती है। लेकिन बहुत कम लोगों ने काली गाजर के बारे में सुना होगा। डायटीशियन मीना कोरी यहां हमें काली गाजर के फायदों के बारे में बता रही है।

## आंखों के लिए फायदेमंद

काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते है, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते हैं। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है।

कैंसर से बचाव करती है काली गाजर

काली गाजर में एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कैंसर से भी शरीर को सुरक्षित रखती है। मीना कोरी का कहना है कि एंथोसायनिन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन स्तन कैंसर, फेफड़ो के कैंसर, और कोलोरेक्टल कैंसर जैसी गभीर बीमारिया नही होती है।

## डायबिटीज में फायदेमंद

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, उन्हें काली गाजर का सेवन जरूर करना चाहिए। काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। यह टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करती है।

## वजन घटाती है काली गाजर

काली गाजर मे फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने मे मददगार हो सकती है। फाइबर लंबे समय तक पेट को भरा हुआ रखता है। ज्यादा भूख नहीं लगती है। आप कम कैलोरी खाते हैं तो इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। इससे शरीर मोटापा नहीं बढ़ता है। शरीर का वजन भी नहीं बढ़ता है। काली गाजर के सेवन से कोलेस्ट्रॉल का लेवल नहीं बढ़ता रहता है और इससे हार्ट अटैक का खतरा नहीं होता है।

# थायराइड को कंट्रोल कर सकते हैं ये मसाले

**थायराइड जीवनशैली से जुड़ी परेशानी है जिससे आजकल हर व्यक्ति ग्रस्त है। इस कारण शरीर में काफी बदलाव आने लगता है। कुछ लोगों का वजन काफी ज्यादा बढ़ जाता है। कुछ लोगों को हेयर फॉल की शिकायत हो जाती है। अगर आप भी थायराइड की समस्या से परेशान हैं तो मम्मी के किचन में रखे कुछ मसाले थायराइड कंट्रोल करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं वो कौन से मसाले हैं जो थायराइड लेवल को फिक्स करने में आपके काम आ सकते हैं।**

## हल्दी

थायराइड में हल्दी का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हल्दी एक औषधि के रूप में जानी जाती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो शरीर की सूजन को कम करने मे मदद करते हैं। इसमें करक्यूमिन नाम का यौगिक पाया जाता है जो थायराइड ग्लैंड की सूजन कम करने में मदद करता है। आपको बता दें कि हल्दी में बहुत ही शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में होने वाले ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया को न्यूट्रल कर देते हैं।

## जीरा

जीरा हमेशा से ही खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए जाना जाता है। वहीं इसमें मौजूद फाइटोकेमिकल्स थायराइड फंक्शन को बैलेंस रखने में मदद करते हैं। जीरा आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है जिससे थायराइड लेवल को फिक्स करने में मदद मिलती है।

## दालचीनी

दालचीनी का नियमित इस्तेमाल भी थायराइड को कंट्रोल करने में मददगार है। इसमे एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो सूजन को कंट्रोल करते हैं। दालचीनी में सिनामाल्डिहाइड नाम का केमिकल मौजूद होता है,जो शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने में मदद करता है। यह महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करने में मदद करती है।जिससे शरीर में हार्मोन्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है।

## धनिया

थायराइड मे धनिया के बीज का सेवन भी आपको फायदे पहुचा सकता है। धनिया के बीजो मे एंटीऑक्सीडेंट होता है थायराइड फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इससे शरीर का सूजन कम होता है।आप धनिया के बीजों को एक गिलास पानी में भिगोकर रखे और इसे सुबह खाली पेट पी लें।

**पीएम के जम्मू-कश्मीर दौरे से पहले एनआईए की बड़ी कार्रवाई, पुलवामा-कुलगाम सहित कई जिलों में की छापेमारी**

श्रीनगर ,05 जून(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रशासित प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की। यह छापेमारी आतंकी साजिश से जुड़े एक मामले की जांच के तहत की गई है।
अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीमों ने पुलवामा, कुलगाम, शोपियां, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई उन व्यक्तियों और नेटवर्क के खिलाफ की जा रही है जो आतंकियों और उनके ओवरग्राउंड वर्करों के संपर्क में हैं। जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और न ही औपचारिक रूप से हिरासत में लिया गया है, लेकिन एनआईए ने पांच लैपटॉप, करीब डेढ़ दर्जन मोबाइल फोन, अन्य डिजिटल डिवाइसेज और वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं।

# 10463 स्कूल बंद कर 45000 पद समाप्त, भाजपा सरकार का शिक्षा व रोजगार विरोधी कदम

## शिक्षा पर हमला, रोजगार पर वार — साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस करेगी प्रदेशव्यापी आंदोलन

**कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) /** प्रदेश सरकार द्वारा १०,४६३ शासकीय स्कूलों को बंद करने और ४५,००० से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त करने के फैसले ने सियासी ताप बढ़ा दिया है। इस निर्णय को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे आदिवासी इलाकों के बच्चों के साथ अन्याय बताया है।
गुरुवार को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित विश्रामगृह में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यह कदम न केवल शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है, बल्कि हजारों युवाओं के रोजगार की संभावनाओं पर भी कुठाराघात है। पत्रकार वार्ता को पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल, कोरिया जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, एमसीबी कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ला, यवत कुमार सिंह, अशोक जायसवाल और मुख्तार अहमद ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। नेताओं ने दावा किया कि यह फैसला खास तौर पर बस्तर, सरगुजा और जशपुर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों के छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेलने वाला है।
रमन सरकार के दौरान भी प्रदेश में ३३०० से अधिक स्कूलों को बंद किया गया था. १२००० शिक्षकों के पद को खत्म किया गया था। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में प्राइमरी स्कूलों में २१ छात्रो के बीच एक शिक्षक है, इस अनुपात को बढ़ाकर ३० छात्र प्रति शिक्षक और इसी तरह मीडिल स्कूलों में २६ छात्र प्रति शिक्षक के रेसियो को बढ़ाकर ३५ छात्र प्रति शिक्षक किया जा रहा है। जिससे शिक्षको के एक तिहाई पद खत्म हो जायेंगे। नये शिक्षकों की भर्तियां न करनी पड़ी इसलिए युक्तियुक्तकरण कर रही साय सरकार। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है। साय सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा नुकसान बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अंचलों में पढ़ने वाले बच्चों पर पड़ेगा।
शिक्षकों की नई भर्तियां न करनी पड़े इसलिए साय सरकार शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण कर रही है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है। प्राथमिक शालाओं में पहली व दूसरी में तीन-तीन विषय

एवं तीसरी, चौथी, पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल १८ विषय होते हैं, जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को ४० मिनट का ६-६ कक्षा लेना होता है, अब युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षको के द्वारा १८ कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और ६ सब्जेक्ट इस हिसाब से कुल १८ क्लास और ६० बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ केवल एकमात्र शिक्षक कैसे १८ क्लास ले पाएंगे?
इसके अतिरिक्त मध्यान भोजन की व्यवस्था डाक का जवाब और अन्य गैर शिक्षकीय कार्यों की जिम्मेदारी भी इन्हीं पर रहेगी।
स्कूलों को जबरिया बंद किए जाने से न केवल शिक्षक बल्कि उन १०४६३ स्कूलों से संलग्न हजारों रसोईया, स्लीपर और मध्यान भोजन बनाने वाली महिला, स्वसहायता समूह की बहनों के समक्ष जीवन यापन का संकट उत्पन्न हो गया है। नए सेटअप के तहत सभी स्तर प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलो में शिक्षकों के न्यूनतम पदों में कटौती के चलते युवाओं के लिए नियमित शिक्षक के पद पर नई भर्ती के अवसर भी कम हो जाएंगे, शिक्षा के स्तर पर बुरा असर पड़ना निश्चित है। अधिनायकवादी भाजपा सरकार ने इतना बड़ा अव्यवहारिक निर्णय लेने से पहले ना प्रभावित वर्ग से चर्चा की, न ही प्रदेश के भविष्य के बारे में सोचा। इतना बड़ा निर्णय थोपने से पहले न शिक्षक संगठनों की राय ली गयी, न पालक संघ से पूछा गया, न ही शिक्षाविद और छात्र संगठनों से कोई चर्चा की गयी। सरकार के इस शिक्षा विरोधी फैसले के खिलाफ पूरे प्रदेश में आक्रोश है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही प्रदेश में ५८००० से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं, हर महीने सैकड़ो शिक्षक रिटायर हो रहे हैं, कई वर्षों से शिक्षकों का प्रमोशन रुका हुआ है, स्थानांतरण को लेकर कोई ठोस पॉलिसी बना नहीं पाए, समयमान वेतनमान का विवाद अब तक लंबित है ऐसे में युक्तिकरण के नाम पर शिक्षकों को डरा कर वसूली करना चाहती है यह सरकार। भाजपा सरकार १० हजार से अधिक स्कूलों को बंद करने जा रही तथा ४५००० से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त कर रही है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों विशेषकर बस्तर, सरगुजा, जशपुर जैसे जगहों पर स्कूलों की कमी होगी, सरकार झूठ बोल रही कि स्कूल बंद नहीं होंगे, जबकि सच्चाई यह है कि मर्ज किये गये स्कूलों का डायस कोड़ विलोपित कर दिया गया है। भाजपा ने विधानसभा चुनावों में दावा किया था राज्य में ५८००० शिक्षकों के पद खाली है। विधानसभा में घोषणा किया ३५००० पद भरे जायेंगे, इस वर्ष बजट में भी २०००० शिक्षकों की भर्ती की बात की गयी है लेकिन यह भर्तियां नहीं करनी पड़े, इसलिये ४५००० पद समाप्त किये जा रहे है। जब पद ही खाली नही रहेंगे तो भर्ती कहां से करेंगे। युक्तियुक्तकरण शिक्षा विरोधी, रोजगार विरोधी कदम है। १० हजार स्कूलों के बंद होने से रसोईया, चौकीदार, भृत्य जैसे पद भी समाप्त होंगे हजारों लोगों के रोजगार के अवसर समाप्त होंगे। कांग्रेस इसके खिलाफ जमीनी लड़ाई लड़ेगी अब सभी जिलों एवं ब्लाकों में आंदोलन चलायेंगे, शीघ्र ही आंदोलन का कार्यक्रम, तिथि और स्वरूप की घोषणा होगी।

## बच्चों के रचनात्मक और बौद्धिक विकास के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण है

ज्कोरिया बैकुंठपुर /ज खेल एवं युवा कल्याण विभाग, कोरिया द्वारा आयोजित दस दिवसीय जिला स्तरीय समर कैंप का समापन समारोह मंगलवार को शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, बैकुंठपुर में संपन्न हुआ। यह समर कैंप २६ मई से ०४ जून २०२५ तक आयोजित किया गया था। इस आयोजन का संचालन कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन और जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। समापन कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री गुप्ता, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी ब्रजराज गिरी, तथा विद्यालय के प्राचार्य अमृत लाल गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। कुल १२० छात्र-छात्राओं ने इस शिविर में भाग लिया। बच्चों के लिए विभिन्न रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें तीन प्रमुख विधाएं शामिल थीं। भाषा कौशल विकास कक्षा में ३५ छात्र-छात्राएं, शास्त्रीय नृत्य (कथक) में २५ छात्राएं, शतरंज प्रशिक्षण में ४० छात्र, विज्ञान प्रयोग आधारित च्करके सीखेंच गतिविधि में २० छात्र-छात्राएं शामिल थे। शिविर के अंतिम दिन सभी विधाओं में प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिससे विद्यार्थियों द्वारा सीखी गई बातों का मूल्यांकन किया गया। समापन समारोह में भाषा विकास के केदारनाथ, श्रीमती प्रीति खाखा, विज्ञान गतिविधि से श्रीमती अपर्णा मिश्रा, श्रीमती पूनम पांडे, नृत्य से श्रीमती लक्ष्मी बघेल, शतरंज से मो. समीम, अंजुम, शैक्षिक समन्वयक से संजय यादव एवं संतोष मिश्रा सहित सहयोगी शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया

# विश्व पर्यावरण दिवस पर कोरिया जिले में हुआ वृक्षारोपण

**0 प्राकृतिक धरोहर को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा-विधायक भईया लाल राजवाड़े**
**0 वृक्ष लगाएं, बचाएं और भावी पीढ़ियों को एक स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण प्रदान करें-कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी**

**कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) /** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोरिया जिले के ग्राम पंचायत सरडी में वन विभाग के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के प्रमुख जनप्रतिनिधि और अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।
वृक्षारोपण कार्यक्रम में बैकुण्ठपुर के विधायक भईया लाल राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, अपर कलेक्टर अरुण मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा तथा उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े के साथ जनपद पंचायत, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष, सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।
इस अवसर पर नीम, आम, जामुन, मौलश्री, लाल चंदन जैसे पर्यावरण हितैषी वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े ने कहा, 'कोरिया की सुंदरता इसके घने

जंगलों और पहाड़ियों में छिपी है। हमें इस प्राकृतिक धरोहर को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत सभी नागरिक एक-एक पेड़ लगाएं और उसका पालन-पोषण करें।'
कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा, 'आज पूरी दुनिया पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कोरिया जिला प्रकृति की अपार देन से भरपूर है जंगल, नदियाँ, पहाड़, स्वच्छ वायु। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं, उन्हें बचाएं और भावी पीढ़ियों को एक स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण प्रदान करें। पेड़ लगाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसकी देखभाल और संरक्षण।' उन्होंने आम नागरिकों से यह भी अपील की कि 'पेड़ मत काटो, क्योंकि इन्हीं पेड़ों से हमें छांव, हरियाली, वर्षा और शुद्ध वायु मिलती है।'
इस वृक्षारोपण कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाई और जिले में हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल की।

# युक्तियुक्तकरण से शिक्षा व्यवस्था होगी मजबूत- कलेक्टर

**0 शिक्षकों का संतुलित वितरण कर स्कूलों को मिलेगी गुणवत्ता शिक्षा**
**0 शिक्षा में समानता और संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा**

**कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) /** शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और संसाधनों के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कोरिया जिले में स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को लेकर जिला प्रशासन ने अहम जानकारी साझा की।
जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि यह कदम शिक्षा में समानता, समावेशिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी पहल है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अरुण मरकाम एवं जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता भी उपस्थित रहे।
कलेक्टर ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में शिक्षकों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में शिक्षकों की भारी कमी है। इससे वहां की शैक्षिक गतिविधियां और छात्रों का प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए शिक्षकों और शालाओं का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया से गणित, भौतिकी, रसायन और जीवविज्ञान जैसे विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों की उपलब्धता अब ग्रामीण अंचलों में भी सुनिश्चित की जा रही है। इससे न केवल बच्चों को बेहतर शिक्षण मिलेगा, बल्कि छात्र-शिक्षक अनुपात भी संतुलित होगा।राज्य और जिले की स्थिति का विवरण देते हुए कलेक्टर ने बताया कि कोरिया जिले में २ प्राथमिक शालाएं शिक्षकविहीन और ५७ एकल शिक्षक स्कूल हैं। वहीं, ९५ प्राथमिक और ७५ पूर्व माध्यमिक शिक्षक जिले में अतिशेष हैं। इनका पुनः समायोजन कर शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय शालाओं में पदस्थापना की जा रही है।उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया किसी भी प्रकार की कटौती नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य शिक्षा में सुधार लाना है। जिले में १४५ में से एक भी स्कूल का समायोजन नहीं किया गया है। राज्य में भी केवल २४१ स्कूलों का समायोजन किया गया है, जबकि १०,२९७ स्कूल यथावत संचालित रहेंगे।
युक्तियुक्तकरण के लाभों को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि इससे विद्यार्थियों को बेहतर भवन, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं एक ही परिसर में मिल सकेंगी। साथ ही, बच्चों की ड्रॉपआउट दर में कमी, तीन बार प्रवेश प्रक्रिया से मुक्ति और पढ़ाई की निरंतरता सुनिश्चित होगी। प्रेस वार्ता के अंत में कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के दिशा -निर्देशों के अनुरूप यह परिवर्तन हो रहे हैं और इससे न केवल शिक्षा का बल्कि जिले के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

## नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव ने शहर को दी परशुराम चौक की सौगात.. शहर की सुंदरता में लगे चार चांद...

**कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) /** नगरपालिका के उपाध्यक्ष आशीष यादव उर्फ लल्ला के आसार प्रयासों से बैकुंठपुर शहर को आज परशुराम चौक की सौगात मिली। स्कूलपारा स्थित अति सुंदर व अलौकिक परशुराम चौक का लोकार्पण छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, स्थानीय विधायक भैयालाल राजवाड़े व नपा अध्यक्ष के द्वारा किया गया। इस चौक का अनावरण करने के बाद सभी ने शानदार विशालकाय शंख लगे व लाइटिंग के साथ सुंदर फौव्वारे के साथ नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव की मुक्तकंठ के साथ प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि मिलनसार व्यक्तित्व के धनी नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव शहर के विकास को नया आयाम दे रहें हैं। हाईस्कूल में लगी शहरों की तर्ज पर हाई मास्क लाइट इसका खुला उदाहरण है जहां हाल ही में रात्रि कालीन ्यक्करुक्रिकेट प्रतियोगिता ने लाखों लोगों का मन मोह लिया। इसके अलावा परियोजना कॉलोनी में श्री राम चौक सहित अनेक जगह सौंदर्यीकरण के अलावा उनके द्वारा नाली, सड़क, बिजली व साफ सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं को मुहैया करा कर शहर के विकास को नई गति प्रदान करने में अपना सहयोग दिया जा रहा है। अब यह परशुराम चौक शहर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। रंगारंग व शानदार लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व विधायक विनय जायसवाल, अम्बिका सिंहदेव, पूर्व नपा अध्यक्ष शैलेष शिवहरे, योगेश शुक्ला, प्रदीप गुप्ता, नजीर अजहर, वेदांती तिवारी, यूएस शुक्ला, भानु पाल, ष्टरूह्र संजय दुबे, अजय सिंह, आशीष डबरे, मुख्तार अहमद, सुनील शर्मा, राहुल गुप्ता, अभिनेन्द्र सिंह, अनिल खटीक, विकास श्रीवास्तव, सौरभ गुप्ता, प्रदीप तिवारी, अनिल शर्मा, रमन गुप्ता, प्रशांत सिंह, निशांत बड़ेरिया सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

**न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)**
रा.प्र.क्र./ ब-121/ 05/06/2025
**ईश्तहार**
आवेदक रामपाल पिता सहोदर जाति रजवार निवासी बसदेई पटवारी हल्का नम्बर 1 तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने मां रमेशिया मृत्यु दिनांक 18/5/2008 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।
इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 19/6/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/06/2025 को जारी किया गया।
**नायब तहसीलदार**
**उप तहसील मानी**
**जिला सूरजपुर**

**न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)**
रा.प्र.क्र./ ब-121/2024 27/05/2025
**ईश्तहार**
आवेदक गंगाराम राजवाडे आ. स्व. बुधराम जाति रजवार निवासी ग्राम सरमा पटवारी हल्का नम्बर तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पुत्र बड़े पिता स्व. झबोरन मृत्यु दिनांक 8/12/2013 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।
इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 11/06/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया गया।
**तहसीलदार**
**सूरजपुर**
**जिला सूरजपुर**

**न्यायालय नायब तहसीलदार, रा.नि. मंडल अम्बिकापुर-3 के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505022900018/**
**मामले की श्रेणी :- राजस्व**
विषय:- अ-27 सन:- 2024-2025
पचपेडी प.ह.नं. 00012 [18/1(0.1040हे०)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- लालदेव, राजेन्द्र, मकुन्ती साहू, जीवन्ति, कलावती, उमरावती साहू, बसंती,
अनावेदक पक्षकार- लालदेव, राजेन्द्र, मकुन्ती साहू, जीवन्ति, कलावती, उमरावती साहू, बसंती,
**ईश्तहार**
आवेदिका मकुन्ती साहू आ० स्व० रामजीत अन्य 3 सभी निवासी ग्राम अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम पचपेड़ी स्थित संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 18/1 रकबा 0.104 हे० भूमि का उभयपक्ष के मध्य 1/4 अंश भाग में बंटवारा कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 19.06.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/05/2025 को जारी किया जाता है।
**Lakeshwar Prasad**
**नायब तहसीलदार**
**अम्बिकापुर-03**

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)**
**ईश्तहार**
रा०प्र०क्र०- /ब-121/2024-25
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डिम्पल अग्रवाल पत्नी राजेश अग्रवाल निवासी कुण्डला सिटी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4557/43 रकबा 0.018 हे० भूमि को अनावेदक सुनीता अग्रवाल पत्नी शंकर अग्रवाल निवासी महादेवपारा श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपये 53,25,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25.06.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक- 27/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।
**तहसीलदार**
**अम्बिकापुर**
**जिला-सरगुजा (छ.ग.)**

**न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)**
रा.प्र.क्र./ ब-121/2024 27/05/2025
**ईश्तहार**
आवेदक गंगाराम राजवाडे पिता स्व. बुधराम जाति रजवार निवासी ग्राम सरमा पटवारी हल्का नम्बर तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पिता स्व. बुधराम राजवाडे मृत्यु दिनांक 29/01/2002 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।
इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 11/06/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया गया।
**तहसीलदार**
**सूरजपुर**
**जिला सूरजपुर**

**कार्यालय नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला - सूरजपुर (छ.ग.)**
क्रमांक/888/दुकान नीलामी/न.पं./2025 प्रेमनगर, दिनांक 03/06/2025
**तृतीय दुकान नीलामी सूचना**
जनसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत प्रेमनगर द्वारा महिला बाल विकास के बगल में 05 नग दुकानों की आम नीलामी दिनांक 18.06.2025 दिन-बुधवार को समय 01:00 बजे नगर पंचायत प्रेमनगर के सभा कक्ष में की जावेगी। इच्छुक व्यक्ति बोली में भाग लेने हेतु निर्धारित अमानत राशि निम्न विवरणिका अनुरूप नीलामी प्रारंभ होने के पूर्व नगद रूप में जमा कर बोली में भाग ले सकते हैं। बिना अमानत राशि जमा किए नीलामी में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।
**-: विवरणिका :-**

| क्र. | आरक्षण का विवरण | दुकानों की संख्या | दुकान क्र. | दुकान का आकार | दुकान का प्रकार | प्रीमियम राशि | बोली अमानत राशि | मासिक किराया |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अ.ज.जा. | 03 | 01,03,04 | 3X4 m. | दुकान | 226320.00 | 22632.00 | 500.00 |
| 2 | अन्य पिछड़ा वर्ग | 01 | 05 | 3X4 m. | दुकान | 226320.00 | 22632.00 | 500.00 |
| 3 | अनारक्षित | 01 | 02 | 3X4 m. | दुकान | 226320.00 | 22632.00 | 500.00 |

टीप :-
1. प्रत्येक दुकान के लिए अलग-अलग अमानत राशि जमा करना होगा।
2. अमानत राशि जमा करने से पूर्व नगर पंचायत से बकाया नहीं प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
3. अनु.जाति, अनु. जनजाति/पि.वर्ग, विधवा परित्याकता, विकलांग भूतपूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, को अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
4. शेष नियम एवं शर्तें कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत कर्यालय में देखे जा सकते हैं।
5. प्राप्त उच्चत्तम बोली स्वीकृत करने या न करने हेतु परिषद का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
6. नीलामी की कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार मुख्य नगरपालिका अधिकारी/अध्यक्ष का होगा।
7. नीलामी (बोली) पूर्व शर्तनामा की समस्त शर्तें का अवलोकन कर मान्य होने पर ही बोली लगायी जावेगी।

**मुख्य नगरपालिका अधिकारी**
**नगर पंचायत प्रेमनगर**
**जिला - सूरजपुर (छ.ग.)**

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.)**
**//उद्घोषणा//**
क्रमांक/1875/रीडर-1/2025
जशपुर, दिनांक- 05/05/2025
एतद् द्वारा समस्त आम जनता फतेहपुर प.ह.नं. 03, तहसील जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है, कि आवेदक जगदीश राम पिता तिलक राम जाति कुम्हार निवासी ग्राम बाम्हनपुरा, तहसील व जिला-जशपुर (छत्तीसगढ़) के द्वारा ग्राम फतेहपुर, स्थित भूमि खसरा नं0 274/1 रकबा 0.1010 हे., में से 0.0202 वर्ग मी. भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उपरोक्त मामले की सुनवाई दिनांक 20.06.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 11:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक होना नियत किया गया है।
इस संबंध में यदि किसी पक्षकार/व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 05/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
**अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)**
**जशपुर, (छत्तीसगढ़)**

## हाउसफुल 3 के 9 साल पूरे हुए, टी-सीरीज ने मनाया कॉमेडी क्लासिक का जश्न!

तीन गुना कन्फ्यूज?, तीन गुना पागलपन और तीन गुना मस्ती–हाउसफुल 3 को रिलीज हुए आज पूरे 9 साल हो गए हैं, और फैंस आज भी उसकीदीवानी कॉमेडी को याद करके हँसते-हँसते लोटपोट हो जाते हैं। इस खास मौके पर टी-सीरीज ने सोशल मीडिया पर एक धमाकेदार नॉस्टैल्जिक प्रोमोशेयर किया है, जिसमें 'टांग उठाकेइ जैसे आइकॉनिक डांस नंबर ने एक बार फिर पुराने दिनों की याद ताजा कर दी। 2016 में रिलीज हुई हाउसफुल 3 में थे कॉमेडी के तीन बादशाह–अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख। तीनों ऐसे लड़कों का रोलनिभा रहे थे जो अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड्स से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सामने है एक अजीबोगरीब बाप (बोमन ईरानी) और उसके खुराफाती रूल्स।और जब जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फखरी और लिसा हेडन जैसी ग्लैमरस हीरोइनों की एंट्री होती है,



# दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के इन बल्लेबाजों ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

## 0-डब्ल्यूटीसी फाइनल

**नईदिल्ली,05 जून।** विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र का फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होगा। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम जमकर तैयारी कर रही है।

कंगारू टीम अपने खिताब के बचाव के लिए फाइनल मुकाबले में उतरेगी। उसने पिछला खिताब भारतीय क्रिकेट टीम को हराकर अपने नाम किया था।

ऐसे में आइए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर एक नजर डाल लेते हैं।

इस सूची में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कप्तान रिकी पोंटिग हैं।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला मुकाबला साल 1997 में खेला था। आखिरी बार वह 2012 में इस टीम के खिलाफ खेलते हुए नजर आए थे।

उन्होंने 26 मुकाबलों की 48 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2,132 रन बनाए थे। उनकी औसत 47.37 की रही थी।

उन्होंने 8 शतक और 11 अर्धशतक लगाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143* रन था।

सूची में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज नील हार्वी हैं।

वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1949 से 1958 तक टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए नजर आए थे।

इस टीम के खिलाफ उन्होंने 14 मुकाबले खेले थे। इसकी 23 पारियों में 81.25 की उम्दा औसत के साथ 1,625 रन बनाने में सफल रहे थे।

उनके बल्ले से 8 शतक और 5 अर्धशतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 रन रहा था।

तीसरे स्थान पर पूर्व स्टार बल्लेबाज माइकल क्लार्क हैं। वह 2008 से 2014 तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रिकेट का सबसे बड़ा प्रारूप खेलते हुए नजर आए थे।

उन्होंने 14 मुकाबले खेले थे। इसकी 27 पारियों में 5 बार नाबाद रहते हुए 1,487 रन बनाए थे। उनकी औसत 67.59 की रही थी।

उनके बल्ले से 5 शतक और 3 अर्धशतक निकले थे। क्लार्क का इस टीम के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ स्कोर 259* रन रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच साल 1994 में खेला था। आखिरी बार वह 2009 में खेलते हुए नजर आए थे।

उन्होंने 19 टेस्ट की 36 पारियों में 43.70 की औसत से 1,486 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 6 शतक और 5 अर्धशतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 138 रन रहा था।

सक्रिय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन स्टीव स्मिथ के बल्ले से निकले हैं। उन्होंने 12 मुकाबलों की 21 पारियों में 44.94 की औसत से 854 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 2 शतक और 4 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन है।

# आरसीबी की विक्ट्री परेड से पहले मची भगदड़ पर विराट कोहली ने दी प्रतिक्रिया

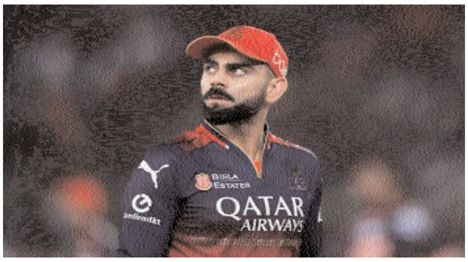


## 0-कहा-मेरे पास शब्द नहीं हैं. मैं पूरी तरह से दुखी हूं

**बेंगलुरू,05 जून।** विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पहले आईपीएल खिताब का जश्न मनाने के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ पर कहा कि वह बिल्कुल दुखी है. बुधवार को बेंगलुरु में आरसीबी का 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी जीत का जश्न जानलेवा घटना बन गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हो गए.

आरसीबी के जश्न के शेड्यूल के अनुसार, शाम 5 बजे से ओपन-बस विक्ट्री परेड होनी थी, लेकिन ट्रैफिक एडवाइजरी के बाद इसको रद्द कर दिया गया. इसी परेड का हिस्सा बनने के लिए लाखों आरसीबी फैंस निर्धारित रूट पर जुट गए. बेंगलुरु की भीड़ अपने पसंदीदा सितारों को देखने और आईपीएल ट्रॉफी की एक झलक पाने के लिए जीवन में एक बार होने वाले पल का हिस्सा बनने के लिए सड़कों पर उतर आई, जिससे जानलेवा भगदड़ मच गई.

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं. मैं पूरी तरह से दुखी हूं. उन्होंने घटना को लेकर आरसीबी द्वारा जारी किए गए आधिकारिक बयान के साथ इस पोस्ट को शेयर किया.

कोहली के पूर्व आरसीबी साथी एबी डिविलियर्स, जो अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहले खिताब के जश्न का हिस्सा बनने के लिए मौजूद थे, ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की. डिविलियर्स ने एक्स पर लिखा, आज चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं.

बता दें कि, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है.

आरसीबी ने भी घटना पर शोक व्यक्त करते हुए एक बयान जारी किया. हम मीडिया रिपोर्टों के जरिए सामने आई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से बहुत दुखी हैं, जिसमें टीम के आज दोपहर आने की प्रतिक्षा में पूरे बेंगलुरु में लोगों की भीड़ जुटने की बात कही गई है. सभी की सुरक्षा और भलाई हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है.

वहीं, बीसीसीआई ने कहा कि बोर्ड को इस आयोजन के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं थी और सचिव देवजीत सैकिया ने इतने बड़े आयोजन के लिए बेहतर योजना और उचित सुरक्षा उपाय किए जाने की बात कही.

## मेट्रो... इन दिनों का ट्रेलर जारी, 4 लूजर लवर्स की पेचीदा कहानी, उम्र के हर वर्ग के लोगों की मॉर्डन लव स्टोरी देगी नया अनुभव

अनुराग बसु निर्देशित मेट्रोज्इन दिनों का ट्रेलर रिलीज हो गया है. आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान और अन्य स्टार्स वाली यह आगामी रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी. हाल ही में फिल्म का पहला गाना भी रिलीज किया गया था और यह फैंस के बीच ट्रेंड कर रहा है. सारा अली खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा मेट्रो इन दिनों का ट्रेलर पोस्ट किया है और कैप्शन में लिखा है, हर उम्र के लिए एक कहानी. हर पड़ाव पर प्यार. यह सिर्फ हमारी लव स्टोरी नहीं है- यह आपकी भी है. मेट्रोज्इन दिनों ट्रेलर जारी. 4 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपनी खुद की कहानी देखें. ट्रेलर की शुरूआत में एक खूबसूरत गाने की झलक दिखाई गई है. इसके बाद ट्रेलर की शुरूआत आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के कैब में सफर करने से होती है. ट्रेलर में दिखाया गया है कि वे सिर्फ दोस्त हैं लेकिन धीरे-धीरे प्यार में पड़ जाते हैं. ट्रेलर में आगे तीन अन्य जोड़ियों की भी झलक दिखाई गई है, जो उनके अतीत और वर्तमान से परिचित कराता है. रोमांटिक पल बिताने के बाद ये चारों जोड़े कठिन समय से गुजर रहे होते हैं और उनके रिश्ते भी. धर्मेंद्र और नफीसा अली की जगह नीना गुप्ता और अनुपम खेर ने ले ली है. उनका रोमांस नेचुरल और सच्चा है. उनका चुपके से किया गया रोमांस जो चेहरे पर नहीं बल्कि आंखों के माध्यम से व्यक्त होता है. उम्मीद हैं कि उनकी ये लव स्टोरी दर्शकों को पसंद आएंगी. फिल्म में कोंकणा की जोड़ी पंकज त्रिपाठी संग बनाई गई है. हालांक, दर्शकों को इरफान खान की कमी खलेगी. ट्रेलर में प्यार, दर्द और जूनुन ये बताता है कि यह फिल्म की कहानी काफी बेहतरीन होने वाली है. मेट्रो इन दिनो का पहला गाना रिलीज हो गया है. जमाना लगे नाम के इस गाने में म्यूजिक मास्टर प्रीतम के साथ अरिजीत सिंह और शाश्वत सिंह ने आवाज दी है. यह एक दिल को छू लेने वाला गाना है जो फिल्म की जुड़ी कहानियों को खूबसूरती से जोड़ता है. अनुराग बसु निर्देशित मेट्रो इन दिनो 2007 की फिल्म लाइफ इन एज् मेट्रो का सीक्वल है. इसमें कई शहरी रिश्तों को दिखाया गया है. गाने का म्यूजिक वीडियो इसके कलाकारों की जिंदगी की झलक दिखाता है. फिल्म में सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर के बीच एक रोमांटिक मोड़ देखने को मिलेगा, जहां वह उन्हें मेट्रो में विदा लेते हैं. फिल्म में सारा और आदित्य के अलावा, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, अनुपम खेर, सास्वता चटर्जी भी हैं. यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

## छोटी खबरें

### क्रिकेट के बाद हरभजन सिंह की फिल्मों में एंट्री, वाइफ गीता बसरा संग लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान में कमेंटेटर हरभजन ने वाइफ और गीता बसरा के साथ एक नए चैप्टर की शुरूआत की है. उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है.गीता बसरा ने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसका अनाउंसमेंट किया और जल्द पहली फिल्म की घोषणा करने का वादा भी किया.

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पॉलीटिशियन हरभजन ने अपनी पत्नी और पूर्व अभिनेत्री गीता बसरा के साथ मिलकर एक नए प्रोडक्शन वेंचर, पर्पल रोज एंटरटेनमेंट लॉन्च किया है. इस कपल ने निमार्ता के तौर पर अपने करियर की शुरूआत की है. गीता ने अपने इंस्टाग्राम पर हरभजन के साथ प्रोडक्शन हाउस की घोषणा करते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं. उन्होंने क्लैपबोर्ड के साथ पोज दिया, जिसमें उनके प्रोडक्शन वेंचर के मुहूर्त इवेंट का खुलासा हुआ. इस जोड़े ने पर्पल रोज एंटरटेनमेंट का लोगो भी दिखाया.

तस्वीरों के साथ गीता ने कैप्शन लिखा, बड़ी मुस्कान, बड़े सपने... और मेरे लिए एक नया टाइटल. उन्होंने आगे बताया कि उनके प्रोडक्शन बैनर ने पहले ही अपना पहला प्रोजेक्ट हासिल कर लिया है. यानि कपल अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले पहली फिल्म का अनाउंसमेंट जल्द ही करेंगे. उन्होंने आगे कहा, हरभजन और मैंने पर्पल रोज एंटरटेनमेंट के तहत अपने पहले प्रोजेक्ट के लिए आधिकारिक तौर पर कैमरे रोल किए हैं और मैं एक निमार्ता के रूप में प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखने के लिए बेहद उत्साहित हूं. नए विचार, नई ऊर्जा और ढेर सारा दिल बहुत जल्द आपके पास आने वाला है.

उन्होंने पोस्ट में कहा, अपनी आंखें खुली रखें, सवारी अभी शुरू हो रही है और यह पहले से ही प्योर मैजिक की तरह लग रहा ह. आगे जो भी होगा उसकी अनाउंसमेंट करने का मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, हमारे साथ बने रहिए. हरभजन सिंह और गीता बसरा ने लंदन में डेटिंग शुरू की थी. पूर्व क्रिकेटर गीता की फिल्म द ट्रेन के एक म्यूजिक वीडियो से बहुत इंप्रेस हुए थे. इस कपल ने आठ साल तक एक-दूसरे को डेट किया और 29 अक्टूबर, 2015 को जालंधर, पंजाब में शादी के बंधन में बंध गए. उन्होंने 27 जुलाई, 2016 को अपने पहले बच्चे के रूप में बेटी हिनाया हीर प्लाहा और 10 जुलाई, 2021 को एक बेटे जोवन वीर सिंह प्लाहा के रूप में अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया.

### आंखों की गुस्ताखियां का पहला पोस्टर रिलीज, शनाया कपूर के साथ रोमांस करते दिखे विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियांइ सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच निमार्ताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें विक्रांत और शनाया की केमिस्ट्री शानदार नजर आई।

'आंखों की गुस्ताखियांइ म्यूजिकल प्रेम कहानी है, जो भावनाओं और प्यार के जादू को दिखाती है।शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। पोस्टर में उनकी केमिस्ट्री को प्रशंसकों ने शानदार और प्यारा बताया। जी स्टूडियोज ने पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दो दिल, एक प्यार और अनगिनत गुस्ताखियां। आंखों की गुस्ताखियां का टीजर गुरुवार को रिलीज होगा और 11 जुलाई को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में प्यार का एहसास करने के लिए जरूर जाएं।

हाल ही में प्रोड्यूसर मानसी बागला ने 'आंखों की गुस्ताखियांइ में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी।

बागला ने खुलासा किया कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था।स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को चुन लिया।उन्हें लगता है कि इस किरदार के लिए शनाया कपूर एकदम सही हैं।

फिल्म में संगीत गायक विशाल मिश्रा ने दिया है। जानकारी के अनुसार यह कहानी दो ब्लाइंड लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आधुनिक समय में प्रेम की खुशियों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह रस्किन बांड की कहानी 'द आइज हैव इटइ से प्रेरित है।

## -------------------------- व्यापार--------------------------

# मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला

**मुंबई ,05 जून।** मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में खुला। शुरूआती कारोबार में फार्मा, ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9.29 बजे, सेंसेक्स 268.8 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 81,267.09 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 82.75 अंक या 0.34 प्रतिशत बढ़कर 24,702.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 29.70 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,647.15 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 263.35 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,188 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 141.65 अंक या 0.78 प्रतिशत चढ़कर 18,398.75 पर था। विश्लेषकों के अनुसार, बुधवार को निफ्टी में तेजी रही और इंडिया वीआईएक्स में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसे बुल्स देखना पसंद करेंगे।एक्सिस सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख अक्षय चिंचलकर ने कहा, निफ्टी के लिए, 24,462 स्तर बरकरार है और यह आशावाद को बनाए रखता है। अगर यह स्तर टूटता है, तो बाजार संभवतः 23,800 के प्रमुख समर्थन स्तर पर पहुंच जाएगा। अल्पकालिक प्रतिरोध 24,760 और 24,882 के बीच है। वैश्विक स्तर पर, शेयर बाजार में तेजी का रुख है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में, इटरनल, पावर ग्रिड, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, इंडसइंड बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप गेनर्स रहे। जबकि नेस्ले इंडिया, टाइटन, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स और टेक महिंद्रा टॉप लूजर्स रहे। विश्लेषकों के अनुसार, निकट भविष्य में भू-राजनीतिक और आर्थिक दोनों ही समाचार बाजार पर भारी पड़ सकते हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार के अनुसार, एक बड़ी आर्थिक खबर अमेरिकी आईएसएम पीएमआई डेटा में तेज गिरावट है। यह दशार्ता है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की गति में तेजी से कमी आ रही है। अमेरिकी 10-ईयर बॉन्ड यील्ड घटकर 4.36 प्रतिशत रह गई है और धीमी होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था को देखते हुए इसमें गिरावट की संभावना है। विशेषज्ञों ने कहा कि यह मध्यम अवधि में भारत जैसे उभरते बाजारों (ईएम) के लिए अच्छा साबित होगा। गिरावट पर खरीदारी करना अब भी आदर्श रणनीति है। आरबीआई एमपीसी द्वारा अपेक्षित दर कटौती को देखते हुए रेट सेंसिटिव शेयरों को प्राथमिकता दी जाएगी। एशियाई बाजारों में, हांगकांग, बैंकॉक, सोल, चीन और जकार्ता हरे रंग में कारोबार कर रहे थे, जबकि केवल जापान लाल रंग में कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में, अमेरिका में डॉव जोन्स 91.90 अंक या 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,427.74 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.44 अंक या 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,970.81 पर बंद हुआ और नैस्डैक 61.53 अंक या 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,460.49 पर बंद हुआ।

## जीओ का धांसू ऑफर, 51 रुपए में पूरे महीने पाएं अनलिमिटेड 5जी डेटा

**नई दिल्ली ,05 जून।** देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो अपने 47 करोड़ से अधिक मोबाइल यूजर्स के लिए एक शानदार ऑफर लेकर आई है। अब जियो यूजर्स महज 51 रुपये खर्च करके पूरे एक महीने तक अनलिमिटेड 5त्र डेटा का लाभ उठा सकते हैं। जियो का यह आकर्षक ऑफर खासकर उन 5त्र स्मार्टफोन यूजर्स के लिए है जो जियो के 5जी नेटवर्क वाले क्षेत्रों में रहते हैं।

जियो की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यह एक डेटा-ओनली प्लान है, जिसमें ग्राहकों को अनलिमिटेड 5त्र डेटा के साथ-साथ 3त्रक्च हाई-स्पीड 4त्र डेटा भी मिलेगा। इस डेटा पैक की वैधता आपके मौजूदा रिचार्ज प्लान तक रहेगी। इसका मतलब है कि किसी भी पहले से सक्रिय प्लान के साथ इस डेटा पैक को जोड़कर आप पूरे महीने अनलिमिटेड 5त्र डेटा का आनंद ले सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, जियो के 101 रुपये और 151 रुपये वाले प्लान में भी यूजर्स को अनलिमिटेड 5त्र डेटा का लाभ मिलता है। यह ऑफर उन यूजर्स के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जो भारी मात्रा में डेटा का इस्तेमाल करते हैं और बिना किसी डेटा लिमिट की चिंता किए इंटरनेट का उपयोग करना चाहते हैं।

# क्या बंद होने वाला है 500 रुपए का नोट? अब आ गया सरकार का बयान

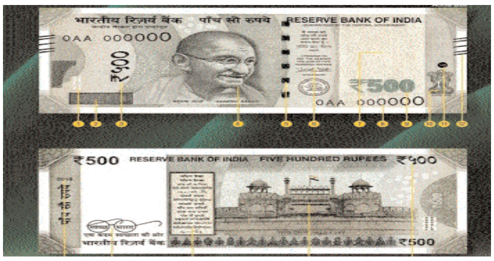


**नई दिल्ली ,05 जून।** बीते एक हफ्ते से सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 500 रुपए के नोट को बंद किए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। इन खबरों में कहा जा रहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को एटीएम में 100 रुपए और 200 रुपए के नोटों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया है और इसके लिए डेडलाइन भी तय कर दी है, जिससे 500 रुपए के नोट के बंद होने की संभावना जताई जा रही थी। अब सरकार की आधिकारिक फैक्ट चेक यूनिट, प्रेस सूचना ब्यूरो ने इन खबरों का खंडन किया है। क्कढ्ढक्च ने एक ट्वीट जारी कर स्पष्ट किया है कि 500 रुपए के नोट को बंद करने की कोई योजना नहीं है। क्कढ्ढक्च ने कैपिटल टीवी नामक एक यूट्यूब चैनल द्वारा प्रसारित इस खबर को फर्जी बताया है। क्कढ्ढक्च के अनुसार, क्रक्चढ्ढ की ओर से ऐसा कोई भी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है और 500 रुपए का नोट चलन में बना रहेगा।

इस पूरे मामले की शुरूआत तब हुई जब भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को एटीएम में 100 रुपए और 200 रुपए के नोटों का सकुर्लेशन बढ़ाने का निर्देश जारी किया था। इसके बाद विभिन्न विशेषज्ञों ने इस निर्देश की अपने-अपने तरीके से व्याख्या करना शुरू कर दिया। कुछ विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि यह ?500 के नोट को धीरे-धीरे बाजार से वापस लेने की प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

इस अफवाह को और हवा तब मिली जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र सरकार से 500 रुपए और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने की अपील की। उन्होंने बड़े नोटों को भ्रष्टाचार की जड़ बताते हुए इन्हें चलन से बाहर करने की वकालत की थी। हालांकि, क्कढ्ढक्च के स्पष्टीकरण के बाद अब यह साफ हो गया है कि 500 रुपए के नोट को बंद करने की खबरें निराधार हैं और आम जनता को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

## पर्यावरण दिवस पर बाल कल्याण समिति ने बाल गृह में किया पौधरोपण

**जगदलपुर।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बालगृह जगदलपुर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित कर बाल कल्याण समिति द्वारा बाल गृह में बच्चों के साथ बाल गृह परिसर में शहतूत, चीकू, जाम, आम, नीबू सहित फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति बस्तर के अध्यक्ष नरेंद्र पाणिग्राही एवं सदस्यों ने बाल गृह के बच्चों को पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित किया तथा पर्यावरण में उनकी अहम भूमिका को बताया। पौधरोपण के साथ पौधों के संरक्षण की जानकारी भी दी एवं कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को संकल्पवान होना चाहिए। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के सदस्य श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, श्रीमती धनेश्वरी वर्मा, रामकृष्ण ठाकुर, संतोष जोशी, बालगृह के अधीक्षक मनोजकांत जोशी, श्रीमती सोमा सरकार, श्रीमती रंजीता जोशी, श्रीमती पुष्पा नायडू, श्रीमती पलक साव, दिव्या कश्यप, श्रीमती सुनीता देवांगन, श्री लक्ष्मण एवं बाल गृह के बच्चे शामिल रहे।


# राजधानी

अम्बिकावाणी | अम्बिकापुर, शुक्रवार 06 जून, 2025 | 8


### न्यूज गैलरी

## अरूण प्रसाद ने राज्य पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव के पद से दिया इस्तीफा

**रायपुर।** तमिलनाडू मूल के भारतीय वन सेवा के वर्ष 2006 बैच के

अफसर अरूण प्रसाद छत्तीसगढ़ में राज्य पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव के पद पर कार्यरत है और उन्होंने बुधवार को अपनी सेवा से त्यागपत्र देते हुए राज्य सरकार को अपना इस्तीफा भेज दिया है। लेकिन अभी उनका त्यागपत्र मंजूर नहीं हुआ है, इस्तीफा स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने अपने इस्तीफे में व्यक्तिगत कारणों का जिक्र किया है। बताया जाता हैं कि अरुण प्रसाद लंबे समय तक सीएसआईडीसी के एमडी रहे हैं। यही नहीं, वन विभाग में वो दंतेवाड़ा और राजनांदगांव डीएफओ के पद पर काम कर चुके हैं। पिछली सरकार में वो सीएसआईडीसी के एमडी के साथ ही मंडी बोर्ड के एमडी भी थे।

## सीपत क्षेत्र से विधायक रहे अरुण तिवारी भेजे गए जेल

**बिलासपुर।** सीपत क्षेत्र से विधायक रहे अरुण तिवारी ने बीते 30 मई को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी पत्नी और 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर टिप्पणी की थी। इसे लेकर सिविल लाइंस थाने में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने बुधवार को तिवारी को रतनपुर स्थित उनके फार्म हाउस से गिरफ्तार किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी एसआर साहू के मुताबिक शिकायतकर्ता रंजीत यादव ने 2 जून को थाने में शिकायत दी थी कि अरुण तिवारी ने अपने फेसबुक अकाउंट से प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग किया है। पुलिस ने इस पर बीएनएस की धाराओं 296, 352 और 299 के तहत और आईटी एक्ट की धारा 67 में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तिवारी के पोस्ट का तकनीकी विश्लेषण किया और लोकेशन ट्रेस कर उन्हें रतनपुर स्थित उनके फॉर्म हाउस से गिरफ्तार किया। रतनपुर पुलिस ने उन्हें सिविल लाइन बिलासपुर भेज दिया। तिवारी ने दावा किया है कि उनका एकाउंट हैक करके किसी ने फर्जी पोस्ट उनकी छवि खराब करने के लिए डाली है। पूछताछ के बाद तिवारी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उनको जेल भेज दिया गया।

## बस्तर संभाग में तेज धूप व उमस ने लोगों को किया हलाकान

**जगदलपुर।** बस्तर संभाग में मानसून के प्रवेश के बाद कई दिनों तक लगातार हुई बारिश के बाद अब एक बार फिर तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है। हालांकि बस्तर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश तो कहीं आसमान में बादल छाए रहते हैं। आज गुरूवार सुबह जगदलपुर में हल्की बारिश हुई, इसके बाद मौसम खुल गया और तेज धूप निकलने से उमस बढ़ गई।

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए बस्तर सहित प्रदेश भर में मिला जुला मौसम रहने की बात कही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अरब सागर से आने वाली मानसूनी हवाएं फिलहाल कमजोर हैं, जिससे मानसून की रफ्तार धीमी हो गई है। यानी जोरदार बारिश के आसार अभी नहीं हैं, लेकिन कहीं-कहीं हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ स्थानों पर गरज-चमक की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज 5 जून को कुछ स्थानों पर तेज हवाएं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। इन हवाओं के साथ गरज-चमक और हल्की बारिश भी होगी। ऐसे में लोगों को सलाह दी जा रही है कि खुले मैदान, बिजली के खंभों और पेड़ों के नीचे खड़े न हों।

## खाद्य निरीक्षकों के प्रभार में फेरबदल

**महासमुंद।** महासमुंद कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा अंतर्गत खाद्य निरीक्षकों के प्रभार में फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के मुताबिक सुशील कुमार शर्मा को महासमुंद शहरी एवं रा. नि. म. सिरपुर झलक पटेवा के समस्त प्रभार से हटाकर महासमुंद शहरी एवं रा. नि. म. महासमुंद तुमगांव, शेर, बरौंडाबाजार का समस्त प्रभार दिया गया है. जिनका मुख्यालय खाद्य शाखा महासमुंद होगा.

सोनल चंद्राकर को विकासखंड महासमुंद के राजस्व निगम मंडल महासमुंद तुम गांव शहर बरौंदा बाजार का समस्त प्रभार से बदलकर विकास खंड महासमुंद के राजस्व निगम मंडल सिरपुर झलक पटेवा का समस्त प्रभार दिया गया है जिनका कार्यालय अनुविभागी अधिकारी राजस्व महासमुंद होगा. अविनाश दुबे को विकासखंड सरायपाली के समस्त प्रभार से बदलकर पिथौरा का समस्त प्रभार दिया गया है जिनका कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिथौरा होगा.

हेमन्त कुमार को विकासखंड बागबाहरा के समस्त प्रभार से मुक्त कर विकासखंड बसना का खाद्य निरीक्षक बनाया गया है जिनका कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना होगा. विवेक कुमार को विकासखंड पिथौरा के समस्त प्रभार से बदलकर विकासखंड सरायपाली का खाद्य निरीक्षक बनाया गया है. जिनका कार्यालय अनुभाग्य अधिकारी राजस्व सरायपाली होगा. दिव्यांशु देवांगन को विकासखंड बसा के समस्त प्रभार से बदलकर विकासखंड बागबाहरा का समस्त प्रभार दिया गया है जिनका कार्यालय अनुभाग्य अधिकारी राजस्व बागबाहरा होगा.

## जंगल से बोड़ा निकालने गई बुजुर्ग महिला पर वन्य प्राणी मादा भालू ने किया हमला

जगदलपुर। बस्तर जिले के बकावंड ब्लाक अंतर्गत ग्राम तुंगापाल निवासी बुजुर्ग महिला आसमती उम्र 55 वर्ष घर से कुछ दूरी पर जंगल में बोड़ा निकालने के लिए गई हुई थी, वहीं जंगल में एक मादा भालू अपने 3 बच्चों के साथ मौजूद थी, इस दौरान बुजुर्ग महिला को अकेले देखकर वन्य प्राणी मादा भालू ने उस पर हमला कर भाग गई, जिसके बाद घायल बुजुर्ग महिला खून से लथपथ अपने घर पंहुचने पर, परिजनों ने उसे उपचार के लिए मेकॉज में भर्ती करवाया है।

घायल बुजुर्ग महिला आसमती ने बताया कि घर से कुछ दूरी में स्थित जंगल मे बोड़ा बिनने के लिए गई हुई थी, जहां से वापस लौटने के दौरान आसमती ने देखा कि एक मादा भालू अपने 3 बच्चों को लेकर जंगल मे जा रही थी। इसी दौरान मादा भालू ने बुजुर्ग महिला को देखकर हमला कर दिया, इस दौरान भालू ने महिला के जांघ में काट कर भाग गई, बुजुर्ग महिला अकेले होने के कारण खून से लथ-पथ होकर वापस घर आकर परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके तत्कल बाद घायल महिला को पहले बकावंड के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां से महिला को बेहतर उपचार के लिए मेकॉज लाया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

# हमारे सैनिकों का बलिदान और समर्पण देश की सुरक्षा और गौरव का आधार - शर्मा

## उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सैनिक कल्याण परिसर में नव निर्मित भित्ति चित्रों का किया लोकार्पण

**रायपुर।** संचालनालय सैनिक कल्याण रायपुर के परिसर में आज उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने भारतीय सशस्त्र सेना के शौर्य और ऐतिहासिक कार्यों को दशार्ने वाले नव निर्मित भित्ति चित्रों का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि ये भित्ति चित्र सैनिक कल्याण परिसर की बाहरी दीवारों को सुशोभित करते हैं, जो भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के गौरवशाली योगदान को प्रदर्शित करते हैं। ये चित्र न केवल परिसर की शोभा बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी हैं, जो उन्हें भारतीय सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इसके पश्चात उन्होंने परिसर में स्थित कल्याण बाग में वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर ब्रिगेडियर टी.एस. बावा, सेना मेडल, कमांडर, मुख्यालय छत्तीसगढ़-ओडिशा सब एरिया; एयर कमोडोर एफ.पी. पिंटो, शौर्य चक्र, वायु सेना मेडल, मेन्सन-इन-डिस्पेच, कमांडर, एंटी नक्सल टास्क फोर्स; कमोडोर ए.एस. बिसेन (सेवानिवृत्त); कर्नल एस. रमेश, कार्यवाहक कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रायपुर; सहित कई गणमान्य नागरिक, सैन्य अधिकारी और भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भारतीय सशस्त्र सेना के जवानों की वीरता, त्याग और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों का बलिदान और समर्पण देश की सुरक्षा और गौरव का आधार है। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी गृह विभाग के सहयोग से इन प्रयासों को और सशक्त करने का विश्वास दिलाया। माननीय उप मुख्यमंत्री ने वीर नारियों के सम्मान में गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि सैनिक कल्याण संचालनालय और गृह विभाग मिलकर भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करेंगे। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के साथ अनौपचारिक चर्चा भी की और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान माननीय उप मुख्यमंत्री ने वीर नारियों और वीर माताओं को शाल, श्रीफल और 11,000 रुपये की नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त तीन भूतपूर्व सैनिक हितग्राहियों को कल्याणकारी योजनाओं के तहत धनादेश वितरित किए गए। संचालक, सैनिक कल्याण, ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, विशिष्ट सेवा मेडल (सेवानिवृत्त) ने राज्य सैनिक बोर्ड की गतिविधियों, कार्यकलापों और भूतपूर्व सैनिकों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि ये योजनाएँ भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं।

## युवा शक्ति देश के विकास को गति देने में सक्षम : राजस्व मंत्री

### 00 वर्मा ने किया 4 थी समर्थ भारत कॉन्क्लेव का उद्घाटन

**रायपुर।** राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए युवाओं को कौशल विकास, आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। आईसेक्ट समूह द्वारा यहां एक स्थानीय होटल में आयोजित 4 थी समर्थ भारत कॉन्क्लेव में कहा। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य ₹कौशल विकास, वित्तीय समावेशन और सामाजिक उद्यमिता की भूमिका₹ पर चर्चा कर विकसित भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करना है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं में जागरूकता और नेतृत्व कौशल का विकास होता है। मंत्री श्री वर्मा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे कौशल आधारित शिक्षा अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2047 के विजन को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ को

समृद्धशाली बनाना जरूरी है। इसके लिए इस कॉन्क्लेव में होने वाली चर्चा से मदद मिलेगी। युवा शक्ति के माध्यम से देश के विकास को गति मिलेगी। राज्य के पहले बजट में ज्ञान तथा दूसरे बजट में ज्ञान को गति देने वाले तत्वों को बजट का आधार बनाया गया। समृद्ध राष्ट्र और राज्य बनाने के लिए समाज का सर्वांगीण विकास बहुत जरूरी है। राज्य को विकसित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अनेक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण की ओर तेजी से कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन आईसेक्ट समूह द्वारा किया गया, जो शिक्षा, सशक्तिकरण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विख्यात है। इस अवसर पर डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी का भी विशेष सहयोग रहा। कॉन्क्लेव में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और नवाचारकताओं ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

## राज्यपाल ने नवा रायपुर में निमार्णाधीन नए राजभवन का किया निरीक्षण

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज यहां नवा रायपुर सेक्टर 24 में निमार्णाधीन नए राजभवन में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्य की गति में तेजी लाने एवं राजभवन परिसर को हरियाली युक्त करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने राजभवन में चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भवन के शेष कार्यों के लिए पुनरिक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है और निविदा की प्रक्रिया शीघ्र की जाएगी। उन्होंने परिसर में अच्छी प्रजाति के वृक्षों को लगाने के निर्देश दिए। जिससे राजभवन परिसर शीघ्र हरा-भरा हो सके।

श्री डेका ने स्थानीय मजदूरों से वृक्षारोपण कराने एवं पौधों के सामने उनकी नाम पट्टिका भी लगाने कहा, जिससे पौधे लगाने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे अपने गांवों, घरों, आस-पास के क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित होंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने निमार्णाधीन राजभवन परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर अमलतास का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, नवा रायपुर विकास प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

## आईपीएल के रनर टीम को बीसीसीआई कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह ने पुरस्कार प्रदान किया

रायपुर। अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल 2025 के फाइनल मैच में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष श्री प्रभतेज सिंह की मौजूदगी छत्तीसगढ़ के

प्रतिनिधित्व रूप में दिखी। वैसे तो आईसीसी और बीसीसीआई के पदाधिकारियों ने लगातार आईपीएल के विभिन्न मैचों में खिलाडियों के उत्साहवर्धन के लिए अपनी उपस्थिति दिखाई। फाइनल मैच में आईसीसी के चेयरमेन जय शाह व बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल रहे। रनर टीम पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को प्रभतेज सिंह ने पुरस्कार राशि का चेक प्रदान किया, साथ ही टूनार्मेंट में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। विजयी टीम आरसीबी के खिलाडियों से भी मिलकर उन्होने आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के लिए बीसीसीआई की ओर से शुभकामनाएं दी।

# नई तबादला नीति का आदेश जारी

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार को कैबिनेट से मंजूर हुई नई तबादला नीति के आदेश गुरुवार को जारी कर दिए। इसके तहत कल 6 जून से तबादले के इच्छुक अधिकारी कर्मचारी अपना आवेदन कर सकते है जो 14 जून तक लिए जाएंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक राज्य शासन एतद्वारा पूर्व में जारी स्थानांतरण नीति को अधिक्रमित करते हुए निम्नानुसार स्थानांतरण नीति/प्रक्रिया निर्धारित की जाती है। यह स्थानातरण नीति गृह (पुलिस) विभाग, आबकारी विभाग, खनिज साधन विभाग, परिवहन विभाग, वाणिज्यकर विभाग, पंजीयन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत शिक्षीकीय कार्य में पदस्थ शिक्षकगणों तथा राज्य के निगम / मण्डल/आयोगों एवं स्वायत्त संस्थाओं पर लागू नहीं होंगे।

जिला स्तर पर स्थानांतरण

14 जून, 2025 से 25 जून 2025 तक जिला स्तर पर तृतीय श्रेणी (गैर-कार्यपालिक) तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के स्थानांतरण जिले के माननीय प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से जिला कलेक्टर द्वारा किये जा सकेंगे। स्वैच्छिक स्थानांतरण हेतु आवेदन दिनांक 06 जून, 2025 से 13 जून 2025 तक संबंधित विभाग के जिला कार्यालय में प्राप्त किये जावेगे। कलेक्टर यह सुनिश्चित करेंगे कि स्थानांतरण किये जाने वाले पद जिला संवर्ग का है तो उनका स्थानातरण जिले के अंदर ही हो तथा स्थानांतरण आदेश तद्नुसार प्रसारित होंगे।

विभाग के जिला कार्यालय प्रमुख द्वारा स्थानांतरण प्रस्ताव तैयार कर जिला कलेक्टर को प्रस्तुत किया जावेगा। कलेक्टर द्वारा प्रस्ताव के परीक्षण उपरांत उस पर जिले के माननीय प्रभारी मंत्रीजी का अनुमोदन प्राप्त किया जाकर स्थानांतरण आदेश जारी किया जाएगा।

तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के मामलों में उनके संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या के अधिकतम 10त्न एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के मामलों में अधिकतम 15 त्न तक स्थानांतरण किये जा सकेंगे। परस्पर सहमति से स्वयं के व्यय पर किये गए स्थानांतरणों की गणना उक्त सीमा हेतु नहीं की जाएगी। परस्पर सहमति से स्थानांतरण हेतु दोनो आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित होना आवश्यक है। स्वयं के व्यय पर स्थानांतरण हेतु व्यक्तिगत रूप से किये गए आवेदन पर किया गया कोई भी स्थानांतरण परस्पर सहमति से किये गए स्थानांतरण की श्रेणी में नहीं आएगा।

# कोरबा जिले का कोई भी विद्यालय नहीं रहेगा शिक्षकविहीन

### 00 अब दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालय के विद्यार्थियों को भी मिलेगी बेहतर शिक्षा

**कोरबा।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा के अधिकार के तहत राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्कूलों की युक्तियुक्तकरण की दिशा में अभिनव पहल किया जा रहा है। इस पहल के तहत कोरबा जिले में अतिशेष शिक्षकों के काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के साथ ही जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मौजूद शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को नए शिक्षक मिल गए, वहीं इन क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को भी बेहतर शिक्षा की गारण्टी सुनिश्चित हो गई है। आने वाले दिनों में जब विद्यालय खुलेंगे तो उन्हें नए शिक्षक के साथ अध्ययन का अवसर मिलेगा।

कोरबा जिले में आयोजित की गई काउंसिलिंग प्रक्रिया के पश्चात पोड़ी उपरोड़ा, पाली, कोरबा ब्लॉक के दूरस्थ क्षेत्रों के अनेक विद्यालयों के बच्चों को सीधा लाभ मिलेगा। पिपरिया, लमना, मोरगा, दुल्लापुर, चोटिया, पसान, अरसिया, पोड़ी, पाली, सिरमिना, सपलवा, उड़ान, रतखंडी, परसदा, बारी उमराव, पहाड$गांव, बाईसेमर, नकिया, श्यांग, लेमरू, खमहून, सिमकेन्दा, लामपहाड़, बिंझकोट जैसे दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों में अब पर्याप्त शिक्षक होंगे।

शासन के दिशा-निदेर्शों के तहत जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों की काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। लगातार तीन दिनों तक चले इस प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अतिशेष शिक्षकों को शिक्षकविहीन विद्यालय और शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ किया गया। सर्वप्रथम प्राथमिक शालाओं में अतिशेष प्रधानपाठकों और सहायक शिक्षकों की काउंसलिंग 31 मई को की गई। इस प्रक्रिया में 287 सहायक शिक्षकों की काउंसलिंग की गई। प्राथमिक शाला के इस काउंसिलिंग प्रक्रिया में 14 शिक्षकविहीन और 273 एकलशिक्षकीय विद्यालय भी शामिल है, जहाँ अतिशेष शिक्षकों की नियुक्ति के पश्चात अब ये विद्यालय शिक्षकविहीन नहीं रहेंगे। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन के पश्चात सभी प्राथमिक शाला में अब कम से कम दो शिक्षक होंगे। इसी तरह 3 जून को माध्यमिक शाला अंतर्गत शिक्षकों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया आयोजित की गई। जिसमें 4 प्रधानपाठकों और 147 शिक्षकों की काउंसिलिंग आयोजित कर उन्हें शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय-द्विशिक्षकीय विद्यालयों में पदस्थ किया गया है। काउंसिलिंग के पश्चात 20 एकलशिक्षकीय और 4 शिक्षकविहीन और 62 द्विशिक्षकीय मिडिल स्कूलों में भी अब कम से कम तीन शिक्षक पदस्थ हो गए हैं। दो जून को हाई और हायर सेकंडरी विद्यालय के अतिशेष व्याख्याताओं की काउंसिलिंग की प्रक्रिया आयोजित कर 75 अतिशेष व्याख्याताओं को उन विद्यालयों में पदस्थ किया गया है, जहाँ गणित, रसायन, भौतिकी, हिंदी, अंग्रेजी, कामर्स विषयों के शिक्षकों की कमी थी।

## मरीन ड्राइव विस्तार के लिए 29.57 करोड़ स्वीकृत

रायगढ़। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायगढ़ नगर निगम में मरीन ड्राइव के विस्तार के लिए 29 करोड़ 56 लाख 73 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत यह राशि स्वीकृत की गई है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करने के दौरान नगर निगमों में बडे कार्यों को अंजाम देने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ करने की घोषणा की थी। इसे धरातल पर उतारते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायगढ़ नगर निगम में न्यू शनि मंदिर रोड से छठ घाट तक मरीन ड्राइव के विस्तार के लिए करीब 29 करोड़ 57 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं।


■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

सरगुजा संभाग

# अम्बिकावाणी

■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर


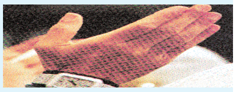

प्रेम से बोला गया एक शब्द भी अनेक दुःखी आत्माओं को शांति प्रदान कर सकता है।

महिला ने एक साथ दिया तीन बच्चों को जन्म, सभी स्वस्थ - 10

अम्बिकापुर शुक्रवार, 06 जून 2025

■पुलिस का साइबर फ्राड गिरोह पर शिकंजा,दो आरोपी गिरफ्तार- 12

# नकली खाद के बाद सामने आयी नकली धान और मक्का बीज की फैक्ट्री, नामी कंपनियों के पैकेट में पैकिंग किया जा रहे थे घटिया बीज

## गंगापुर में कृषि विभाग के साथ प्रशासन और पुलिस ने दी एक साथ दबिश, सारा सामान जप्त

**अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।**
सरगुजा में नकली खाद बनाए जाने के बाद अब नकली धान और मक्का बीज की फैक्ट्री सामने आयी है। नगर के गंगापुर स्थित यह फैक्ट्री काफी समय से चल रही थी। इस फैक्ट्री के अंदर नकली और घटिया धान और मक्का बीज को नामी कंपनियों के पैकेट में पैकिंग किया जा रहा था। सूचना पर कृषि विभाग के साथ प्रशासन और पुलिस की टीम ने गुरुवार को दबिश दी। मौके पर प्रशासन ने उक्त फैक्ट्री के अंदर से भारी मात्रा में नामी कंपनियों के पैकेट देखे जिसमें धान और मक्का बीज की पैकेजिंग की जा रही थी। बाहर से भारी मात्रा में ट्रक के जरिए धान भी मंगवाया गया था। मामले में प्रशासन ने वहां सारे सामानों को जप्त कर लिया है। आगे की पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर तुलसी चौक के समीप नकली धान और मक्का बीज के बने बनाने की जानकारी पर प्रशासन ने गुरुवार को वहां दबिश दी।

उक्त फैक्ट्री प्रारंभिक पूछताछ में किसी इंद्रजीत नामक व्यक्ति की बतायी जा रही है जो मौके पर नहीं मिला। फैक्ट्री के अंदर कई नामी कंपनियों के पैकेट मिले हैं जिनमें धान की पैकेजिंग की जा रही थी। इसके साथ-साथ वहां मक्का भी बरामद किया गया है। जिससे यह तो स्पष्ट है कि वहां नामी कंपनी के पैकेट में घटिया मक्का बीज भी डाला जा रहा था। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने वहां फिलहाल सारी सामग्री को जप्त कर लिया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

### सामान अनलोड करता मिला ट्रक

मौके पर एक ट्रक के द्वारा सामान अनलोड किया जा रहा था। ट्रक के चालक मोहम्मद सबरन अंसारी ने बताया कि वह दो स्थानों चंद्रपुर और सरिया से ७५० बोरी धान का उठाव कर यहां लाया है। उसे उसकी कोई जानकारी नहीं थी कि यह सामान अवैध है। जिस तरह से बड़े पैमाने पर उक्त कारखाने में नामी कंपनियों के रैपर में इन घटिया धान व मक्का बीज को डाला जा रहा था अंदाजा लगाया जा सकता है कि इससे किसानों को किस तरह से क्षति पहुंच रही थी।

### खपाया भी जा चुका है घटिया और नकली बीज

जिस तरह से इस फैक्ट्री में काम चल रहा था उसे अधिकारियों ने भी यह तो स्पष्ट रूप से कहा है कि नामी कंपनियां के रैपर में इन बीजों को डालकर जरूर से खपाया भी जा चुका है। अधिकारियों को कहना है कि नामी कंपनियों के रैपर को देखकर जरूर किसान इन बीजों को खरीदे होंगे। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

## दावा-आपत्ति 10 जून तक आमंत्रित

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र २०२५-२६ के लिए कक्षा ९वीं में प्रवेश हेतु प्राक्कयन परीक्षा पश्चात परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए जिलेवार सूची विभागीय वेबसाइड पर जारी किया गया है। मेरिट सूची का प्रकाशन पृथक से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थी आवेदन वेबसाईट पर दर्शित परीक्षा परिणाम में अपना नाम एवं रोल नंबर का मिलान कर लेवें। किसी प्रकार की त्रुटि होने पर आवेदक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास अम्बिकापुर में स्वयं उपस्थित होकर १० जून तक दावा आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

# मैनपाट में टाइगर प्वाइंट के पास पहुंचे 9 हाथी: वन विभाग ने पर्यटकों को रोका

## रिहायशी इलाके में विचरण कर रहे हाथी, कराई गई मुनादी

**अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।**
सरगुजा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट के टाइगर प्वाइंट के पास ९ हाथियों का दल डटा हुआ है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग हाथियों की निगरानी कर रहा है। लोगों को हाथियों के कारण टाइगर प्वाइंट के पास जाने से सुबह रोका गया। हालांकि हाथी जब जंगल में चले गए तो पर्यटकों को टाइगर प्वाइंट के पास जाने दिया गया। हाथियों का दल कई दिनों से रिहायशी इलाके में विचरण कर रहा है।

दरअसल, मैनपाट इलाके में पिछले एक सप्ताह से ९ हाथियों का दल विचरण कर रहा है। बुधवार शाम हाथियों का दल मैनपाट के पर्यटन स्थल टाइगर प्वाइंट के पास पहुंच गया। हाथियों को देखकर लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग के अमले को दी। वन विभाग का अमला लगातार हाथियों की निगरानी में जुटा हुआ है। वन विभाग ने हाथियों की मौजूदगी के कारण लोगों को टाइगर प्वाइंट के पास जाने से रोक दिया। हाथियों की मौजूदगी के कारण गुरुवार सुबह भी मैनपाट पहुंचने वाले पर्यटकों को टाइगर प्वाइंट और पास के जंगलों में जाने से रोका गया। गुरुवार को भी हाथी टाइगर प्वाइंट के पास डटे रहे। वनविभाग की टीम मौके पर डटी रही। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के गांवों बिजलहवा नर्मदापुर, बरडांड और कंडराजा आदि गांवों में लोगों को सतर्क करने के लिए मुनादी करा दी गई। लोगों से जंगल न जाने की अपील की गई है। हाथियों की मौजूदगी के कारण आसपास के गांव के लोग सहमे हुए हैं। सप्ताहभर पूर्व शुक्रवार को हाथियों ने उड़मकेला में दो घरों को तोड़ दिया था और घर में रखा अनाज खा गए थे।

# शहीद भगत सिंह वार्ड में बरसात से पहले विभिन्न जाम नालियों की हो रही सफाई

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
नगर पालिक निगम अम्बिकापुर शहीद भगत सिंह वार्ड नंबर २८ के प्रथम बार बने युवा पार्षद दीपक यादव द्वारा बरसात से पहले वार्ड की विभिन्न नालियों की सफाई कराया जा रहा है । वार्ड वासियो को बरसात में राहत मिले और किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े बरसात में नाली जाम होने की वजह से बरसात का पानी रोड में बहने लगता है और घरों में प्रवेश करता है जिससे असुविधा होती है जल भराव न हो यह कोशिश पार्षद द्वारा की जा रही है जिसमे वार्ड की जनता का भी सहयोग मिल रहा है। सफाई करने में भी कुछ दिन असुविधा होती है पर वार्ड वासियो के सहयोग से यह संभव हो पा रहा है । शहीद भगत सिंग वार्ड के पार्षद का लक्ष्य है बरसात से पहले वार्ड की सभी नालियों का सफाई कार्य हो जाये जिसमे नगर पालिक निगम अम्बिकापुर का भरपूर सहयोग मिल रहा है। शहीद भगत सिंह वार्ड के युवा पार्षद दीपक यादव ने कहा कि वार्ड वासियो के लिए मैं सदैव खड़ा हूँ

# सड़क बनाने की आड़ में सैकड़ो पेड़ पौधों की कटाई ,वन विभाग ने मूंदी आंखें

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
पूरे भारतवर्ष में ५ जून दिन गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर वन विभाग, राजस्व विभाग , ग्राम पंचायतो में पौधारोपण कर पेड़ पौधों के संरक्षण हेतु संकल्प भी लिया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर विश्व पर्यावरण दिवस के दिन सड़क बनाए जाने की आड़ में सैकड़ो हरे भरे पेड़ पौधों को काट दिया गया।

दरअसल पूरा मामला सरगुजा जिले के लखनपुर वनपरिक्षेत्र अंतर्गत रेहमला का है। ५ जून दिन गुरुवार को जब स्थानीय मीडिया खबर बनाने पहुंचे थे तो देखा कि आधा दर्जन ग्रामीण सड़क बनाए जाने की आड़ में सैकड़ो हरे-भरे पेड़ पौधों को काट चुके थे।मीडिया कर्मी ने पेड़ पौधा काटने से मना किया इसके बाद ग्रामीण वहां से चले गए। मिली जानकारी के मुताबिक जनमन योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क से लेकर भुरकुड्डवा पहाड़ी कोरवा बस्ती तक डामरीकरण सड़क बनाया जा रहा है। वहीं सड़क बनाए जाने की आड़ में ५ जून दिन गुरुवार की सुबह लगभग ८:३० बजे आधा दर्जन ग्रामीणों के द्वारा टांगी से सैकड़ो पेड़ पौधों को काटकर धराशाई कर दिया गया। सैकड़ो पेड़ों की कटाई हो गई ,इधर वन विभाग विश्व पर्यावरण दिवस मनाने में व्यस्त रहा। वन विभाग की जिम्मेदार अधिकारियों के लापरवाही के कारण आज बड़े-बड़े जंगल मैदान में तब्दील हो चुके हैं और बड़े पैमाने पर जंगलों में अवैध कब्जा कर मकान बना लिया जा रहा है।

### जंगलों की सुरक्षा हेतु बीट गार्ड्स के लिए बनाया गया आवास,जिम्मेदार रहते हैं नदारत

जंगलों की सुरक्षा हेतु शासन की ओर से बीट गार्ड के लिए लाखों रुपए खर्च कर आवास का निर्माण किया जाता है ताकि कि सर्किल प्रभारी, वन कर्मचारी आवास में रहकर जंगलों की सुरक्षा कर सके, परंतु वन विभाग के ये जिम्मेदार अपने घरों में रहकर ड्यूटी करते हैं यही नहीं लाखों रुपए का आवास अब खंडहर में तब्दील होते जा रहा है। वह दूसरी ओर जंगल भी कटते जा रहे हैं।

### जगह-जगह पौधारोपण कर फोटो सेशन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, ग्राम पंचायत वन विभाग अनेक राजनीतिक संगठन के लोगों के द्वारा जगह-जगह पौधारोपण कर फोटो सेशन करवा वाह वाही लूट रहे हैं लेकिन देखा जाता है कि पौधारोपण के बाद कोई भी अधिकारी जनप्रतिनिधि सुध लेने को तैयार नहीं है। वही जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने भी नजर आते हैं।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान की हुई शुरूआत

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक पेड़ मां के नाम २.० अभियान की शुरूआत हुई। अभियान के तहत जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अम्बिकापुर के खलीबा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया,अम्बिकापुर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री सतीश यादव, जनपद पंचायत सभापति श्री विजय व्यापारी, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, डीएफओ श्री अभिषेक जोगावत, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारी- कर्मचारियों सहित आमजनों ने वृक्षारोपण किया।

## हरपाल सिंह भामरा बने भाजपा प्रदेश के आगामी कार्यक्रमों के समिति सदस्य

**अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।**
भाजपा छत्तीसगढ़ द्वारा संगठन के आगामी प्रमुख कार्यक्रमों विश्व पर्यावरण दिवस, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस तथा आपातकाल के ५० वर्ष पूर्ण होने पर प्रस्तावित कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रदेश समिति की घोषणा की गई है। इन कार्यक्रमों के समन्वयन हेतु भाजपा सरगुजा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा को प्रदेश समिति में सदस्य नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर हरपाल सिंह भामरा ने कहा, ₹भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश समिति में दायित्व सौंपना मेरे लिए गर्व की बात है। संगठन के इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संपन्न कराने हेतु मैं पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करूंगा। यह अवसर न केवल पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का है, बल्कि हमारे इतिहास के प्रेरणास्त्रोत पलों को स्मरण करने का भी है।

## महिला ने एक साथ दिया तीन बच्चों को जन्म, सभी स्वस्थ

**रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।**
ग्राम देवीगंज के रामनरेश सिंह की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पत्नी सूरज मणि सिंह का एक साथ तीन बच्चे हुए। जिसमें २ लड़की एवं १ लड़का है तीनों पूर्णत स्वस्थ हैं। पहले से सूरज मणि का ६ साल का लड़का है। तीनों बच्चे अंबिकापुर के एक निजी चिकित्सालय में हुए जहां से सुरक्षित प्रसव के बाद छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सूरज मणि सिंह के सोनोग्राफी में दो बच्चों का पहले से पता था परंतु तीसरे बच्चे की पुष्टि नहीं हो पाई थी। दर्द उठने के बाद अंबिकापुर के निजी चिकित्सालय में ले जाया गया जहां पर सुरक्षित रूप से तीनों बच्चे हुए जिसमें १ लड़का एवं २ लड़की है लड़का का वजन १ किलो ८५० ग्राम, एवं लड़की का क्रमशः वजन १ किलो ४५० ग्राम एवं १ किलो ४२० ग्राम है। जच्चा बच्चा चारों पूर्णता स्वस्थ है।

# ग्रीन क्लब ने दिया धरती को प्लास्टिक मुक्त बनाने का महत्वपूर्ण संदेश

## जय स्तंभ चौक से घड़ी चौक तक निकली आम जनमानस की पदयात्रा

**अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।**
ग्रीन क्लब अंबिकापुर के तत्वावधान में नगर के विभिन्न संगठनों, समाज सेवियों, जनप्रतिनिधियों तथा आम गणमान्यों के द्वारा जय स्तंभ चौक से लेकर घड़ी चौक तक धरती को प्लास्टिक मुक्त बनाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर पदयात्रा का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने आम जनता को संदेश देते हुए कहा कि धरती हमारी माँ है, और यह हमारा कर्तव्य है कि हम उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखें। आज जब हर दिशा से प्लास्टिक प्रदूषण की मार हमारी धरती झेल रही है, तब हमारा एक छोटा-सा कदम इस धरती को बचा सकता है।
इस अवसर पर अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि इन छोटे-छोटे कदमों से हम व्यक्तिगत रूप से अनावश्यक प्लास्टिक उपयोग को काफी हद तक रोक सकते हैं और हमारे पर्यावरण को सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखने में योगदान दे सकते हैं।
इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि ग्रीन क्लब के ₹अपनी थाली अपना थैला₹ अभियान में हम अपनी पार्टी कार्यक्रमों में भी अपनाने का प्रयास करेंगे । इस अभियान में के जनता भी इसमें सहभागी बने और पूरे विश्व को प्लास्टिक मुक्त बनाने में अपना योगदान दें।
इस अवसर पर कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए ग्रीन क्लब अंबिकापुर के संयोजक डॉ योगेन्द्र सिंह गहरवार ने बताया कि ५ जून २०२५ को विश्व पर्यावरण दिवस है। इस बार पर्यावरण दिवस का थीम है ₹प्लास्टिक से मुक्ति की ओर..₹ इसी थीम के मद्देनजर विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर, हम सब मिलकर एक थाली-थैला संकल्प यात्रा का आयोजन कर रहे हैं। यह यात्रा केवल एक कदम नहीं है, यह एक संकल्प है, एक प्रतिज्ञा है कि हम अपने जीवन में प्लास्टिक का प्रयोग घटाएँगे। ग्रीन क्लब ,आरोग्य भारती और भारत विकास परिषद अंबिकापुर के इस भव्य आयोजन में भारत मे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, सुपरकिंग्स क्रिकेट टीम के खिलाड़ी, गायत्री परिवार, संस्कार भारती, राष्ट्रीय कवि संगम, नवा बिहान, नैशनल ह्यूमन राइट्स एंटी करप्शन ब्यूरो, लायंस क्लब, बंधन बैंक, एनसीसी, संगीत संघ, सेवा किटी समुह, वसुधा महिला मंच , सरगुजा सिने आर्ट एसोसिएशन, काव्य श्रृखंला, आर्ट ऑफ लिविंग, कैट के प्रतिनिधि, भारतीय जनता युवा मोर्चा, समाजसेवी वंदना दत्ता एवं सूजन बिंद , कई व्यवसाई , लेजर हॉस्पिटल के संचालक एवं कर्मचारी , भाजपा तथा कॉंग्रेस पार्टी के पदाधिकारी सदस्यों सहित ने बड़ी संख्या में भाग लिया।
कार्यक्रम के घड़ी चौक में समापन से पूर्व गायत्री परिवार की बच्चियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता व प्लास्टिक मुक्त धरती बनाने के लिए शानदार प्रस्तुति दी। सभा की समाप्ति पर सभी ने थाली और थैला को अपनी जीवन शैली में अपनाने का संकल्प किया ।

# अवैध कारोबारियों को प्रशासन की मौन स्विकृती,बगैर लीज के संचालित क्रेशर खदान

**राजपुर-(अम्बिकावाणी समाचार)।**
बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में दर्जनों क्रेशर संचालित हो रहे हैं इन क्रेशरों में खपने वाले पत्थरों को निकालने के लिए प्रायः क्रेशर संचालक बगैर लिज के खादानों से करते आ रहे हैं,ऐसा ही ताजा मामला राजपुर विकासखंड के कोटागना में संचालित क्रेशरों में बगैर लिज के ग्राम लाऊ और धमधमीया घाट खादानों से पत्थरों को निकाल कर लगातार खपाया जा रहा है।
स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस क्षेत्र में संचालित क्रेशर संचालक आसपास के निजी भूमियों से भूस्वामीयों को चंद पैसों का प्रलोभन देकर पत्थरों को निकाल रहे हैं। इन खादानों में बगैर परमिशन ही बारुदों से ब्लास्टिंग किया जाता है जिससे हमेशा ही ग्रामीणों की जानमाल की खतरा बनी रहती है।
राजपुर क्षेत्र में संचालित क्रेशरों को लेकर आए दिन ग्रामीणों की शिकायत आते रहती है लेकिन जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल देखने को नही मिलती है,प्रायः इस प्रकार की शिकायत पर जिला प्रशासन के द्वारा खानापूर्ति कर कुछ ही क्रेशरों पर कार्यवाही कर मामले को शांत कर दिया जाता है। सूत्रों की माने तो कुछ बड़े अधिकारी इस प्रकार के मामले में चुप्पी साधे रहते हैं क्योंकि क्रेशर संचालकों के द्वारा इन अधिकारियों का मौन समर्थन दिया जाता है। इस क्षेत्र में लम्बे समय से बड़े पैमाने में यह खेल खेला जा रहा है।

**थाना चौकियों का भी मिलता है सहयोग**

आज बलरामपुर जिले का राष्ट्रीय राज्य मार्ग ३४३ बेहद जर्जर हो चुकी है,इस सड़क के जर्जर होने का मुख्य कारण इस क्षेत्र में संचालित क्रेशरों से निकल रहे ओवरलोड बड़ी वाहनो को माना जाना कोई गलत बात नही है,इस मार्ग में रोजाना सैकड़ों ओवरलोड गिट्टी वाहन चलते हैं जिस पर कार्यवाई करने कोई जिम्मेदार अधिकारी सामने नही आते हैं। राजपुर क्षेत्र से होते हुए रामानुजगंज तक कई थाने और चौकी आते हैं जिसमें बरियों चौकी,राजपुर थाना,पस्ता थाना, बलरामपुर कोतवाली,तातापानी चौकी,सनावल थाना,बसंतपुर थाना,गणेशमोड़ चौकी और रामानुजगंज थाना सामिल हैं,जहां से रोजाना गिट्टी लोड वाहन उत्तरप्रदेश और झारखंड की ओर जा रहे हैं। क्रेशर संचालक और वाहन मालिकों के द्वारा अधिकारियों की मिलीभगत से रोजाना ही बगैर पीट पास के ओवरलोड वाहनों को इन थाना चौकियों से आसानी से पार करा कर दूसरे राज्य भेजा जा रहा है। सूत्रों का मानना है कि संबंधित थाने और चौकियों में सभी वाहनो की सूची पहले से ही उपलब्ध करा दिया जाता है साथ ही सूचीयों के आधार पर इन वाहनों को पार कराने के लिए कमीशन भी दिया जाता है जिससे अधिकारीयों और क्रेशर संचालक व वाहन मालिक बड़ी मात्रा में छत्तीसगढ़ सरकार की राजस्व की चोरी कर रहे हैं।

**जिले का माईनिंग विभाग अदृष्य**

जिले में माईनिंग विभाग होने के बावजूद क्षेत्र में संचालित अवैध खादानों का निरिक्षण नही किया जाता है,आरोप है कि विभाग के अधिकारी जिला कार्यालय के एसी युक्त कार्यालय में बैठ कर समय बीता रहे हैं,जब भी इस प्रकार के मामले की शिकायत की जाती है तो उनके द्वारा झूठा आश्वासन दे कर टाल दिया जाता है जिससे इन कारोबारीयों को अवैध उत्खनन करने में सहूलियत मिलती है,सूत्र यह भी बताते हैं कि उनके इस मेहरबानीयों का भी अच्छा कमिशन मिल जाता है।

**यातायात परिवहन विभाग भी करता है सहयोग**

सरगुजा संभाग और बलरामपुर जिले की यातायात परिवहन विभाग का भी सहयोग इन वाहन मालिकों को मिलता है जिससे इस क्षेत्र से ओवरलोड वाहन बगैर पीट पास के धडल्ले से दौड़ रही है, इस विभाग की ओर से जब भी कार्यवाई किया जाता है उस दौरान विभाग के अधिकारियों के द्वारा पहले से ही वाहन मालिकों को सचेत कर दिया जाता है कि आज क्षेत्र में कार्यवाई किया जाना है इसलिए आप वाहनो को कुछ समय के लिए रोक दें। सूत्रों के आधार पर विभाग की इस मेहरबानी के लिए भी संबंधित विभाग को अच्छा कमिशन दिया जाता है।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर सेजेस सोहगा में आयोजित हुआ वृक्षारोपण का कार्यक्रम

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा की सरगुजा इकाई के सदस्यों के द्वारा डॉ अनिल सिन्हा वरिष्ठ प्राध्यापक के अध्यक्षता में सेजेस सोहगा के विद्यालयीन प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्यक्रम कराया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती सिंगलो देवी (सरपंच ग्राम पंचायत सोहगा), विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश गिरी , श्रीमती लीना थॉमस सेजेस प्राचार्य, श्री संदीप कुशवाहा (पीजी कॉलेज रसायन विभाग )अनामिका चक्रवर्ती (शिक्षा विद ),कंचन लता श्रीवास्तव (शिक्षाविद )
आस्था जायसवाल (शिक्षाविद) एवं ग्रामीण जनों व छात्रों की सक्रिय सहभागिता रही । इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना के अंतर्गत छात्रों युवाओं एवं आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग करने का प्रयास किया गया ।
सरगुजा इकाई के कंचन श्रीवास्तव द्वारा अपील की गई कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम पांच पौधे लगाए एवं उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लें।और आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें। कार्यर्यक्रम संयोजिका अनामिका चक्रवर्ती और लीना थॉमस ने आगे बताया प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी जून माह के दौरान शाला और ग्रामीण स्तरपर्यावरण जागरूकता के विभिन्न कर्यक्रम किये जायेंगे जिसमे पौधों का वितरण, सीड बाल बनाना उन्हे फैलाना जल स्त्रोत से प्लास्टिक अपशिष्ट हटाना सम्मिलित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन आस्था जायसवाल द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन संदीप कुशवहा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विज्ञान सभा सरगुजा से डॉ तृप्ति विश्वास, अनीता विश्वकर्मा, नूतन सिंह, डॉ शबनम खानम का अप्रत्यक्ष योगदान रहा, वहीं सेजस सोहगा से श्रीमती कनिजा फातिमा, श्री लाल जी, श्री राधकांत, सोमेश्वर गुप्ता,रुद्र राजवाड़े, हर्ष कुशवहा की सक्रिय भागीदारी और उपस्थिति रही ।

## मोहन सिंह बने रामचंद्रपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष

**रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।**
ग्राम इंद्रवतीपुर निवासी पूर्व जनपद अध्यक्ष एवं

प्रखर आदिवासी नेता मोहन सिंह को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के.पी. सिंह के द्वारा रामचंद्रपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। यह नियुक्ति ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तात्कालिक अध्यक्ष मोहम्मद यासीन अंसारी के आकस्मिक निधन के पश्चात रिक्त था।यह नियुक्ति पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव एवं रामानुजगंज विधानसभा के कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी रहे डॉ अजय तिर्की की अनुशंसा पर की गई। करीब तीन दशक से राजनीति में सक्रिय मोहन सिंह विभिन्न पदों पर निर्वाचित हो चुके हैं वहीं कांग्रेस संगठन में भी विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। अपनी नियुक्ति के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करने के दौरान श्री सिंह ने कहा कि क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करूंगा। मोहन सिंह के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामचंद्रपुर होने पर समर्थकों में भारी उत्साह है। मोहन सिंह को वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने बधाई दी।

## पेड़ लगाने के साथ- साथ प्लास्टिक मुक्त व्यवहार अपनाने का संदेश

**अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।**
विश्व पर्यावरण दिवस के२०२५ के अवसर पर उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसाइटी अम्बिकापुर के द्वारा सरस्वती महाविद्यालय, सुभाष नगर अम्बिकापुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ लगाने के साथ- साथ प्लास्टिक मुक्त व्यवहार अपनाने का भी संदेश दिया गया। संस्था की अध्यक्ष हिना खान ने अपने उद्बोधन में प्लास्टिक से होने वाली हानियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ऋषि सिंह ने पर्यावरण के प्रति हमारे कर्तव्यों को बताया।तथा सभी को जिम्मेदारी पूर्वक कर्तव्य निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।महाविद्यालय के छात्र आशीष व दिनेश ने अपने भाषण के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर

मजबूत कदम उठाने की बात कही। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान इलसिवा ,द्वितीय मुस्कान गुप्ता व तृतीय स्थान प्रियंका ने प्राप्त किया। रजनी व सुषमा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।साथ ही महाविद्यालय
प्रांगण में पौधे लगा कर कार्यक्रम का समापन किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक कृष्ण कुमार त्रिपाठी के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में संध्या ठाकुर ,मनीषा श्रीवास्तव, महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक धर्मेंद्र श्रीवास्तव, गोविंद यादव, सूरज कुमार, आराधना तिवारी, आदि उपस्थित रहे।

# प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने की थीम पर आयोजित हुआ विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम

**अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।**
गुरुवार को सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अंबिकापुर सरगुजा मे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी ( रा. से. यो.) श्रीमती रानी रजक के नेतृत्व मे कराया गया।
कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ. एस. एन. पाण्डेय रा. से. यो. जिला समन्वयक संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा,विशिष्ट अतिथि के रूप मे श्रीमती ममोल कोचेट्टा समाज सेविका, अनुव्रत भारती सोसायटी अंबिकापुर, अंचल कुमार ओझा साइंस ग्रुप एजुकेशन सोसाइटी अंबिकापुर,श्रीमती रोशनी सिंह, श्रीमती अमृता जायसवाल उपस्थित हुए। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के बाहर प्रांगण मे स्वयं सेवकों द्वारा पेड़ लगाया गया।
तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. एस. एन. पाण्डेय द्वारा उद्बोधन विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनायें दी गयी, उन्होने कहा कि आज का दिन हमारे लिए बहुत जरुरी है, हमारा पूरा मानव समाज पर्यावरण के ऊपर ही निर्भर है, यदि पर्यावरण न रहे हो तो हमारा जीवन संभव नहीं है, उन्होने कहा कि हम अपने विकास के लिए पर्यावरण संसाधन का उपयोग करें परन्तु उतना ही

जितना जरुरत हो, तथा प्राकृतिक संसाधन के उपयोग के साथ साथ बचाव भी करना है,हमें ऐसी चीजों से बचना है जिससे हमारा पर्यावरण का संतुलन खराब न हो। साथ ही उन्होंने बताया कि आज जिस तरह से पेड़ कट रहा है, और कारखाने बन रहे है उससे जो गैस निकल रहा है उससे प्रदुषण बढ़ रहा है जिससे हमारा पूरा अस्तित्व खत्म हो रहा है, इसीलिए उन्होंने कहा हमें पेड़ नहीं काटना चाहिए, हम सभी को पेड़ लगाना है तथा उसका देखभाल भी करना है और ऐसे पेड़ो को ज्यादा लगाना चाहिए जिससे हमें ऑक्सीजन अधिक मिलता है। उन्होंने अंत मे कहा कि हम सभी को संकल्प लेना है कि हम सभी पेड़ लगाएंगे एवं दुसरो को भी प्रेरित करेंगे कि वे पेड़ लगाये एवं उसकी देखभाल करें।
तत्पश्चात अंचल कुमार ओझा जी द्वारा अपने उद्बोधन मे कहा कि हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना है, अपने पास हमेशा थैला रखना चाहिए एवं पर्यावरण प्रदुषण कम करना चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि पर्यावरण का मतलब है सभी प्राकृतिक परिवेश जैसे भूमि, वायु, जल, पौधे, जानवर, ठोस पदार्थ, अपशिष्ट, सूर्य का प्रकाश, जंगल और अन्य चीजें। स्वस्थ पर्यावरण प्रकृति के संतुलन को बनाए रखता है और साथ ही पृथ्वी पर सभी जीवित चीजों को बढ़ने, पोषण करने और विकसित करने में मदद करता है।
तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती ममोल कोचेट्टा द्वारा अपने उद्बोधन मे बताया गया कि आज विश्व पर्यावरण दिवस यह याद दिलाता है कि हम सभी को प्रकृति की रक्षा, प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक कदम उठाना है।
यह दिन लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, कचरे को रीसाइकिल करने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि हमें पेड़ लगाने के लिए किसी दिन की आवश्यकता नहीं है , हमे प्रतिदिन पेड़ लगाना चाहिए, और उसकी देखभाल करना चाहिए।
कार्यक्रम के अंत मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा द्वारा बताया गया कि आज, ५ जून २०२५, को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करना है। इस वर्ष की थीम है: प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना है जो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान का हिस्सा है। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रियलता जायसवाल, श्री मिथलेश कुमार गुर्जर, श्रीमती उर्मिला यादव, सुश्री सविता यादव, सुश्री सीमा बंजारे, सुश्री पूजा रानी, सुश्री ज्योत्सना राजभर, सुश्री अर्चना सोनवानी, श्रीमती गोल्डन सिंह श्री नितेश कुमार यादव एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

सड़क बनाने की आड़ में सैकड़ो पेड़ पौधों की कटाई **पेज 09**




# सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** सूचना का अधिकार अधिनियम २००५ के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सरगुजा संभाग स्तरीय एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। इस कार्यशाला में प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं जन सूचना अधिकारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। संभाग आयुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सूचना के अधिकार अधिनियम की बारीकियों की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों को होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सूचना से संबंधित प्रत्येक पहलू को गंभीरता से समझे एवं पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने तथा अधीनस्थ अधिकारियों को भी जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने आरटीआई आवेदनों के शीघ्र निराकरण एवं सतत मॉनिटरिंग हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय डिजिटलाइजेशन का है, ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल जानकारी को सूचना के अधिकार

अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कराना है या नहीं। यदि कराना है, तो इसके क्या प्रावधान हैं, उन्होंने सभी अधिकारियों से कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता की अपील की। राज्य सूचना आयोग की अवर सचिव सुश्री गीता दीवान एवं सेक्शन ऑफिसर श्री अतुल वर्मा ने जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को उनके दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर आवेदन की प्रवृत्ति को समझकर समय-सीमा में सूचना प्रदान करना आवश्यक है। श्री वर्मा ने अधिनियम की धारा २ से ११ तक को विशेष रूप से अध्ययन करने की सलाह दी। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों के माध्यम से शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में जनपद स्तर के अधिकारियों को आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों पर प्रशिक्षण दिया गया। बता दें कि ६ जून को सूचना के अधिकार अधिनियम २००५ के तहत जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

# युक्तियुक्तकरण के तहत शिक्षकों की काउंसलिंग प्रक्रिया जारी

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ के अनुरूप शालाओं में शिक्षकों की उपलब्धता, छात्रों की दर्ज संख्या के अनुपात में सुनिश्चित रखने एवं छात्रहित को ध्यान रखते हुए, छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया अंतर्गत २८३ सहायक शिक्षकों की नवीन पदस्थापना काउंसिल माध्यम से की गई है।

युक्तियुक्तकरण अंतर्गत शिक्षक काउंसलिंग प्रक्रिया जिले के अम्बिकापुर मल्टीपरपज स्कूल में जारी है।

विकासखण्ड स्तरीय समिति द्वारा चिन्हांकित अतिशेष शिक्षकों को जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के अनुमोदन पश्चात जिला स्तर पर आयोजित काउंसलिंग में संबंधित अतिशेष शिक्षक द्वारा चुने गए संस्था में युक्तियुक्तकरण के तहत आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ किया जाता है।

# वृद्धजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हमारे बुजुर्ग,हमारी धरोहर

**अम्बिकापुर ।** वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखते हुए,उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में राष्ट्रीय वयोवृद्ध देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्थ मेले में च्च्दाई-बबा दिवसच्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को के मार्गदर्शन में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बुजुर्गों के बेहतर स्वास्थ्य लाभ हेतु च्च्हमारे बुजुर्ग, हमारी धरोहरच्च थीम पर विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। वृद्धजनों को उनके गांव घर के निकट ही अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। जिसमें प्राथमिक उपचार जांच एवं सेवाएं रक्तचाप, रक्त शर्करा, मोतियाबिंद, हड्डियों की जांच, मानसिक स्वास्थ्य व संज्ञानात्मक परीक्षण, वृद्धावस्था पोषण एवं आयुष आधारित परामर्श के माध्यम से चिकित्सक दल के द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। जांच उपरांत फॉलोअप रेफरल हेतु गंभीर मामलों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रेफरल की सुविधा उपलब्ध कराया गया। वहीं जिन बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड नहीं हैं, उन्हें कार्ड सत्यापन एवं रजिस्ट्रेशन कांउटर पर ले जाकर डिजिटल हेल्थ आईडी (आभा आईडी) से लिंक कराए गए।

कार्यक्रम में बच्चों को शामिल कर उन्हें अपने दादा-दादियों, नाना-नानियों को शिविर तक लाने प्रेरित किया गया। जिससे बच्चों और बुजुर्गों के बीच भावनात्मक संबंध मजबूत हो और बच्चे बुजुर्गों की समस्याओं को समझते हुए आयुष्मान अरोग्य मंदिर की स्वास्थ्य गतिविधियों को भी समझ सकें। शिविरों में बच्चों के लिए शिक्षाप्रद सत्र का भी आयोजन किया गया। जैसे हम अपने बड़ों का ध्यान कैसे रखें संवादात्मक गतिविधियां, चित्रकला-निबंध प्रतियोगिता मेरे दादा-दादी मेरी प्रेरणा है। संवाद सत्र, सांस्कृतिक एवं प्रेरणास्पद सत्र बबा दाई की सीख, बबा दाई सम्मान समारोह आदि गतिविधियां शामिल रहीं।

जिले के २०६ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित हुए शिविर, ०६ हजार से अधिक वृद्धजनों ने कराया स्वास्थ्य जांच, प्राथमिक उपचार पश्चात उपलब्ध कराई गई दवाइयां-

जिले के कुल २०६ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष हेल्थ कैम्प आयोजित हुए।

# जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन, 600 खिलाड़ियों ने लिया प्रशिक्षण

**अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।**

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में गांधी स्टेडियम में आयोजित ३० दिवसीय

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर २०२५-२६ का समापन भव्य समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर में जिले के लगभग ६०० बालक-बालिकाओं को १० विभिन्न खेल विधाओं में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों और वरिष्ठ खिलाड़ियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण शिविर में फुटबॉल, व्हालीबॉल, बास्केटबॉल, ताईक्वाण्डो, शतरंज, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, मलखंभ, योगा एवं बैडमिंटन जैसे खेलों को शामिल किया गया था। प्रतिभागियों को खेल विभाग द्वारा प्रतिदिन प्रातः पौष्टिक आहार एवं आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई। शिविर के प्रत्येक रविवार को विशेष गतिविधियों जैसे तिरंगा दौड़, क्रॉस कंट्री दौड़ एवं साइकिल रेस का आयोजन कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई गई।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सरगुजा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, नगर निगम सभापति श्री हरविन्दर सिंह टिन्नी एवं पार्षद श्री दीपक सिंह तोमर उपस्थित रहे। मलखंभ के खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत शानदार प्रदर्शन ने समारोह में उपस्थित सभी खेल प्रेमियों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने उद्बोधन में महापौर श्रीमती भगत ने खेलों को बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार बताते हुए कहा कि आज का युवा वर्ग मोबाइल और टीवी की लत में फंसा है, जिससे उसका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित करें और खेल को करियर विकल्प के रूप में अपनाने हेतु प्रोत्साहित करें।

समारोह में खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और प्रशिक्षकों को ट्रैकसूट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का विस्तृत प्रतिवेदन सहायक संचालक श्री राम कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम संचालन श्री राकेश मिश्रा एवं श्रीमती सुनीता दास ने किया।


तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क रोग एवं नस रोग विशेषज्ञ
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS, MD, FIPM
• सूईनुमा उपकरण/दूरबीन द्वारा स्लिप डिस्क को निकालना
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicne (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड अम्बिकापुर

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS, MS, DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, निंद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्पॉन्डिलिसिस, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, जानु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

08 जून 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पिटल
RSBY/MSBY (स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर, मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
नि: शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एम.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा
आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

## 101 वैदिक आचार्य आज अयोध्या में करेंगे राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा, सीएम योगी आदित्यनाथ होंगे मुख्य अतिथि

**अयोध्या ,05 जून(ए)।** अयोध्या के श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में आज सुबह 11 बजे राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही मंदिर परिसर के अन्य उपमंदिरों में भी मूर्तियों की प्रतिष्ठा की जाएगी। इस खास मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और राम दरबार की आरती करेंगे। बता दें आज सीएम योगी का जन्मदिन भी है, जिस कारण अयोध्या में खास उत्सव का माहौल है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम वैदिक मंत्रों और हवन के बीच होगा। प्रतिष्ठा अभिजीत मुहूर्त ( 11:45 से 12:45 बजे) के शुभ समय में की जाएगी। राम मंदिर के पहले मंजिल पर बने राम दरबार और आसपास के सात उपमंदिरों में यह पूजा संपन्न होगी। इसमें 101 वैदिक आचार्य शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी सुबह अयोध्या पहुंचकर सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन करेंगे, फिर राम मंदिर में पूजा में भाग लेंगे। इसके बाद वे महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव और रामकथा पार्क में होने वाले अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। संतों और महंतों ने इस आयोजन को ऐतिहासिक और अयोध्या के लिए गर्व का क्षण बताया है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन...पेज 11



## नपा की टीम ने किया पौधरोपण

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुम लता राजवाड़े और नगर पालिका की टीम द्वारा कृष्ण कुंज व कॉपरेटिव बैंक में परिसर में पौधरोपण किया गया।

## विकसित कृषि संकल्प अभियान हमारे क्षेत्र के किसानों के लिए फायदेमंद....नेताम

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** प्रतापपुर के आ.जा.से.सह. समिति में आयोजित विकसित कृषि संकल्प कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जहां उन्होंने कृषक बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार कृषि और इससे जुड़े इससे क्षेत्रों फसलों का उत्पादन बढ़ाने में तैयार है। उन्होंने कहा सरकार की ओर से चलाया जा रहा विकसित कृषि संकल्प अभियान हमारे क्षेत्र के किसानों के लिए निसंदेह फायदेमंद होगा। उन्होंने आगे कहा इस अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार के कृषि वैज्ञानिक किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं। वे उन्नत और संतुलित कृषि की जानकारी किसानों को दे रहे हैं। यह अभियान किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कृषि में विविधिकरण को बढ़ावा देने वाली तकनीकों प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन का उपयोग, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन इत्यादि, प्रमुख विषयों पर कृषकों को जानकारी देने के लिए यह अभियान बहुत उपयोगी साबित होगा। इस अभियान के तहत इन सभी विषयों पर किसानों के साथ चर्चा हो रही है और उनकी जिज्ञासाओं का उपयुक्त समाधान भी संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इस अभियान का त्वरित लाभ किसानों को आगामी खरीफ की फसलों पर होगा।मंत्री रामविचार नेताम द्वारा पर्यावरण दिवस पर समिति परिसर में आम का पौधे भी रोपण किया गया। कार्यक्रम में मंत्री रामविचार नेताम द्वारा किसानों से खेती के संबंध में विशेष चर्चा की गई। मंत्री ने दलहन-तिलहन क्षेत्र विस्तार, गन्ना क्षेत्र विस्तार, पी.एम. किसान योजनान्तर्गत शतप्रतिशत किसानों को लाभांवित करने, स्वायल हेल्थ कार्ड योजनान्तर्गत शतप्रतिशत लाभ दिलाने, अदरक की खेती को बढ़ावा देने, सरसों क्षेत्र विस्तार, मिलेट की खेती को बढ़ावा देने एवं नकली खाद-बीज विक्रय करने वाले निजी एवं सहकारी दूकानों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। शिविर में ५० स्वायल हेल्थ कार्ड, ०५ स्प्रेयर, ०४ पेट्रोल पम्प, ०८ के.सी.सी., ०६ नलकूप हेतु अनुदान किसान समृद्धि योजनान्तर्गत पंजीयन, १५ किसानों को बीज, १२ किसानों को खाद, २०५ फलदार पौधे एवं ३५०६ विभागीय योजनाओं के पम्पलेट वितरण किया गया। शिविर में लगभग ६१२ किसान शामिल हुए थे। शिविर में कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिले के किसानों से विकसित कृषि संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता कर, उन्नत खेती अपनाने और शासन की योजनाओं का लाभ लेते हुए अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, प्रतापपुर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानती सिंह, जरही नगर पंचायत अध्यक्ष पूरन राजवाडे व अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

## कलेक्टर द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन एवं क्रेडा विभाग की ली समीक्षा बैठक

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन एवं क्रेडा विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए हर घर जल सुनिश्चित करवाने के दिए निर्देश। इस दौरान ईई लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ,जलसंसाधन विभाग और क्रेड़ा विभाग के अधिकारी सहित विभाग के अभियंता एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।इस दौरान उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान सिंगल विलेज और मल्टी विलेज स्कीम के तहत टंकी निर्माण, पाइप लाइन विस्तारीकरण की जानकारी लेते हुए मिशन के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मिशन की सफलता के लिए क्रियान्वित किए जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में उपस्थित अधिकारियों, अभियंता और ठेकेदारों से चर्चा की । इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समस्या का त्वरित निपटान के निर्देश दिए।इस दौरान ईई जलसंसाधन से पानी के विभिन्न स्त्रोतों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जलजीवन मिशन के लिए जल आपूर्ति के लिए पानी की उपलब्धता के संबंध में चर्चा की। इसके अलावा जलजीवन मिशन अंतर्गत गांवों में क्रेड़ा विभाग से सौर ऊर्जा आधारित जलापूर्ति अवसंरचना निर्माण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने विभागों को निर्देशित करते हुए हर घर जल आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए हर घर जल सर्टिफिकेशन करवाने के दिए निर्देश। उन्होंने मल्टी विलेज और सिंगल विलेज स्कीम के अंतर्गत बचे हुए कार्यों को जल्द पूरा करते हुए जलापूर्ति सभी गांव में सुनिश्चित करने के लिए उपस्थित ठेकेदार को निर्देश दिए। इस दौरान गांव वालों द्वारा नलों को खोल कर पानी बबार्दी करने, जलापूर्ति पाइपलाइन से पंप के द्वारा पानी की निकासी करने जैसे शिकायत प्राप्त होने पर उन्होंने इसके लिए उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

# पुलिस का साइबर फ्राड गिरोह पर शिकंजा,दो आरोपी गिरफ्तार

### ०० रकम लेकर ठग को खाता का देते थे एक्सेस

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** पुलिस ने साइबर ठगों के नेटवर्क में शामिल २ आरोपी को पकड़ा है। ये आरोपी साइबर ठगों के लिए म्यूल बैंक अकाउंट, एमटीएम कार्ड व मोबाईल सीम उपलब्ध कराते थे। आरोपियों के ऐसे ०२ बैंक अकाउंट की पहचान की गई है, जिसमें ४ लाख ४५ हजार ५५१ रुपए से अधिक का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपियों के म्यूल बैंक अकाउन्ट नंबरों एवं उनके मोबाईल नंबरों को सीज किया जा चुका है।भारतीय सायबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई फोर सी) द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल (ज्वाईट साइबर क्राईम कार्डिनेशन टीम मैनेजमेंट इन्फारमेंशन सिस्टम) में स्थित विभिन्न बैंक शाखाओं में संचालित लेयर-१ पर कार्यवाही करने के संबंध में पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ से शिकायत प्राप्त हुआ जिसमें म्यूल अकाउंट खाता धारक मुकेश देवांगन निवासी ग्राम केवरा भैयाथान व ग्राम महगंवा निवासी सूरज प्रसाद सारथी के बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा सूरजपुर के एकाउंट शामील थे।डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने ऑनलाईन सायबर फ्राड के शिकायतों का गंभीरता से लेते हुए शिकायत की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो से कराया। जांच उपरान्त साइबर फ्राड से संबंधित शिकायत में महाराष्ट्र बैंक सूरजपुर का खाता मुकेश व सूरज के नाम से होने पर उनके विरूद्ध थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक २६८/२५ धारा ४१३, ४२०, १२०बी भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस ने पाया कि म्यूल एकाउंट खाता धारक मुकेश देवांगन व सूरज प्रसाद सारथी के खाते में अलग अलग राज्य से संबंधित सायबर क्राईम में ठगी की गई रकम करीब ४,४५,५५१/- रुपए का लेन-देन किया गया है। विवेचना के दौरान प्रकरण के आरोपी मुकेश देवांगन पिता दरोगू उम्र २५ वर्ष निवासी ग्राम केवरा थाना झिलमिली एवं सूरज प्रसाद सारथी पिता गुरू प्रसाद उम्र २५ वर्ष ग्राम महगंवा, थाना सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही जारी है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विमलेश दुबे, एसआई मनोज सिंह, एएसआई सुमन्त पाण्डेय व उनकी टीम सक्रिय रही।

## आक्सीजन के लिए पर्यावरण का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी...

### ०० न्यायालय परिसर में किया गया पौधरोपण

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा जारी एक्टिविटी कैलेंडर में दिए गए दिशानिदेशों और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरन के मार्गदर्शन में आज विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरित भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देने के उद्देश्य से किया गया था। इस पुनीत कार्य में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मानवेन्द्र सिंह प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, ने स्वयं वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की उनके साथ कुमारी रूपल अग्रवाल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कुमारी हिमांशी सराफ, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सूरजपुर भी उपस्थित थीं. जिन्होंने सक्रिय रूप से पौधे लगाए।न्यायालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में हृदय नारायण श्रीवास्तव, चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल संजय श्रीवास्तव, न्यायालय अधीक्षक, और अमित ताम्रकर, कोर्ट मैनेजर, शामिल थे, सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर न्यायालय परिसर को और अधिक हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दिया। वृक्षारोपण के माध्यम से, सभी गणमान्य व्यक्तियों ने समाज को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि पर्यावरण का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, पेड़-पौधे न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते है, बल्कि वे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय मुद्दों, जैसे प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई और जैव विविधता के नुकसान पर ध्यान आकर्षित करना है। आज का कार्यक्रम इसी उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में एक सकारात्मक कदम था। आज के कार्यक्रम में न्यायालय के सभी कर्मचारीगण के साथ पक्षकारगण भी उपस्थित रहे।

## स्वच्छ पर्यावरण और प्लास्टिक मुक्त ग्राम का संदेश देते हुए किया गया वृक्षारोपण

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रहियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के एमएलआरएम शेड, सामुदायिक शौचालयों, स्कूल परिसरों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में वृक्षारोपण कर स्वच्छ, हरा-भरा एवं प्लास्टिक मुक्त ग्राम का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंच-सरपंचों, स्वेच्छाग्रहियों, शिक्षकगणों तथा बच्चों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।इस अवसर पर अधिकारियों ने ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि पेड़-पौधों का रोपण केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रम न होकर जीवन रक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने की अपील की गई।

## मानव सेवा दल द्वारा पर्यावरण दिवस पर किया कैरीबैग का वितरण

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** मानव उत्थान सेवा समिति के संस्थापाक एवं प्रख्यात संत सदगुरुदेव श्रीसतपालजी महाराज की प्रेरणा से जिला सरगुजा प्रभारी महात्मा सुगंधी बाई के मार्गदर्शन में मानव सेवा दल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक मुक्त भारत के थीम पर जन जागरण अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य अतिथि श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने स्वयंसेवकों के साथ वार्ड क्रमांक १७ तालाब के पास में जनसंपर्क के माध्यम से कैरी बैग का वितरण किया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु लोगों को जागृत किया। श्रीमती कुसुम लता राजवाड़े ने अपने उदबोधन में कहा कि जिस प्रकार सतपालजी महाराज की प्रेरणा से मानव सेवा दल द्वारा यह पर्यावरण के सन्दर्भ में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है यह बहुत ही सराहनीय है हम सब इससे प्रेरणा लेनी चाहिये। हमें प्लास्टिक पर अपनी निर्भरता को कम करना है क्योंकि प्लास्टिक से हमें बहुत नुकसान है पशुओं के खा जाने पर प्लास्टिक गलता नहीं है जिससे पशुओं का मौत हो जाता है तथा यदि हम प्लास्टिक को जलाते भी हैं तो भी प्लास्टिक के जलने से जहरीला धुआं निकलता है जिससे हमारा पर्यावरण दूषित होता है जिसका प्रभाव सीधे मानव जीवन पर पड़ता है। आवश्यकता पड़ने पर कैरी बैग का उपयोग करें और पर्यावरण संरक्षण में अधिक से अधिक पौधारोपण कर सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम का संचालन राजू मानिकपुरी जिला संयोजक, मानव सेवा दल छत्तीसगढ़ के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बसंत जायसवाल सहायक अभियंता, प्रशांत साहू, पारस राजवाड़े, कलकत्ता राजवाड़े, बाबूलाल राजवाड़े मंडल प्रशिक्षक,धर्मजीत राजवाड़े जिला प्रमुख, मोतीलाल सिंह उप जिला प्रमुख, सेवक राम राजवाडे जिला प्रशिक्षक, मलेश्वर प्रसाद टोली नायक, मुन्नी रंजन, राजेंद्र प्रसाद, खेल साय, अजय प्रजापति, श्रीमती सावित्री देवी एवं वार्ड वासियों का सहयोग सराहनीय रहा।

## पौधरोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नही बल्कि एक दीर्घकालिक सामाजिक दायित्व है

### ०० विश्व पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधरोपण

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर के ज्कृष्ण कुंजज्ज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष २०२५ की थीम ज्प्लास्टिक प्रदूषण हटाओ से संबंधित जन-जागरूकता के साथ-साथ विभिन्न प्रजातियों के कुल २०० पौधों का रोपण कृष्ण कंज में जिले के नागरिकगण, जनप्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अमले के सहयोग व उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने उद्बोधन मे प्लास्टिक से होने वाले नुकसान तथा इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव के संबंध में प्रकाश डाला एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होते हुये उपस्थित जनता से वृहद मात्रा में वृक्षारोपण करने के संबंध में अपील की। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर एक दीर्घकालिक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों पर व्यापक वृक्षारोपण की योजना बनाई गई है।

उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे पर्यावरण के प्रति सजग रहें और अपने आस-पास हरियाली बढ़ाने में प्रशासन का सहयोग करें।उक्त कार्यक्रम में उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह एव भीमसेन अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम) के द्वारा भी अपने आसपास प्लास्टिक का प्रयोग कम करने व पौधों के रोपण एवं उनकी देखरेख, सुरक्षा के संबंध में उद्बोधन देते हुये अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति की रक्षा करने के संबंध में अपील किया गया। उपरोक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर एस. जयवर्धन, मुकेश गर्ग, संत कुमार साहू, सौभाग्य दुबे, शशीकांत गर्ग, मनोज पाण्डेय, दरोगासिंह, संत सिंह, संदीप अग्रवाल सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

# गंगावतरण दिवस पर छठ तालाब पर हुआ गंगा पूजन

**सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।** गंगावतरण दिवस पर आज नगर के छठ तालाब,दुलही तालाब में गंगा पूजन व आरती का आयोजन किया गया था।इस मौके पर तालाबो की व्यापक साफ सफाई की गई थी।

परम्परागत रूप से छठ तालाब पर गंगा पूजन का आयोजन किया गया था।जिसमे मां गंगा का आशीर्वाद लेने नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुम लता राजवाड़े, सीएमओ प्रभाकर शुक्ला, पार्षद मंजू लता गोयल, पार्षद प्रमोद तायल, इंजीनियर बसंत जायसवाल, इंजीनियर मुद्रिका तिवारी, सुरेन्द्र राजवाड़े , संजू सोनी, शिवम साहू, कोलकाता राजवाड़े, अज्जू तायल, दीपक पुरी, राजकुमार सोनी, प्रदीप गोयल आदि पहुँचे थे।